THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 108 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.6 2083 रविवार, 19 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

GITAM
DEEMED TO BE UNIVERSITY
BENGALURU • HYDERABAD • VISAKHAPATNAM

GITAM
DEEMED TO BE UNIVERSITY
BENGALURU • HYDERABAD • VISAKHAPATNAM

GITAM
DEEMED TO BE UNIVERSITY

GITAM Student Selected for 1:1 Startup Pitch to Tim Cook

Manas Malla
B.Tech. CSE

Recognised in Apple's Swift Student Challenge 2026

Only a few seats left in

B.Tech. CSE

COMPUTER SCIENCE AND ENGINEERING

Apply with
JEE Main,
AP & TS EAPCET,
KCET and COMEDK.

Scholarships up to
100%
Including food and accommodation.

BENGALURU | HYDERABAD | VISAKHAPATNAM

LAST DATE TO APPLY
24 July

APPLY ONLINE
apply.gitam.edu

CALL US
88849 84000

SCAN TO APPLY

गुंटूर की घटना को लेकर गृह मंत्री अनीता सख्त

अमरावती, 18 जुलाई (एजेंसियां)। गुंटूर में एक महिला पर हुए आपराधिक हमले की घटना सामने आई है। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगलापुडी अनीता ने इस घटना पर कड़ा रुख अपनाया है। अनीता ने इस मामले में गुंटूर जिले के एसपी से बात की और घटना की पूरी जानकारी ली। एसपी ने कहा कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की जाएगी। गृह मंत्री ने उन पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई का आदेश दिया जिन्होंने इस मामले की जांच में लापरवाही बरती।

गृह मंत्री ने सवाल किया कि घटना के बाद सीआई ने कार्रवाई करने में लापरवाही क्यों बरती? गृह मंत्री ने चेतावनी दी कि जुए या किसी अन्य कारण से लोगों के मामलों में लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। अपराधियों को अपराधी के तौर पर ही देखा जाना चाहिए, चाहे वे किसी भी पार्टी से जुड़े हों। गृह मंत्री अनीता ने आदेश दिया कि पार्टियों की आड़ में अपराध करने वालों के खिलाफ सख्ती बरती जाए।

छत्तीसगढ़ में बारिश का 93 साल का रिकॉर्ड टूटा

यूपी के सभी 75 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

अरुणाचल प्रदेश के 35 गांवों में लैंडस्लाइड

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बारिश का 93 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। यहां 1993 में 14.93 इंच बारिश हुई थी। लेकिन शनिवार को 16 इंच बारिश हुई और ये रिकॉर्ड टूट गया। यूपी के लखनऊ, कानपुर और बाराबंकी समेत सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया। वाराणसी में गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने के बाद गंगा आरती की जगह बदलनी पड़ी है। झांसी में 15 मिनट की बारिश के बाद पारा 7 डिग्री तक कम हो गया।

वहीं, अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। पिछले 24 घंटों में अपर सुबनसिरी जिले के गिबा,

निलिंग, चेतम और दापोरिजो सर्किलों के 35 गांवों में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड हुई। बाढ़ से अब तक 1,13,674 लोग प्रभावित हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में लगातार बढ़ रहे चिनाब नदी का जलस्तर बढ़ने पर सलाल बांध के सभी गेट खोले गए, प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की।

बगहा और बेतिया में सुबह-सुबह बारिश हुई है। ठंडी हवा चल रही है। आसमान में बादल छाए हैं। लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी शनिवार को प्रदेश के 5 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में तेज हवा भी चल सकती है। पहाड़ों पर भारी बारिश से प्रदेश की नदियां उफान पर हैं। वाराणसी में गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने के बाद गंगा आरती की जगह बदलनी पड़ी है। ललिता घाट पर होने वाली गंगा आरती अब सीढ़ियों के ऊपर सुरक्षित स्थान पर कराई जाएगी। प्रयागराज संगम पर अनाउंस कर लोगों को नदी से दूर रहने को कहा जा रहा है। राजस्थान में मानसून अब भी ब्रेक पर है। शनिवार को 10 जिलों में बारिश की संभावना है, लेकिन तेज बरसात का अलर्ट नहीं है। राज्य में अब तक सामान्य से 21 फीसदी कम बरसात हुई है।

जेलों में रंगदारी और रिश्वत का बड़ा खेल

3 जेल अफसरों समेत 5 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की जेलों मे रंगदारी और रिश्वतखोरी के संगठित रैकेट के मामले में राउज एवेन्यू स्थित विशेष एसीबी अदालत ने रोहिणी जेल के तीन अधिकारियों, एक अधिवक्ता और एक निजी व्यक्ति को 31 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत ने कहा कि आरोपितों के प्रभावशाली पद और मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्हें रिहा करने पर साक्ष्यों से छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित किए जाने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

राउज एवेन्यू स्थित विशेष एसीबी न्यायाधीश विद्या प्रकाश की अदालत ने रोहिणी जेल के सहायक अधीक्षक सुनील कुमार, हेड वार्डर योगेश, वार्डर जगबीर, बागपत निवासी अधिवक्ता हरेंद्र बंसल और दिल्ली निवासी विप्लव खारी को 31 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

हैलो ! नीट टॉपर श्रावणी कुडाले

सुनेत्रा पवार ने किया वीडियो कॉल, बारामती की बेटी को कामयाबी पर दी बधाई

पुणे, 18 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक को लेकर देश भर में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग जारी है। इसी बीच री-नीट परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। इसमें बारामती की श्रावणी कुडाले ने राष्ट्रीय स्तर पर पांचवीं रैंक और लड़कियों में पहली रैंक हासिल की है। अपनी पहली ही कोशिश में मिली इस शानदार कामयाबी से उनके माता-पिता बहुत खुश हैं। उनके माता-पिता कृष्णा कुडाले और जयश्री कुडाले जिला परिषद स्कूल में शिक्षक हैं। उन्होंने गर्व जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें इतनी बड़ी कामयाबी की उम्मीद नहीं थी, लेकिन वे उसकी सफलता से बहुत खुश हैं। साथ ही डिप्टी सीएम और बारामती की विधायक सुनेत्रा पवार ने फोन पर उन्हें बधाई दी। बारामती की श्रावणी कुडाले न सिर्फ पास हुईं, बल्कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पांचवीं रैंक (लड़कियों में पहली रैंक) हासिल की और राज्य में टॉप किया। उन्होंने 720 में से 710 अंक हासिल किए।

उनके विषय-वार अंक इस प्रकार रहे- बायोलॉजी में 360 में से 360, केमिस्ट्री में 180 में से 175 और फिजिक्स में 180 में से 175 कॉलेज के समय के अलावा श्रावणी रोजाना छह घंटे पढ़ाई करती थीं और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्हें अपनी कई निजी रुचियों को छोड़ना पड़ा। उन्होंने आठवीं कक्षा में ही डॉक्टर बनने का फैसला कर लिया था। उन्होंने यह भी बताया कि शुरुआती परीक्षा के दौरान पेपर लीक होने से उनके हौसले या तैयारी पर कोई असर नहीं पड़ा।

कुत्ते का पीछा कर घर के अंदर घुसा गुलदार, बहादुर बेटी ने बचाई पिता की जान

चंपावत, 18 जुलाई (एजेंसियां)। घर के अंदर घुसे गुलदार ने पिता पर हमला किया तो बेटी ने बहादुरी दिखाते हुए न केवल पिता को गुलदार के चंगुल से आजाद कराया अपितु बाहर से दरबाजा बंद कर गुलदार को कमरे में कैद कर लिया। बेटी के इस साहस को हर कोई सलाम कर रहा है। फिलहाल गुलदार के हमले में घायल पिता का उपचार अस्पताल में चल रहा है। वन विभाग ने गुलदार को रेस्क्यू कर लिया है।

घटना जिला मुख्यालय से आठ किमी दूर सिमल्टा गांव की है। नौ बजे करीब एक गुलदार कुत्ते का पीछा करते-करते सुरेश चंद्र पांडेय के घर में घुस गया। बताया जा रहा है कि गृह स्वामी सुरेश पांडेय भोजन करने के बाद कमरे में टीवी देख रहे थे। अचानक गुलदार को कमरे में देख उनके होश उड़ गए। शोरगुल करते ही गुलदार ने उनपर हमला बोल दिया। पिता का शोर सुनते ही माइके आई उनकी व्याहित बेटी किरन पांडेय मौके पर पहुंची और साहस का परिचय देते हुए पिता को कमरे से बाहर निकाला और दरबाजा बंद कर गुलदार को अंदर कैद कर लिया।

सोनम वांगचुक को लेकर प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकार और सीजेपी को घेरा, कहा- लोग ये भूलेंगे नहीं

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में भूख हड़ताल पर बैठे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अस्पताल में शिफ्ट किए जाने के बाद से सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। आदित्य ठाकरे के बाद अब शिवसेना (यूबीटी) की पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को उनकी भूख हड़ताल खत्म करवाने के लिए किसी मंत्री को भेजना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय दिल्ली पुलिस को भेज दिया गया।

प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट कर सरकार को घेरा है। प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- उनका अनशन खत्म करवाने के लिए किसी मंत्री को भेजने के बजाय सरकार ने दिल्ली पुलिस को भेजा, लोग इसे भूलेंगे नहीं। प्रियंका ने सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य पर चिंता भी जाहिर की और लिखा, सोनम जी, हमें आपकी जरूरत है ताकि आप आगे भी संघर्ष जारी रख सकें। हो सकता है मुझे इस बयान के लिए ट्रोल किया जाए, लेकिन फिर भी मैं कहूंगी कि सीजेपी अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए वांगचुक को 'बलि का बकरा' नहीं बना सकता। शिवसेना (यूबीटी) नेता का यह बयान तब सामने आ रहा है जब पिछले 28 जून से सोनम वांगचुक भूख हड़ताल पर हैं और अब वो इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हैं। दिल्ली पुलिस ने दावा किया था कि हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुसार ही वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया है। हालांकि, वांगचुक की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया अभी तक सामने नहीं आई है। वहीं सीजेपी चीफ अभिजीत दीपके ने दिल्ली पुलिस पर हिरासत के दौरान मारपीट करने का आरोप लगाया था।

इस कार्रवाई पर विपक्ष ने सवाल भी उठाये हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के बाद अभिजीत दीपके जंतर-मंतर पर ही भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। उन्होंने कहा है कि जंतर-मंतर से आंदोलन जारी रहेगा और वो 20 जुलाई को होने वाले अपने संसद मार्च के साथ आगे बढ़ेंगे। बता दें कि सीजेपी 20 जुलाई को संसद तक मार्च करने वाला है। इसमें शामिल होने के लिए वांगचुक ने लोगों से एक वीडियो शेयर कर अपील भी की थी।

गौलापार जू सफारी : 10 साल बाद परियोजना को मिली नई गति, 270 करोड़ की प्राथमिक रिपोर्ट तैयार

हल्द्वानी, 18 जुलाई (एजेंसियां)। गौलापार में प्रस्तावित जू सफारी (अंतरराष्ट्रीय चिड़ियाघर) के धरातल पर उतरने की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। निर्माण एजेंसी ब्रिडकुल ने करीब 412 हेक्टेयर जमीन पर बनने वाले जू सफारी के लिए सर्वे कर लिया है। साथ ही 270 करोड़ रुपये की प्राथमिक परियोजना रिपोर्ट (पीपीआर) वन विभाग को सौंप दी है। दरअसल, मई 2026 में जू सफारी के निर्माण की जिम्मेदारी दी गई थी। इसके बाद कार्यदायी संस्था ने वन विभाग के साथ बैठक कर समिति बनाई। फिर उन्नत सैटेलाइट आधारित सर्वेक्षण तकनीक से जमीन का सर्वे किया गया।

इसके बाद वन विभाग को पीपीआर सौंपी गई है, जिसे परीक्षण के बाद शासन को भेजा जाएगा। ब्रिडकुल के अधिकारियों के अनुसार, शासन से पीपीआर स्वीकृत होने के बाद प्रोजेक्ट की लागत का दो प्रतिशत यानी 5.4 करोड़ रुपये मिलेंगे। इससे ही डीपीआर बनाई जाएगी। उनका लक्ष्य है कि अगस्त के अंत तक डीपीआर तैयार कर दी जाए। जू सफारी के निर्माण का कार्य लगभग 10 वर्ष से अटका हुआ है।

स्टेटहुड नहीं, 370 ही असली मुद्दा है

महबूबा का फारूक अब्दुल्ला को दो टूक पत्र बोलीं- '5 अगस्त को वैधता मत दो'

श्रीनगर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में एक बार फिर अनुच्छेद 370 बनाम स्टेटहुड की बहस तेज हो गई है। राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रस्तावित नेकां के प्रदर्शन से पीडीपी ने खुद को अलग कर लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने साफ कहा है कि सिर्फ स्टेटहुड की लड़ाई लड़ना पांच अगस्त 2019 के फैसले को परोक्ष रूप से स्वीकार करने जैसा होगा। उन्होंने नेकां नेतृत्व से लद्दाख की तर्ज पर सभी क्षेत्रीय दलों को एक मंच पर लाकर अनुच्छेद 370 की बहाली की लड़ाई छेड़ने, जमात-ए-इस्लामी समेत प्रतिबंधित सामाजिक-राजनीतिक संगठनों पर लगी रोक हटाने और राजनीतिक बंदियों की रिहाई को भी आंदोलन का हिस्सा बनाने की अपील की है।

नेकां अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला कोलिखे पत्र में महबूबा मुफ्ती ने प्रदर्शन में शामिल होने के निमंत्रण के लिए उनका आभार व्यक्त किया, लेकिन कहा कि वरिष्ठ नेताओं से विचार-विमर्श के बाद पीडीपी ने आंदोलन से दूरी बनाए

रखने का फैसला किया है। उनका कहना है कि यदि संघर्ष को केवल स्टेटहुड की मांग तक सीमित कर दिया गया तो जम्मू-कश्मीर के मूल संवैधानिक और राजनीतिक प्रश्न हाशिये पर चले जाएंगे। महबूबा ने लिखा कि पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35-ए को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर का विशेष संवैधानिक दर्जा खत्म किया गया और राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया गया। उनके अनुसार यह केवल प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं था, बल्कि जम्मू-कश्मीर के लोगों की संवैधानिक पहचान, अधिकारों और सम्मान पर सीधा प्रहार था। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोग आज भी उस सामूहिक पीड़ा और अपमान को महसूस कर रहे हैं, जिसे केवल स्टेटहुड की बहाली से दूर नहीं किया जा सकता। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में पीडीपी और नेकां दोनों ने अपने-अपने घोषणा पत्र में अनुच्छेद 370 की बहाली का वादा किया था। उन्होंने कहा कि जनता ने नेकां को इसी भरोसे पर जनादेश दिया था। ऐसे में अब पूरे राजनीतिक संघर्ष को केवल स्टेटहुड तक सीमित करना जनता की भावनाओं और चुनावी वादों से पीछे हटने जैसा होगा। महबूबा ने आरोप लगाया कि नेकां धीरे-धीरे जम्मू-कश्मीर के व्यापक संवैधानिक संघर्ष को केवल स्टेटहुड के मुद्दे तक समेट रही है, जिससे भाजपा के राजनीतिक एजेंडे को ही मजबूती मिल रही है।

उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सरकार सरकारी कर्मचारियों की बर्खास्तगी, जमात-ए-इस्लामी और उससे जुड़े संस्थानों पर कार्रवाई, मनमानी गिरफ्तारियों, साहित्य पर पाबंदियों तथा पर्यावरणीय क्षरण जैसे गंभीर मामलों पर मूकदर्शक बनी हुई है।

लोहे के कारखाने में भीषण विस्फोट

पांच मजदूर घायल ; 8 से 10 लोगों के फंसे होने की आशंका

कोलकाता, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्दवान जिले के जामुड़िया स्थित एक स्पंज आयरन फैक्ट्री में में हुए भीषण विस्फोट के बाद आग लग गई। हादसे में कम से कम पांच मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाका फैक्ट्री की भट्टी में हुआ। धमाका इतना तेज था कि एक किलोमीटर दूर तक उसकी आवाज सुनी गई। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा हुआ। विस्फोट के बाद फैक्ट्री में आग लग गई, जिसके बाद पुलिस और दमकल विभाग ने बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। जामुड़िया थाना के प्रभारी ने बताया, 'अब तक पांच मजदूरों को सुरक्षित निकालकर विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सभी की हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि विस्फोट के समय भट्टी के आसपास कोई अन्य कर्मचारी मौजूद था या नहीं।'

उन्होंने कहा कि भट्टी के आसपास का तापमान सामान्य होने और क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद ही फैक्ट्री के अंदर तलाशी अभियान शुरू किया जा सकेगा। एक अन्य पुलिस अधिकारी के अनुसार, विस्फोट के बाद भट्टी के आसपास का तापमान कई डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, जिससे राहत और बचाव कार्य में काफी दिक्कतें आ रही हैं। वहीं, स्थानीय लोगों का दावा है कि फैक्ट्री के भीतर अभी भी आठ से दस मजदूर लापता हैं और उनके अंदर फंसे होने की आशंका है। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि विस्फोट के असर से फैक्ट्री के आसपास स्थित कई मकानों में दरारें आ गई हैं।

इस बीच, स्थानीय भाजपा नेता दीप बंदोपाध्याय ने फैक्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि हादसे के बाद फैक्ट्री प्रबंधन का कोई प्रतिनिधि या सुरक्षा कर्मी मौके पर मौजूद नहीं था। उन्होंने कहा, 'इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद प्रबंधन का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचा। स्थानीय विधायक बिजन मुखोपाध्याय ने तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था कर घायलों को बिना देरी अस्पताल पहुंचाने का इंतजाम किया।' दीप बंदोपाध्याय ने आरोप लगाया कि फैक्ट्री में मजदूरों से असुरक्षित परिस्थितियों में काम कराया जा रहा था। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की।

जेठवानी मामले में सीआईडी फिर से चार्जशीट दाखिल करेगी

विजयवाड़ा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सीआईडी ने मुंबई की मॉडल और एक्ट्रेस कादंबरी जेठवानी मामले में चार्जशीट दाखिल की थी, जिसे वापस कर दिया गया। जल्द ही जांच एजेंसी कोर्ट में नई चार्जशीट पेश करेगी। इस मामले में, कुछ दिन पहले सीआईडी अधिकारियों ने विजयवाड़ा की चौथी अतिरिक्त न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। उस समय, पुलिस अधिकारियों ने जगन और उनके परिवार को गलत तरीके से गिरफ्तार किया था। जेठवानी को लोगों की तस्वीरें पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। सरकार के सत्ता में आने के बाद उन पर आरोप लगाए गए। सितंबर 2024 में विजयवाड़ा पुलिस कमिश्नर एस।वी। राजशेखर बाबू के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। इब्राहिमपटनम पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ आईपीसी की धाराओं 120बी, 166, 166ए, 167, 342, 354डी, 420, 467, 469, 471 और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया था (क्राइम नंबर 469/2024)। इसमें वाईसीपी नेता कुक्ला विद्यासागर (ए1), सर्विलांस विभाग के पूर्व प्रमुख पी।एस।आर। आंजनेयुलु (ए2), पुलिस अधिकारी कांतिराना टाटा (ए3), के। हनुमंताराव (ए4), मुतिला सत्यनारायण (ए5) और विशाल गुन्नी (ए6) के साथ-साथ प्रकाशम जिले के एक वकील को भी आरोपी बनाया गया है।

पीएसआर। आंजनेयुलु, कांतिराना, विशाल गुन्नी, तत्कालीन वेस्टर्न डिवीजन आईपीसी के। हनुमंताराव और इब्राहिमपटनम इंस्पेक्टर सत्यनारायण फिलहाल सस्पेंड हैं। इब्राहिमपटनम पुलिस द्वारा मामला दर्ज करने के बाद, सरकार ने इसे सीआईडी को सौंप दिया। सीआईडी के गुंटूर क्षेत्रीय विभाग के अधिकारियों ने जांच की। मामले में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका का विवरण देते हुए एक चार्जशीट तैयार की गई थी। पता चला है कि कोर्ट द्वारा इसे वापस किए जाने के बाद जल्द ही एक नई चार्जशीट दाखिल की जाएगी।

प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना राज्य की ज़िम्मेदारी है : हाई कोर्ट

अमरावती, 18 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन, खासकर जलाशयों से बड़े पैमाने पर रेत और मिट्टी निकालने पर गंभीर चिंता जताई है। 'पब्लिक ट्रस्ट डॉक्ट्रिन' (जन-विश्वास सिद्धांत) पर ज़ोर देते हुए कोर्ट ने कहा कि हवा, पानी और जंगल जैसे प्राकृतिक संसाधन प्रकृति की देन हैं और इन्हें किसी व्यक्ति, निजी संस्था या सरकार की संपत्ति नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि राज्य केवल लोगों की ओर से एक ट्रस्टी (संरक्षक) के तौर पर काम करता है और वर्तमान व भविष्य की पीढ़ियों के फ़ायदे के लिए इन संसाधनों को बचाने की उसकी संवैधानिक ज़िम्मेदारी है। जस्टिस कुंचम महेश्वर राव ने ये बातें तब कहीं जब उन्होंने विजयनगरम के ज़िला कलेक्टर के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें 'इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रोजेक्ट' के तहत नेशनल हाईवे बनाने के लिए बोंडापल्ली मंडल के कोथापालेम गाँव में 'कन्नम नायडू चेरुवु' (जलाशय) से रेत और मिट्टी निकालने की अनुमति दी गई थी। कोर्ट ने राज्य सरकार को प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए 8 मई को जारी 'स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर' (एसओपी) को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया और मुख्य सचिव से कहा कि वे नियमों के पालन की निगरानी और पर्यावरण को नुकसान से बचाने के लिए सालाना समीक्षा बैठकें करें।

यह याचिका स्थानीय निवासियों, जिनमें बोड्डु सत्यवती भी शामिल थीं, ने दायर की थी। उनका तर्क था कि 'कन्नम नायडू चेरुवु' उनके गाँव और आस-पास की बस्तियों के लिए सिंचाई और पीने के पानी का मुख्य स्रोत है। कोर्ट ने माना कि इस जलाशय के पारिस्थितिक और सार्वजनिक महत्व को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

फ़ैसले में इस बात पर ज़ोर दिया गया कि पर्यावरण संरक्षण कोई आधुनिक अवधारणा नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का एक अभिन्न अंग है। जस्टिस महेश्वर राव ने कहा कि जीवन का संवैधानिक अधिकार केवल शारीरिक रूप से जीवित रहने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण में जीने का अधिकार भी शामिल है।

आंध्र प्रदेश के विकास में अश्विनी वैष्णव का योगदान अमूल्य है: पवन कल्याण

अमरावती, 18 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने भारतीय रेलवे प्रणाली को और मजबूत करने और देश के डिजिटल बदलाव को गति देने में अश्विनी वैष्णव द्वारा दिखाए गए अद्भुत समर्पण की सराहना की। देश के विकास के लिए उनकी कोशिशें मेरे लिए प्रेरणादायक हैं। इस संबंध में पवन कल्याण ने एक पोस्ट भी किया।

पवन कल्याण ने आंध्र प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास और रेलवे परियोजनाओं की प्रगति में राज्य के लोगों से मिल रहे निरंतर सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय से विकास कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पवन कल्याण ने अश्विनी वैष्णव के अच्छे स्वास्थ्य और खुशी की कामना की और देश की सेवा में उन्हें और सफलता मिलने की उम्मीद जताई।

दुष्कर्म के दोषी चाचा को 20 साल की कैद

धर्मशाला, 18 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश कांगड़ा में फास्ट ट्रैक पॉक्सो कोर्ट (अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायाधीश) विजय लक्ष्मी ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने दोषी पर 15,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। महिला थाना धर्मशाला में 9 अप्रैल 2025 को एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया था कि रिश्ते में चाचा लगने वाला व्यक्ति लंबे समय से उसे डरा धमका रहा था और उसकी इच्छा के विरुद्ध लगातार शारीरिक संबंध बना रहा था। आरोपी ने पीड़िता को इस घिनौनी हरकत की जानकारी किसी को भी देने पर उसे और उसके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। इसी डर के कारण पीड़िता चुप रही, लेकिन बाद में जब उसके गर्भवती होने का पता चला और उसने एक बच्चे को जन्म दिया, तब जाकर यह मामला पुलिस के संज्ञान में आया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 108 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.6 2083 रविवार, 19 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

राम मंदिर चढ़ावा मामला : कल होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट 20 जुलाई को अयोध्या स्थित राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट की 20 जुलाई की कॉज़ लिस्ट के अनुसार, इस मुद्दे से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाओं पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ सुनवाई करेगी। 13 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने इन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमति जताई थी और मामले की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) को अदालत के समक्ष स्टेटस रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था।

विक्रम-1 स्काईरूट ने रचा इतिहास

छह पेलोड पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किए

इसरो प्रमुख ने बताए भारत के भविष्य के मिशन

श्रीहरिकोटा, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में एक नया इतिहास रच दिया है। निजी क्षेत्र की कंपनी 'स्काईरूट एयरोस्पेस' द्वारा पूरी तरह से विकसित किए गए भारत के पहले निजी ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट 'विक्रम-1' को श्रीहरिकोटा से सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया गया है। इस कामयाबी के साथ ही भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश बन गया है जिसके पास प्राइवेट ऑर्बिटल लॉन्च की क्षमता है।

युवा टीम का कमाल : कार्बन कंपोजिट से बना है रॉकेट :

स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ और फाउंडर पवन कुमार चंदना ने इस सफलता पर भारी खुशी जताई। उन्होंने कहा, यह भारत में पहली बार हुआ है जब किसी प्राइवेट कंपनी ने खुद का रॉकेट बनाया, खुद का लॉन्च पैड तैयार किया और उड़ान भरी। यह पूरी दुनिया के स्पेस सेक्टर के लिए एक बेहद अहम पल है। हमें गर्व है कि हम इसे कर दिखाए। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस रॉकेट को बनाने वाली टीम की औसत उम्र सिर्फ 28 साल है। यह पूरा रॉकेट पूरी तरह से 'कार्बन कंपोजिट' से बना है जो इसे बेहद हल्का और मजबूत बनाता है। कंपनी के सीओओ और को-फाउंडर नागा भरत डाका ने भी इसे एक मील का पत्थर बताते हुए कहा कि भारत अब उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जिनके पास निजी स्तर पर कक्षा में रॉकेट भेजने की ताकत है।

लॉन्च के दौरान आई तकनीकी दिक्कत, 35 मिनट में हुई दूर :

इस ऐतिहासिक लॉन्चिंग के दौरान एक समय ऐसा भी आया जब लगा कि लॉन्च रुक सकता है। इसरो के चेयरमैन वी. नारायणन ने बताया कि जब ऑटोमैटिक लॉन्चिंग प्रक्रिया चल रही थी, तब ग्राउंड सिस्टम से रॉकेट के ऑनबोर्ड कंप्यूटर में कंट्रोल ट्रांसफर होते समय एक तकनीकी खराबी आ गई थी। हालांकि, वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने बिना वक्त गंवाए सिर्फ 35 मिनट के भीतर इस समस्या को ठीक कर लिया और रॉकेट ने शानदार उड़ान भरी।

इसरो के आने वाले बड़े मिशन :

इसरो प्रमुख ने देश के भविष्य के स्पेस प्रोजेक्ट्स को लेकर भी कई अहम जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष विभाग को सरकार से कई नई मंजूरियां मिल चुकी हैं और इसरो इस समय निम्नलिखित बड़े मिशनों पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें-चंद्रयान-4 और चंद्रयान-5 : चांद पर भारत के अगले बड़े खोजी अभियान।

पीएम मोदी ने फोन पर बधाई दी

श्रीहरिकोटा, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। विक्रम-1 को स्काईरूट ने ही तैयार किया और लॉन्चिंग भी खुद ही की। सिर्फ लॉन्चपैड इसरो का था।

इसे आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन स्पेस सेंटर से दोपहर 12:05 बजे लॉन्च किया गया। पहले यह लॉन्चिंग 11:30 बजे होनी थी, लेकिन 5 मिनट पहले काउंटडाउन रोक दिया गया। कुछ देर बाद इसे दोबारा शुरू किया गया। पीएम मोदी ने स्काईरूट के फाउंडर पवन कुमार चंदना को फोन करके बधाई दी है।

कंपनी ने 2022 में विक्रम-एस सबऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च किया था, जो 89.5 किमी की ऊंचाई तक गया था। अब विक्रम-1 450 किमी की पृथ्वी की सर्कुलर निचली कक्षा तक पहुंच गया है। इसे भारत के स्पेस सेक्टर के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट-गाली देना हर बार अश्लीलता नहीं होती

अभद्र भाषा और अश्लीलता अलग, मां की गाली भी हर मामले में क्राइम नहीं

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। शुक्रवार को जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई के दौरान की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था। अगस्त 2017 में जमीन विवाद को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज त ने उसे अश्लीलता, गंभीर चोट और धमकी के लिए दोषी माना था। सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और आपराधिक धमकी (आईपीसी की धारा 506) के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह साबित नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने (आईपीसी की धारा 326) के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी गई है। आरोपी की उम्र करीब 70 साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर 'कोर्ट उठने तक की कैद' कर दिया है।

पनामा से पैगाम : 19 जुलाई को भारत दौरे पर विदेश मंत्री जेवियर

> जयशंकर और पीयूष गोयल से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और पनामा के बीच रणनीतिक और कूटनीतिक संबंधों को नया आयाम देने के लिए पनामा के विदेश मंत्री जेवियर एडुआर्डो मार्टिनेज-आचा वास्केज भारत के आधिकारिक दौरे पर आ रहे हैं। उनका यह दौरा 19 से 23 जुलाई तक चलेगा।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस महत्वपूर्ण यात्रा की आधिकारिक पुष्टि की है। यह दौरा दोनों देशों के बीच व्यापार, समुद्री सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी मोर्चे पर बेहद अहम साबित होने वाला है। पनामा के विदेश मंत्री रविवार को देश की राजधानी नई दिल्ली पहुंचेंगे। इसके बाद सोमवार से उनका व्यस्त कूटनीतिक कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। सोमवार को वह सबसे पहले नई संसद भवन में भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने पर चर्चा होगी। इसके बाद जेवियर मार्टिनेज-आचा हैदराबाद हाउस का रुख करेंगे। वहां वह भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ एक उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस बैठक में वैश्विक मुद्दों और आपसी सहयोग के कई अहम समझौतों पर बात होगी।

आमिर को लॉरेंस गैंग ने दी जान से मारने की धमकी

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। एक्टर आमिर खान को तीसरी शादी करने पर अब लॉरेंस गैंग की तरफ से जान से मारने की धमकी मिलने की खबर है। रिपोर्ट के अनुसार गैंग ने आमिर खान की 5 जुलाई को हुई गौरी स्प्रैट से शादी को लव जिहाद बताया है।

सूत्रों के अनुसार, शनिवार को लॉरेंस गैंग की तरफ से एक लेटर और ऑडियो नोट जारी किया गया है। इसमें लिखा है- हमारी संस्कृति के खिलाफ हमारे देश में लव जिहाद के नाम पर आमिर खान जैसे लोग इसे बढ़ावा दे रहे हैं, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे और इसका जवाब बहुत जल्द इसको दिया जाएगा। ये चीज हमारे सनातन धर्म में और देश के खिलाफ है। हमारा, हमारे भाई-बहनों और देशवासियों से वादा है कि जो भी इस घटिया हरकत को बढ़ावा देगा, उसको हम अपने तरीके से जवाब देंगे। ये जो स्टारडम के नाम पर इस चीज को बढ़ावा दे रहे हैं, इनकी हम सांसें दबा लेंगे। हाईकोर्ट के वकील अजय पंचोली ने खबर कन्फर्म की है। खबर लिखे जाने तक मुंबई पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के दफ्तर पर चला बुलडोजर

कोलकाता, 18 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के अवैध रूप से बने दफ्तर को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर एक्शन जारी है। इस पांच मंजिला दफ्तर को गिराने के लिए तीन बुलडोजर काम कर रहे हैं। जिला अधिकारियों का आरोप है कि पांच मंजिला इमारत बिना मंजूर बिल्डिंग प्लान के और बिल्डिंग नियमों का उल्लंघन करके बनाई गई थी।

मौके पर बंगाल पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवान तैनात थे। एहतियात के तौर पर फायर और इमरजेंसी सर्विस के कर्मचारी भी मौजूद थे। पार्टी का यह ऑफिस अमताला में है, जो अभिषेक बनर्जी के डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र में आता है। इमारत गिराए जाने से पास में जमा बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी का माहौल था और उन्होंने पार्टी के समर्थन में नारे लगाए। अमताला से बीजेपी विधायक अग्निश्वर नस्कर ने इस कार्रवाई का स्वागत किया और आरोप लगाया कि इमारत बिल्डिंग नियमों का उल्लंघन करके बनाई गई थी। नस्कर ने कहा, यह ढांचा गैर-कानूनी तरीके से बनाया गया था और प्रशासन ने आखिरकार कानून के मुताबिक कार्रवाई की है। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई गैर-कानूनी निर्माण की शिकायतों के बाद की गई।

'असत्य और हिंसा मोदी सरकार के मूल सिद्धांत'

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि मोदी सरकार के मूल सिद्धांत "असत्य और हिंसा" हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उस समय हटाया जाना गलत है, जब वह अहिंसक भूख हड़ताल पर बैठे थे। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को प्रदर्शनस्थल से हटाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस ने इसे लेकर कहा है कि उसने दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया है। इस मामले पर राहुल गांधी ने कहा कि पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और छात्रों की आत्महत्या जैसे मुद्दे भारत के भविष्य से जुड़े गंभीर विषय हैं।

वांगचुक का दवा लेने से इनकार

अस्पताल ने बताया-पोटेशियम की कमी : वांगचुक के डॉक्टर बोले-रिपोर्ट पर भरोसा नहीं

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह पुलिस उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई। अस्पताल प्रशासन ने बुलेटिन जारी करके बताया कि वांगचुक को डिहाइड्रेशन हुआ है, लेकिन उन्होंने दवा लेने से इनकार कर दिया है।

रिपोर्ट में बताया गया कि वांगचुक के शरीर पोटैशियम का लेवल घट गया है। यूरिन कीटोन बढ़कर 3+ हो गया। हालांकि, वांगचुक के डॉक्टर नितिन दीघे ने कहा- अस्पताल में गृह मंत्रालय का अधिकारी मौजूद होने के कारण हमारी टीम को वांगचुक से मिलने नहीं दिया गया। वांगचुक की पत्नी का दावा है कि पोटैशियम लेवल कम है। इसकी दवा जंतर-मंतर पर भी दी जा सकती थी, अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं थी।

वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं। उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। वजन भी 9.5 किलो तक कम हो चुका है। वांगचुक को हॉस्पिटल भेजे जाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। वे जब मंच से नीचे आकर बैठे तो एक महिला ने दीपके पर स्याही फेंक दी। दीपके का कहना है कि वे वांगचुक के दोबारा धरना स्थल पर लौटने तक भूख हड़ताल पर बैठे रहेंगे।

वांगचुक के साथ ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन की नेहा, आमीन और मनीष भी पिछले 21 दिनों से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे हैं।

वे अभी भी अनशन पर हैं। नेहा को गंभीर हाइपोग्लाइसीमिया के कारण अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी गई है, जबकि आमीन और मनीष की तबीयत भी लगातार बिगड़ रही है। हाइपोग्लाइसीमिया वह स्थिति है जब खून में शुगर लेवल सामान्य से बहुत कम हो जाता है। आमतौर पर 70एमजी/डीएल से कम ब्लड शुगर को हाइपोग्लाइसीमिया माना जाता है।

72वां नेशनल फिल्म अवॉर्ड

यामी गौतम को बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड, कार्तिक आर्यन और ममूटी को बेस्ट एक्टर सम्मान

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार शाम को नई दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स के विजेताओं के नामों का ऐलान किया। इस घोषणा में लगभग दो हफ्ते की देरी हुई क्योंकि जूरी की चर्चा अभी चल रही थी।

इस महीने की शुरूआत में बताया गया था कि जूरी अभी विनर्स को तय करने की प्रक्रिया में है और कुछ सदस्यों के पहले से तय काम होने की वजह से देरी हुई। यह भी कहा गया था कि जब तक सिलेक्शन प्रोसेस पूरा न हो जाए, तब तक कोई अंदाजा न लगाएं। इन अवॉर्ड्स में उन फिल्मों को सम्मानित किया गया जिन्हें सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने 1 जनवरी, 2024 और 31 दिसंबर, 2024 के बीच सर्टिफिकेट दिया है। यामी गौतम को आर्टिकल 370 के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला।

वक्फ बोर्ड पर रोक : केरल की कांग्रेस सरकार बोली

अर्जेंट सुनें मीलार्ड, सीजेआई सूर्यकांत ने कल के लिए भर दी हामी

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। केरल की कांग्रेस सरकार ने केरल हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें राज्य वक्फ बोर्ड को कोई भी बड़ा फैसला लेने, कैपिटल खर्च करने या नीतिगत फैसले लेने से रोक दिया गया था।

इस अपील को तत्काल सुनवाई के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच के सामने रखा गया। सीजेआई ने मामले को सोमवार को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। अब इस मामले में सोमवार या मंगलवार को सुनवाई हो सकती है। केरल में कांग्रेस की अगुवाई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की सरकार है, जिसके मुख्यमंत्री वीडी सतीशन हैं। केरल के राज्य वक्फ बोर्ड के सीनियर एडवोकेट वी चितंबरेश ने इस मामले को शुक्रवार को सीजेआई सूर्यकांत की बेंच के सामने रखा। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने राज्य वक्फ बोर्ड के वकील की बात पर ध्यान दिया, जिन्होंने मामले की जल्द सुनवाई की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट सोमवार या मंगलवार को मामले की सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया। सीजेआई सूर्यकांत ने मामले को सोमवार/मंगलवार को लिस्ट करने पर सहमति जताई, जब इसे अर्जेंट लिस्टिंग के लिए पेश किया गया। सीनियर एडवोकेट वी चितंबरेशन ने यह मामला उठाया और कहा कि दूसरी पार्टी को बिना कोई नोटिस दिए एक अंतरिम आदेश के ज़रिए बोर्ड को लगभग बेकार कर दिया गया है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका 8 की मौत, 15 घायल

अहमदाबाद, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके में शनिवार को पटाखा फैक्ट्री में धमाके के बाद आग लग गई। हादसे में 8 कर्मचारियों की मौत हो गई और करीब 15 घायल हो गए। हादसा रामोल से गतराड जाने वाले रास्ते पर महमूदपुरा टैलेंट के पास हुआ। यहां पास में ही रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) का कैंप है।

धमाके की आवाज सुनते ही आरएएफ जवान तुरंत घटनास्थल पहुंचे और लोगों का रेस्क्यू किया। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर तक सुनाई दी। धमाके की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां और एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गईं। हादसे के समय फैक्ट्री में करीब 25 लोग काम कर रहे थे। इलाके के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर जयपाल सिंह राठौड़ के अनुसार, रामोल-गटराड रोड पर खुले मैदान में मेहुल डोडिया नाम का व्यक्ति पटाखा फैक्ट्री चला रहा था। फैक्ट्री का लाइसेंस पहले ही रद्द हो चुका था, इसके बावजूद वहां पटाखे बनाए जा रहे थे।

'ललिता गौतम के परिवार को 5 लाख की मदद, एक-एक मुख्यमंत्री आवास और दोषियों पर एक्शन'

सीएम योगी ने लगाया दर्द पर मरहम

हाइलाइट्स

- मेरठ के ललिता गौतम प्रकरण में पीड़ित परिवार ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की
- सीएम योगी ने परिवार को 5 लाख की मदद और एक-एक मुख्यमंत्री आवास देने के निर्देश दिए
- सीएम ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया, कहा-दोषियों पर एक्शन होगा

गाजियाबाद, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ के ललिता गौतम प्रकरण में पीड़ित परिवार ने गाजियाबाद के गेस्ट हाउस में सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने परिवार को 5 लाख की मदद और एक-एक मुख्यमंत्री आवास देने के निर्देश दिए साथ ही सीएम योगी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि दोषियों पर एक्शन होगा। सीएम ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। गाजियाबाद के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में सीएम योगी ने ललिता गौतम के परिवार से मुलाकात की। सीएम योगी ने कहा कि दोषी किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे।

ललिता गौतम प्रकरण को लेकर सीएम सख्त नजर आए। उन्होंने अधिकारियों को विवेचना पर लापरवाही पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सीएम ने आरोपियों को कठोर सजा दिलवाने के लिए परिवार को भरोसा दिलाया है। सीएम ने पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5 लाख रुपये आर्थिक मदद देने के लिए निर्देश दिए। इस दौरान मृतका के पिता और चाचा को एक-एक मुख्यमंत्री आवास देने के लिए भी सीएम ने निर्देश दिया है। सीएम ने पीड़ित परिवार का आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड समेत अन्य सभी लाभार्थी योजनाओं का लाभ देने के लिए भी निर्देश दिया है। मेरठ के टीपी नगर क्षेत्र के गगन एंक्लेव में रहने वाली 20 वर्षीय ललिता गौतम की हत्या कर दी गई थी। वह बीए की पढ़ाई कर रही थी। 15 मई को परीक्षा देने के लिए घर से निकली ललिता गौतम देर शाम तक वापस नहीं लौटीं, तो परिजनों ने उसकी तलाश की मगर उनका कोई पता नहीं चला। जिसके बाद परिजनों ने 16 मई को थाना टीपी नगर में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू की तो सीसीटीवी फुटेज में ललिता गांव कल्याणपुर निवासी अंकुश नाम के युवक के साथ युवती दिखाई दीं।

पुलिस जांच के दौरान आरोपी अंकुश को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने ललिता की हत्या करने की बात कबूल कर ली। पुलिस के मुताबिक, अंकुश और ललिता के बीच प्रेम संबंध थे। घटना वाले दिन दोनों साथ थे। इसी दौरान आरोपी ने ललिता के मोबाइल फोन में कुछ फोटो और चैट देखीं, जिसके बाद उसे शक हुआ कि उसका किसी अन्य युवक से भी संबंध है। पुलिस के अनुसार, इसी शक के

ब्रिटेन में एमबीबीएस का सपना दिखाकर लाखों की ठगी!

नकली एडमिशन लेटर देकर बनाया शिकार, यूपी से धराया गिरोह

पटना, 18 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के बख्तियारपुर थाना और उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अंतरराज्यीय ठगी के गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के रानीसराय निवासी रौशन कुमार ने मई 2025 में थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी कि उनकी पत्नी मेनका कुमारी को विदेश में पढ़ाई के लिए भेजने के नाम पर उनसे तीन लाख पचासी हजार रुपये की ठगी की गई। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों (विवेक भटनागर, अभिषेक वर्मा, रूपाली वर्मा और सूरज वर्मा) में से मुख्य आरोपी विवेक भटनागर को गिरफ्तार कर लिया है। एसडीपीओ-2 आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि बख्तियारपुर थाना में एक अंतरराज्यीय सिंडिकेट का खुलासा हुआ है। इसके वादी रौशन कुमार ने मई में एफआईआर दर्ज कराई थी। वह अपनी पत्नी को एमबीबीएस-एमएस की पढ़ाई के लिए ब्रिटेन के कार्डिफ विश्वविद्यालय में दाखिला दिलाना चाहते थे।

ईडी की जांच में बड़ा खुलासा

विदेशी फंडिंग के सहारे चलता रहा 'घुसपैठ सिंडिकेट', बिना केवाईसी खोले गए खाते

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को भारत में घुसपैठ कराने, नागरिकता के फर्जी दस्तावेज बनवाने वाले सिंडिकेट के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मारे गए छापों में बड़ा खुलासा हुआ है। ईडी की जांच में सामने आया है कि एटीएस द्वारा इस सिंडिकेट के खिलाफ की गई कार्रवाई के बावजूद पश्चिम बंगाल में यह अवैध कारोबार लगातार फल-फूल रहा था। जिन एनजीओ को विदेश से फंडिंग हो रही थी, उन्होंने करोड़ों रुपये की रकम को अन्य खातों में ट्रांसफर कर दिया था ताकि जांच एजेंसियों से उसे बचाया जा सके।

एनजीओ विदेश से अभी तक फंडिंग हासिल कर रहे

ईडी ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल, यूपी, दिल्ली और हरियाणा में 17 से अधिक ठिकानों पर छापे मारे थे, जिनमें कई एनजीओ भी शामिल थे। इनकी जांच में तमाम आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं, जिनकी पड़ताल में सामने आया है कि तमाम सतर्कता के बावजूद ये एनजीओ विदेश से अभी तक फंडिंग हासिल कर रहे हैं।

इसी वजह से अब ईडी इस मामले में बड़ी कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है ताकि घुसपैठियों को बसाने, मदरसों और मस्जिदों के निर्माण के लिए हो रही विदेशी फंडिंग को पूरी तरह से रोका जा सके। ईडी जल्द उन बैंकों से भी जवाब-तलब करेगी, जिनके यहां एनजीओ के एफसीआरए खाते खोलकर विदेश से रकम मंगाई जाती थी। साथ ही उन छोटे बैंकों पर भी कानूनी शिकंजा कसा जाएगा, जो बिना केवाईसी घुसपैठियों के खाते खोल रहे थे। बता दें कि यूपी में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की गहरी जड़ें हैं। खासकर सहारनपुर का देवबंद उनकी पनाहगाह बना है। बीते पांच वर्षों के दौरान एटीएस ने घुसपैठियों के तीन माड्यूल पर कानूनी कार्रवाई की है। इसमें से एक माड्यूल के 15 सदस्यों को बीते दिनों राजधानी की अदालत सजा भी सुना चुकी है। वहीं राज्य सरकार ने भी घुसपैठियों को चिन्हित कर उनको वापस भेजने के लिए डिटेंशन सेंटर बनाने की योजना बनाई थी।

राजभर का अखिलेश पर हमला

जौहर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई से क्यों बेचैन हैं सपा प्रमुख?

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने जौहर यूनिवर्सिटी पर चल रही कार्रवाई को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि जौहर यूनिवर्सिटी सरकारी संसाधनों और जमीन का दुरुपयोग कर खड़ी की गई तथा कार्रवाई कानून के तहत हो रही है, इसलिए सपा नेतृत्व को बेचैन होने के बजाय आत्ममंथन करना चाहिए। मंत्री राजभर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि प्रिय अखिलेश जी, जौहर यूनिवर्सिटी पर कानून अपना काम कर रहा है तो उम्मीद है आप बेचैन ज़रूर होंगे। हैं ना? सच सच बताइए? उन्होंने आगे लिखा कि जिस जौहर यूनिवर्सिटी को आपकी सरकार में बनाया गया, उसमें अरबों रुपए और जमीन किसकी थी? सरकार की, अवैध यूनिवर्सिटी किसने खड़ी की? आजम खान ने। संसाधन किसका लगा? सरकार का। ट्रस्ट किसने बनाया? आजम खान ने। टैक्स किसने दिया? हिंदुओं ने। नौकरी किसको मिली? आजम खान के रिश्तेदारों को। उन्होंने लिखा कि आजम खान ने जौहर यूनिवर्सिटी के लिए आपके सैफई परिवार के साथ मिलकर जो जौहर दिखाया है- उस पर किसी को भी शर्म आ जाए। अब कार्रवाई हो रही है तो बेचैनी क्यों बढ़ रही है? सुभासपा प्रमुख ने लिखा कि सुनिए, ये डबल इंजन की सरकार है, अवैध इमारतों पर बुलडोजर तो चलेगा ही। बेचैन मत होइए। पश्चाताप के समय बेचैन नहीं हुआ जाता, आत्मग्लानि महसूस करनी चाहिए। इसीलिए हमारे पुरख़ों ने कहा है, "जैसी करनी, वैसी भरनी"। जय भारत, जय श्री राम, जय श्री कृष्ण, जय महाराज सुहेलदेव।

राम मंदिर निर्माण किसी सरकार या दल की उपलब्धि नहीं न्यायिक प्रक्रिया का नतीजा : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

अयोध्या, 18 जुलाई (एजेंसियां)। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अयोध्या दौरे के दौरान राम जन्मभूमि, सनातन धर्म, गौ संरक्षण और अपनी 'गविष्टि यात्रा' को लेकर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अयोध्या केवल एक प्राचीन नगर नहीं, बल्कि सनातन धर्म की आधारभूमि है, जहां भगवान श्रीराम ने अवतार लेकर धर्म को व्यावहारिक स्वरूप दिया।

पत्रकारों से बातचीत में शंकराचार्य ने कहा कि अयोध्या ने न केवल दुनिया को दिशा दिखाई, बल्कि सनातन धर्म को संरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भगवान राम के रूप में धर्म ने जब अवतार लिया तो अयोध्या को अपनी जन्मभूमि के रूप में चुना। उनके अनुसार, यह वही स्थान है जहां धर्म का साकार स्वरूप प्रकट हुआ और यहीं से उसका विस्तार चारों दिशाओं में हुआ। उन्होंने कहा कि इसी कारण सात मोक्षदायिनी पुरियों में अयोध्या को प्रथम स्थान प्राप्त है। उन्होंने यह भी कहा कि कलियुग के प्रभाव के कारण राम

जन्मभूमि एक समय लुप्त हो गई थी। राम मंदिर निर्माण के संबंध में उन्होंने कहा कि यह किसी सरकार या राजनीतिक दल की उपलब्धि नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि विवाद में कानूनी लड़ाई 'राम लल्ला विराजमान' की ओर से लड़ी गई थी और सर्वोच्च न्यायालय का फैसला भी उनके पक्ष में आया। इसलिए मंदिर के मुख्य गर्भगृह और मुख्य आसन पर विराजमान होने का अधिकार भी 'राम लल्ला विराजमान' का ही है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, अपनी 'गविष्टि यात्रा' के जरिए हमने लगभग 375 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं से संवाद किया है। आज हम इस यात्रा के बारे में चर्चा करने के लिए इस पवित्र भूमि पर आए हैं। 'गविष्टि' का अर्थ गौ माता के जीवन और सम्मान की रक्षा करना है। गौ माता इस दुनिया में केवल मांस या दूध के लिए नहीं आई हैं। उन्हें केवल इन्हीं नजरियों से देखना उचित नहीं है। उनका उद्देश्य इससे कहीं अधिक व्यापक और विशिष्ट है।

जहां तक अयोध्या का प्रश्न है, इसकी महानता भगवान श्रीराम की जन्मभूमि होने के कारण है। अगर गौ माता न होतीं, तो आज राम जन्मभूमि हमारे पास न होती। उन्होंने गौ संरक्षण, सनातन धर्म के मूल्यों और धार्मिक आस्था को समाज के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए लोगों से इन परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि धर्म, न्याय और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा इन मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाना आवश्यक है।

घिनौनी हरकतें और हैवानियत

मुजफ्फरनगर में परेशान 23 साल की बहू ने 67 वर्ष के ससुर का प्राइवेट पार्ट काटा

मुजफ्फरनगर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद में एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां एक महिला ने अपने 67 वर्षीय ससुर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में ससुर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल ससुर को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने हमलावर पुत्रवधू को भी हिरासत में ले लिया है।

सूत्रों के अनुसार, आरोप है कि ससुर अपनी पुत्रवधू के साथ आए दिन गलत हरकतें करता था। शुक्रवार को भी आरोपी ने बहू से छेड़छाड़ की। इस पर बहू ने विरोध किया। जब आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया तो गुस्से में आकर पुत्रवधू ने ब्लेड से उसके गुप्तांग पर हमला कर दिया। हमले में ससुर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल को पहले एक निजी चिकित्सक के पास ले जाया गया, फिर सीएचसी लाया गया। वहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। घटना बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के सफीपुर पट्टी इलाके की है। यहां रहने वाली 23 वर्षीय महिला ने अपने 67 वर्षीय ससुर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि उसका ससुर उसके साथ रोजाना छेड़छाड़ करता था। महिला के दो छोटे बच्चे हैं और उसका पति हरियाणा में रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता है। पति के बाहर रहने की वजह से महिला अपने बच्चों और ससुर के साथ रहती थी, जिसका फायदा ससुर उठा रहा था।

सोनम वांगचुक : डिंपल यादव बोलीं-बीजेपी वाले सफेद चादर का कफन लेकर आए

> अखिलेश ने कहा-भाजपा सरकार नहीं अहंकार है

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा अस्पताल ले जाने की घटना को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा- 'बीजेपी वाले देश के लिए सफेद चादर का कफन लेकर आए हैं।

जब शांतिपूर्ण आवाजो को दबाया जाता है, तो संविधान और लोकतंत्र भी आहत होते हैं। सोनम वांगचुक जैसे लोगों की आवाज दबाना, देश की आत्मा को दबाना है।' बीजेपी वाले देश के लिए सफेद चादर का कफ़न लेकर आए हैं। जब शांतिपूर्ण आवाज़ों को दबाया जाता है, तो संविधान और लोकतंत्र भी आहत होते हैं। सोनम वांगचुक जैसे लोगों की आवाज़ दबाना, देश की आत्मा को दबाना है।

अखिलेश यादव बोले-भाजपा सरकार नहीं, अहंकार है

अखिलेश यादव ने अपने एक्स अकाउंट से लिखा- सोनम वांगचुक जी को 'बल-प्रयोग' करके, जबरदस्ती उनके आमरण अनशन स्थल से उठाकर ले जाना अत्यंत निंदनीय समाचार है। आज सुबह घटी ये घटना थोड़ी ही देर में पूरे देश और संपूर्ण विश्व में फैल चुकी है। सारी दुनिया और देशभर में श्री सोनम वांगचुक जी को लेकर गहरी चिंता है और भाजपा सरकार के ख़िलाफ़ आक्रोश भी। जो लोग सादी वर्दी में इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए धोखे से अचानक घुसे थे, उनकी पहचान सार्वजनिक की जाए। ये हमारी पुरजोर माग है कि सोनम वांगचुक जी की चिकित्सा 'न्यायिक निगरानी' में हो क्योंकि सोनम वांगचुक जी का जीवन मानवता, पर्यावरण-संरक्षण, लोकतांत्रिक मूल्यों, युवा ऊर्जा की प्रेरणा, साइंस और इनोवेशन के लिए अनमोल है। हमारे देश की जनता व समस्त विश्व इस समय भाजपा सरकार को संदेह और सवाल भरी संदिग्ध नज़र से देख रहा है। दमनकारी राजनीति करनेवाली भाजपा सरकार की इस अवांछनीय कार्रवाई ने इंटरनेशनल लेवल पर हमारे देश की मानवीय और डेमोक्रेटिक इमेज को बेहद धूमिल और खंडित करने का काम किया है।

भाजपा ने न कभी गांधी जी में विश्वास किया, न कभी उनके गांधीवादी तौर-तरीकों में। भाजपा की नकारात्मक विचारधारा ही 'विवाद' की है; संवाद की नहीं। भाजपा निराशा का पर्याय बन चुकी है। भाजपा सरकार नहीं, अहंकार है! भाजपा की सोच दरारवादी है, इसीलिए जहां भी एकता, सौहार्द और एकजुटता होती है, भाजपा डरकर प्रतिक्रियावादी बनकर आंदोलनों को तितर-बितर कर देती है लेकिन भाजपा भूल गयी है।

हाथ से छूटकर जमीन पर गिरी कुल्फी, मुख्यमंत्री तक पहुंच गई शिकायत

फिरोजाबाद, 18 जुलाई (एजेंसियां)। फिरोजाबाद के टूंडला में कुल्फी की डंडी (स्टिक) छोटी होने पर हाथ से छूट गई। पीड़ित युवक ने कुल्फी में डंडी छोटी होने की बात दुकानदार से पूछी तो दुकान पर मौजूद कर्मचारियों ने उससे अभद्रता कर दी। पीड़ित युवक ने अपने आप को ठगा सा महसूस होने पर दुकान और कर्मचारियों की आईजीआरएस पोर्टल पर मुख्यमंत्री से शिकायत की है।

तहसील क्षेत्र के गांव मरसेना निवासी धर्मवीर सिंह का आरोप है कि उसने सुभाष चौराहा स्थित बस स्टैंड में हीरा लाल कुल्फी की दुकान से खाने के लिए कुल्फी ली थी। कुल्फी लेने के बाद उसने जैसे ही खाना शुरू किया, तो कुल्फी की डंडी छोटी होने पर हाथ से छूट कर नीचे गिर गई। पीड़ित युवक ने जब दुकानदार से कुल्फी में डंडी छोटी होने की बात कही तो, दुकान पर मौजूद कर्मचारियों ने उससे अभद्रता कर दी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद

कारसेवा के एलान पर हाईकोर्ट ने डीएम और एसएसपी से तलब की रिपोर्ट

प्रयागराज, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अखाड़ा परिषद व अन्य साधु-संतों की ओर से नौ अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मभूमि के विवादित स्थल पर कारसेवा करने के एलान पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा के डीएम और एसएसपी से शांति-व्यवस्था को लेकर सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट तलब की है।

यह आदेश न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की अदालत ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद से जुड़े 18 मूल वादों पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया है। मूल वाद संख्या चार की वादी संस्था श्री कृष्ण जन्मभूमि निर्माण ट्रस्ट की ओर से अदालत में जन्मभूमि परिसर में शांति व्यवस्था कायम रखने को लेकर अर्जी दाखिल की गईं। मांग की है कि कारसेवा के एलान के मद्देनजर जन्मभूमि परिसर किसी प्रकार के आयोजन और किसी व्यक्ति अथवा समूह के

प्रवेश पर रोक लगाई जाए, जिससे सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका हो।

कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मथुरा के डीएम और एसएसपी से सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट पेश करते हुए शांति व्यवस्था की जानकारी देने का आदेश दिया है। अन्य मूल वादों से जुड़े अधिवक्ताओं ने कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मथुरा की जिला अदालत के दोनों पक्षों के बीच चल रही मध्यस्थता प्रक्रिया की जानकारी दी। बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने लोक अदालत के लिए 21 से 23 अगस्त तक की तारीख नियत की है। हाईकोर्ट विभिन्न मूल वादों में लंबित अर्जियों पर 25 अगस्त को सुनवाई करेगा।

सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष ने पूर्व में दाखिल संशोधन अर्जियों में संशोधन से संबंधित एक नया आवेदन और हलफनामा भी दाखिल किया। कोर्ट ने इसे रिकॉर्ड पर लेते हुए प्रतिवादी पक्ष से आपत्तियां तलब की हैं।

सपा सांसद दरोगा प्रसाद पर गरीबों की जमीन कब्जाने का आरोप

ग्रामीण बोले-आत्मदाह कर लेंगे, सौंपा पत्र

आजमगढ़, 18 जुलाई (एजेंसियां)। आजमगढ़ के लालगंज तहसील के मोहनपुर पटवास गांव के ग्रामीणों ने मंडलायुक्त से शिकायत की है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के सांसद दरोगा प्रसाद सरोज और उनके परिजनों पर सार्वजनिक तालाब व गरीब ग्रामीणों की जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया है। पीड़िता गीता सरोज ने न्याय न मिलने पर मुख्यमंत्री आवास के सामने आत्महत्या की चेतावनी दी। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया गांव की आराजी संख्या 137 (7.798 हेक्टेयर) तालाब खाते में दर्ज है, जिस पर फार्म हाउस बना लिया गया है। इस पर खेती और मछली पालन भी किया जा रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि पहले तालाब का उपयोग पशुओं और सार्वजनिक हित के लिए होता था, जो अब बंद है। गीता सरोज ने आरोप लगाया कि सांसद ने लगभग 50 बीघे के तालाब और आसपास के कई गरीब ग्रामीणों की जमीनें हड़प ली हैं।

फार्म हाउस के चारो तरफ बिजली के तार, 5-6 बोरिंग और अवैध मछली पालन व पेड़ों की कटाई हो रही है। सांसद के बेटे मनोज सरोज, प्रमोद सरोज और पोता अभिषेक सरोज पर शराब पीकर हुड़दंग मचाने और धमकी देने का आरोप है। गीता सरोज की 1 बीघा जमीन पर भी कब्जा कर पोखरा पाट दिया गया। उन्होंने एसडीएम, तहसीलदार सहित स्थानीय अधिकारियों से शिकायत की, पर सांसद के प्रभाव से कार्रवाई नहीं हुई। सांसद दरोगा प्रसाद सरोज ने आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि वे किसी भी जांच के लिए तैयार हैं। उन्होंने शारदा विश्वकर्मा से 3.5 से 4 बीघा जमीन का बैनामा कराया है। पैमाइश में प्रशासनिक अधिकारियों ने उनकी जमीन को सही पाया है।

पूर्वी चंपारण में भारत-नेपाल सीमा पर उज्बेकिस्तान की महिला गिरफ्तार

अवैध रूप से रहने का आरोप

मोतिहारी, 18 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त कार्रवाई में उज्बेकिस्तान की एक महिला नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। महिला पर अवैध रूप से भारत में रहने तथा नेपाल जाने का प्रयास करने का आरोप है। पुलिस पूरे मामले में विदेशी नागरिक अधिनियम और आव्रजन नियमों के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि देर शाम हरैया थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम भारत-नेपाल सीमा पर स्थित मैत्री ब्रिज के पास नियमित जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान भारत से नेपाल की ओर जा रही एक विदेशी महिला की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर उसे रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान महिला भारत में वैध

रूप से रहने से संबंधित कोई दस्तावेज, पासपोर्ट, वीजा अथवा अन्य आवश्यक आव्रजन कागजात प्रस्तुत नहीं कर सकी। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर विस्तृत पूछताछ की गई। पूछताछ में महिला ने खुद को उज्बेकिस्तान की नागरिक बताया। उसने पुलिस को बताया कि वह पिछले करीब एक वर्ष से मुंबई में अवैध रूप से रह रही थी और भारत से नेपाल जाने की कोशिश कर रही थी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है और संबंधित केंद्रीय एजेंसियों को भी सूचना दी जा रही है। गौरतलब है कि इससे पहले 7 जुलाई को भी पूर्वी चंपारण जिले के हरपुर थाना क्षेत्र में भारत-नेपाल सीमा पर पुलिस और एसएसबी ने संयुक्त कार्रवाई के दौरान यूक्रेन की एक महिला नागरिक को गिरफ्तार किया था। उस महिला पर भी बिना वैध पासपोर्ट, वीजा और अन्य आव्रजन दस्तावेजों के भारत में रहने तथा हरपुर बॉर्डर के रास्ते नेपाल में प्रवेश करने का प्रयास करने का आरोप था। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों के बाद भारत-नेपाल सीमा पर पुलिस और एसएसबी ने निगरानी और जांच अभियान को और सख्त कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि सीमा पर संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 19 जुलाई, 2026 5

सु वि चा र

तुम्हारी राह में कई ऐसे फैसलें आएंगे जो तुम्हें नहीं लेना चाहिए। क्योंकि उसका निर्णय भविष्य में होगा।

महिलाओं के समर्थन से ही तेलंगाना में जन सरकार का गठन : मुख्यमंत्री

महिला उद्यमियों को हर संभव सहयोग देने का ऐलान > फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन की महिला उद्यमियों के साथ बैठक

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि महिलाओं का आशीर्वाद और समर्थन ही उनकी सरकार की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2023 में महिलाओं के समर्थन से ही तेलंगाना में जन सरकार का गठन हुआ और अब सरकार महिला सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री ने फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन की महिला उद्यमियों के साथ आयोजित बैठक में कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करने के लिए राज्य के 22 जिला केंद्रों में इंदिरा महिला शक्ति भवनों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन भवनों को प्रशिक्षण, विपणन और व्यवसायिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में कॉर्पोरेट सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद के हाईटेक सिटी क्षेत्र में शिल्पारामम के निकट करीब 1,000 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि इंदिरा महिला शक्ति बाजार के लिए आवंटित की गई है।

यहां ग्रामीण हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों की बिक्री के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों को 150 से अधिक दुकानें उपलब्ध कराई गई हैं, जो सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए फिक्की के सुझावों को सरकार प्राथमिकता के साथ लागू करेगी। उन्होंने बताया कि फिक्की मुख्यालय के निर्माण के लिए शिल्पारामम के पास 1,000 गज भूमि आवंटित करने का निर्णय लिया जाएगा। इसके अलावा भारत फ्यूचर सिटी में फिक्की को एक एकड़ भूमि उपलब्ध कराने पर भी विचार किया जाएगा। रेवंत रेड्डी ने कहा कि भारत फ्यूचर सिटी के विकास में फिक्की और महिला उद्यमियों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने बताया कि अमेजन जैसी बड़ी कंपनियां फ्यूचर सिटी में बड़े निवेश की योजना बना रही हैं और सरकार का लक्ष्य दुनिया की प्रमुख फॉर्च्यून-500 कंपनियों को वहां स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन के औद्योगिक पार्क की सफलता को देखते हुए महिला सशक्तिकरण के लिए एक और औद्योगिक पार्क विकसित करने की संभावना पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन देशों में महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होती हैं, वहां आर्थिक विकास और जीवन स्तर भी बेहतर होता है।

मुख्यमंत्री ने फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन के 25 वर्ष पूरे होने और वर्ष 2027 में फिक्की के 100 वर्ष पूरे होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनका राजनीतिक सफर 4 जुलाई 2006 को जिला परिषद क्षेत्रीय समिति सदस्य के रूप में शुरू हुआ था और 17 वर्षों में विधान परिषद सदस्य, विधायक, सांसद और अब मुख्यमंत्री तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि सरकार महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए पूरी तरह तैयार है और हर तीन महीने में महिला उद्यमियों के साथ बैठक आयोजित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में महिला स्वयं सहायता समूह नई आर्थिक क्रांति ला रहे हैं। राज्य में लगभग 67 लाख महिला समूह हैं, जिन्हें 16,000 करोड़ रुपये के ऋण उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं पेट्रोल पंपों का संचालन कर रही हैं और बड़ी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। उन्होंने बताया कि महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को आरटीसी बसों में यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अब तक सरकार ने 11,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। उन्होंने कहा कि यह केवल निःशुल्क यात्रा योजना नहीं है, बल्कि महिलाएं स्वयं बसों की मालिक बनकर उन्हें आरटीसी को किराये पर देकर संचालित कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदिरा महिला शक्ति योजना के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों के स्वामित्व और संचालन में 1,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा राज्य के 27,000 सरकारी विद्यालयों के प्रबंधन की जिम्मेदारी महिला समूहों को दी गई है। उन्होंने बताया कि सरकारी विद्यालयों के 27 लाख 50 हजार विद्यार्थियों के लिए दो जोड़ी यूनिफॉर्म सिलने का कार्य भी महिला स्वयं सहायता समूहों को सौंपा गया है। प्रत्येक यूनिफॉर्म के लिए 75 रुपये का भुगतान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यभर में महिला समूहों के लिए 8,000 इंदिरा स्त्री शक्ति भवनों की आधारशिला रखी गई है। महिला समूहों के उत्पादों को अमेजन के माध्यम से वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की दिशा में भी सरकार काम कर रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि फिक्की के माध्यम से हर वर्ष बेहतर प्रदर्शन करने वाली महिला स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों को पुरस्कार देकर सम्मानित करने की परंपरा शुरू की जानी चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के तहत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में तेलंगाना महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने कहा कि राज्य का लक्ष्य वर्ष 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और वर्ष 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को उच्च पदों तक पहुंचाने का इतिहास कांग्रेस पार्टी का रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री, न्यायाधीश और राज्यपाल जैसे पदों पर महिलाओं को आगे बढ़ाने में कांग्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने वर्ष 2013 में महिला आरक्षण विधेयक पेश किया था और उम्मीद जताई कि आगामी चुनावों के बाद इसका क्रियान्वयन होगा। कार्यक्रम में मुख्य सचिव संजय जाजू, मुख्यमंत्री के सलाहकार के. रामकृष्ण राव, फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूजा गर्ग, फिक्की हैदराबाद की अध्यक्ष सीता रेड्डी गड्डम सहित अनेक महिला उद्यमी उपस्थित रहीं।

पत्नी से विवाद में नवजात की हत्या

18 दिन के शिशु की मौत

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के जोगीपेट कस्बे में शनिवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। वासावी नगर में पत्नी से हुए विवाद के बाद एक व्यक्ति ने अपने 18 दिन के बेटे को जमीन पर पटक दिया, जिससे शिशु की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, आरोपी कृष्णा का शनिवार सुबह किसी मामूली बात को लेकर अपनी पत्नी गौरी से विवाद हो गया। गुस्से में उसने नवजात को पैरों से पकड़कर जमीन पर पटक दिया। गंभीर रूप से घायल शिशु को उसकी मां पड़ोसियों की मदद से तत्काल संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंची, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर आरोपी कृष्णा को हिरासत में ले लिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बीआरएस की 'संग्राम सभा' पर कांग्रेस का हमला

केटीआर को उस्मानिया विश्वविद्यालय में बहस की चुनौती

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के महासचिव चनगानी दयाकर ने बीआरएस की प्रस्तावित 'संग्राम सभा' पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह युवाओं की नहीं, बल्कि के.टी. रामाराव की व्यक्तिगत राजनीतिक सभा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस आयोजन का उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को भड़काना है। गांधी भवन में शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में दयाकर ने कहा कि राज्य के बेरोजगार युवाओं की नजर में बीआरएस का मतलब ही लीकेज और पैकेज बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं ने लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित किया और दस वर्षों में 16 भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए। उन्होंने कहा कि के.टी. रामाराव को बेरोजगार युवाओं के मुद्दों पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार के दौरान नौकरियां बेची गईं और युवाओं के साथ विश्वासघात किया गया। दयाकर ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने बेरोजगार युवाओं के जीवन में नई उम्मीद जगाई है और रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने यह साबित किया है कि तेलंगाना में युवाओं को रोजगार देना संभव है। उन्होंने घोषणा की कि शीघ्र ही राहुल गांधी और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में धन्यवाद सभा आयोजित की जाएगी। साथ ही बीआरएस शासनकाल में कथित प्रश्नपत्र लीक और अन्य मामलों को लेकर गांव-गांव जाकर जनता को जागरूक करने का अभियान चलाया जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि बीआरएस के दस वर्षों के शासन और कांग्रेस सरकार के ढाई वर्षों के कार्यकाल की तुलना पर कहीं भी सार्वजनिक बहस के लिए पार्टी तैयार है। उन्होंने के. टी. रामाराव को उस्मानिया विश्वविद्यालय आकर खुली बहस करने की चुनौती भी दी। दयाकर ने आरोप लगाया कि मंत्री रहते हुए के.टी. रामाराव कभी उस्मानिया विश्वविद्यालय नहीं गए। उन्होंने प्रवल्लिका की आत्महत्या और बोडा सुनील नायक की मृत्यु का उल्लेख करते हुए पूछा कि उनके परिवारों को रोजगार क्यों नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार बेरोजगार युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने और उनके जीवन में उजाला लाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा विपक्ष के आरोपों से युवा अब गुमराह नहीं होंगे।

साइबराबाद पुलिस ने बाल तस्करी गिरोह का किया पर्दाफाश

तीन वर्षीय बच्ची को सुरक्षित बचाया

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने बच्चों की तस्करी करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन वर्षीय बच्ची को सुरक्षित बचाया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों पर अवैध गोद लेने की आड़ में बच्चों की खरीद-फरोख्त करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार 16 जुलाई को चंदानगर पुलिस को गुंतकल, अनंतपुर जिले की रहने वाली 23 वर्षीय सड़क विक्रेता बदेती गोविंदम्मा ने शिकायत दी थी कि उनकी तीन वर्षीय बेटी पुष्परानी लापता हो गई है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 15 जुलाई की रात वह अपनी बेटी के साथ लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-6 के पास भवानी होटल के सामने फुटपाथ पर सो रही थीं। 16 जुलाई की सुबह करीब 4:30 बजे उठने पर उन्हें अपनी बेटी गायब मिली। इस मामले में चंदानगर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। राचकोंडा क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त च.वाई. श्रीनिवास कुमार के निर्देशन में चंदानगर थाना निरीक्षक एस. विजय, नरसिंगी थाना के जांच निरीक्षक जी. राजेश और केंद्रीय अपराध शाखा, सेरिलिंगमपल्ली क्षेत्र के निरीक्षक भूपाल गौड़ के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने साइबराबाद, विकाराबाद और महबूबनगर जिलों में व्यापक जांच अभियान चलाया। तकनीकी विश्लेषण, वैज्ञानिक जांच और लगातार क्षेत्रीय प्रयासों के माध्यम से पुलिस ने आरोपियों का पता लगाया और बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया। बच्ची को बेचने से पहले ही पुलिस ने कोठी श्रीनिवास (36), निवासी परिगी, विकाराबाद, डोमा राम कृष्ण (23), निवासी काली मंदिर, बंडलागुड़ा, पलाधी नवनीता (31), निवासी न्यू प्रेम नगर, महबूबनगर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अवैध गोद लेने के नाम पर चलाया जा रहा था नेटवर्क

पुलिस जांच में सामने आया कि नवनीता महबूबनगर स्थित एक निजी जांच प्रयोगशाला में स्टाफ नर्स और प्रयोगशाला तकनीशियन के रूप में कार्यरत थी। उसके संपर्क में ऐसे निःसंतान दंपति आए थे, जो कानूनी प्रक्रिया के बाहर बच्चों को गोद लेना चाहते थे। आरोप है कि नवनीता अस्पतालों और गर्भवती महिलाओं तथा नवजात बच्चों से जुड़ी जानकारी का उपयोग कर बिचौलियों का नेटवर्क चला रही थी। वह अवैध तरीके से बच्चों को उपलब्ध कराने वाले लोगों और खरीददारों के बीच संपर्क स्थापित कर आर्थिक लेन-देन करवाती थी। जांच में दो अवैध गोद लेने के मामलों में उसकी भूमिका सामने आई है।

बच्ची के अपहरण की साजिश

साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने बताया कि करीब दो महीने पहले रानी नामक महिला ने नवनीता से अवैध तरीके से बच्चा उपलब्ध कराने के लिए संपर्क किया था। इसके बाद नवनीता ने श्रीनिवास से पैसे के बदले बच्चा उपलब्ध कराने को कहा। आरोप है कि 15 जुलाई की रात श्रीनिवास और राम कृष्ण मोटरसाइकिल से लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे। 16 जुलाई तड़के करीब 2 बजे उन्होंने फुटपाथ पर सो रही महिला और उसकी तीन वर्षीय बेटी को देखा और मौका पाकर बच्ची का अपहरण कर लिया। इसके बाद आरोपी बच्ची को महबूबनगर ले गए और नवनीता को इसकी जानकारी दी। नवनीता ने कथित रूप से उन्हें महबूबनगर सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल के पास बच्ची को लाने को कहा, जहां उसे संभावित खरीदार को पैसे के बदले सौंपने की योजना थी। लेन-देन पूरा होने से पहले ही चंदानगर, नरसिंगी और केंद्रीय अपराध शाखा की संयुक्त टीमों ने कार्रवाई कर बच्ची को सुरक्षित बचा लिया और सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साइबराबाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बच्ची की बिक्री रोकी गई और अवैध गोद लेने की आड़ में चल रहे बाल तस्करी नेटवर्क का खुलासा हुआ। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान, आर्थिक लेन-देन और अन्य षड्यंत्रकारियों की भूमिका की जांच कर रही है। साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने बच्ची को सुरक्षित बचाने और गिरोह का पर्दाफाश करने वाली चंदानगर थाना, नरसिंगी थाना और केंद्रीय अपराध शाखा, सेरिलिंगमपल्ली क्षेत्र की टीमों के प्रयासों की सराहना की।

बहादुरगुडा में भूमि अधिग्रहण पर तनाव

किसानों के विरोध, कई हिरासत में

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद मंडल के बहादुरगुडा गांव में 650 एकड़ भूमि के अधिग्रहण को लेकर शनिवार को तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। हाइड्रा और राजस्व विभाग ने भारी पुलिस सुरक्षा के बीच भूमि पर कब्जे की कार्रवाई शुरू की, जबकि किसान लगातार इसका विरोध करते रहे।

सरकार सर्वे नंबर 28 और 68 की भूमि का अधिग्रहण कर रही है। कार्रवाई के दौरान साइबराबाद पुलिस की बड़ी संख्या में तैनाती की गई। शनिवार तड़के से ही गांव की ओर जाने वाले रास्तों पर सामान्य यातायात रोक दिया गया और पूरे क्षेत्र को पुलिस सुरक्षा घेरे में रखा गया।

प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना है कि उन्हें न्याय चाहिए और जब तक उनकी मांगों पर स्पष्ट निर्णय नहीं होता, वे अपनी जमीन नहीं छोड़ेंगे। किसानों ने सरकार से भूमि के पट्टे जारी करने की भी मांग की। विरोध के दौरान पुलिस ने कई किसानों (जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं) को हिरासत में लिया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। इस दौरान एक व्यक्ति के बेहोश होने की भी सूचना है।

उधर, बीआरएस ने किसानों के आंदोलन का समर्थन करते हुए सरकार की कार्रवाई का विरोध किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता पी. कार्तिक रेड्डी किसानों से मिलने बहादुरगुडा जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें उनके आवास के पास ही हिरासत में ले लिया। इसके बाद बीआरएस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच बहस हुई तथा क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही।

नाम परिवर्तन

मैं, पट्टा क्रांति पुत्री पट्टा अप्पाराव, उम्र लगभग 37 वर्ष, निवासी डी. नंबर 1-42, सावरद्दापनासा गांव और पोस्ट, सारावाकोटा मंडल, श्रीकाकुलम जिला, आंध्र प्रदेश-532426, भारत। मैंने अपना नाम कंथम्मा पट्टा से बदलकर पट्टा क्रांति कर लिया है, मेरा नाम स्कूल/जन्म रिकॉर्ड और आधार संख्या 6998 9955 0822 के अनुसार है। शपथ पत्र और राजपत्र अधिसूचना पट्टा क्रांति के माध्यम से सभी उद्देश्य।

CLASSIFIEDS

VILLA FOR SALE

BUNGALOW FOR SALE Ideal for all Professionals Doctors, Lawyers, Consultants etc. Basheer Bagh Brand New 5BHK Super Deluxe Independent Bungalow for SALE 240 Sq.Yd., 4100 SFt. G+2 Vikas: 9963678977

किराये पर

मलकपेट स्टेशन नलगोण्डा चौरस्ता मेट्रो पिल्लर नम्बर 1421 के समीप उपलब्ध तीन रूम बड़ा हॉल, किचन तीन बालकनी हवादार फर्स्ट फ्लोर घरेलु पोरशन केवल हिन्दू सनातनी जैन परिवार अथवा धार्मिक सामाजिक सेव में समर्पित इच्छुक संस्थाओं के लिए उपयुक्त Reasonable Rent Common Charges, Cool Lane सम्पर्क करें। राजन शर्मा (Mob) 9849562709

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

छावनी क्षेत्र के हजारों मतदाताओं के नाम गायब

अधिकारियों ने घबराने से किया मना

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 5,000 से अधिक मतदाताओं के नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में नहीं मिलने से कई मतदाताओं में चिंता का माहौल बन गया। हालांकि निर्वाचन अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि प्रभावित मतदाताओं के नाम निर्धारित प्रक्रिया के तहत जोड़े जाएंगे।

सिकंदराबाद छावनी के सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी एम. देवेंद्र ने बताया कि कुछ मतदाता अपने नाम सूची में नहीं मिलने की शिकायत लेकर उनके पास पहुंचे थे। जांच में पता चला कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची में मतदान केंद्र संख्या 348 से 353 तक के रिकॉर्ड बाद में हुए परिसीमन के कारण प्रभावित हुए।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2009 में परिसीमन के दौरान ये मतदान केंद्र सिकंदराबाद छावनी विधानसभा क्षेत्र से कुकाटपल्ली विधानसभा क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिए गए थे। इसी कारण जनगणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया के दौरान संबंधित मतदाता सूचियां उपलब्ध नहीं मिल सकीं।

निर्वाचन अधिकारियों ने मतदाताओं से अपील की है कि वे घबराएं नहीं। जिनका नाम सूची में नहीं है, वे जनगणना प्रपत्र के तीसरे कॉलम में अपना पूरा विवरण भर सकते हैं। साथ ही, मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्धारित 12 मान्य दस्तावेजों में से किसी एक की प्रति संलग्न करने पर उनके नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे।

पोस्टर फाड़ने पर बढ़ा राजनीतिक विवाद

स्कूल परिसर में दो गुट आमने-सामने

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंचरियाल जिले के दांडेपल्ली मंडल स्थित गुडेम गांव में शनिवार को स्कूली बच्चों को बैग वितरण कार्यक्रम से पहले राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। कार्यक्रम में पेद्दापल्ली सांसद वामशीकृष्ण के पहुंचने से पहले उनके पोस्टर फाड़े जाने के बाद दोनों पक्षों के समर्थक आमने-सामने आ गए, जिससे कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई।

बताया गया कि सांसद वामशीकृष्ण को गांव के एक विद्यालय में आयोजित बैग वितरण कार्यक्रम में शामिल होना था। इसकी जानकारी मिलने पर मंचरियाल विधायक प्रेमसागर राव के समर्थक विद्यालय पहुंचे और सांसद के पोस्टर फाड़ दिए। उन्होंने सांसद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सवाल उठाया कि मंचरियाल विधानसभा क्षेत्र के विद्यालय में यह कार्यक्रम क्यों आयोजित किया जा रहा है।

घटना की सूचना मिलने पर सांसद वामशीकृष्ण के समर्थक और कुछ दलित संगठनों के सदस्य भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने विधायक प्रेमसागर राव के समर्थकों के खिलाफ नारेबाजी की और पोस्टर फाड़ने वालों पर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए दोनों पक्षों को अलग किया और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। घटना के बाद क्षेत्र में एहतियात के तौर पर पुलिस निगरानी बढ़ा दी गई है।

भारत ने 12 परमाणु वारहेड तैनात किए, क्या करेगा पाकिस्तान?

पूर्व राजनयिक अब्दुल बासित ने बताया

इस्लामाबाद, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में भारत के 12 परमाणु वारहेड तैनात करने वाली एसआईपीआरआई रिपोर्ट की खूब चर्चा है। पाकिस्तानी सैन्य और कूटनीतिक विशेषज्ञ रोज इसे लेकर तरह-तरह के बयान दे रहे हैं। इसमें पाकिस्तान के पूर्व राजनयिक अब्दुल बासित भी शामिल हो गए हैं। अब्दुल बासित भारत में पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारत के 12 परमाणु वारहेड तैनात करने के दावे एसआईपीआरआई की रिपोर्ट में किया गया है, जिसे न तो विश्वसनीय माना जा सकता है और ना ही खारिज किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने यह जरूर माना कि पाकिस्तान इस रिपोर्ट को लेकर गंभीर है और भारत की परमाणु तैनाती की गहन समीक्षा कर रहा है।

उन्होंने एक टीवी चैनल पर चर्चा के दौरान कहा, एसआईपीआरआई के मुताबिक, भारत के पास पाकिस्तान से ज्यादा परमाणु हथियार हैं। उनके पास लगभग 190 वॉरहेड हैं, जबकि उनके ही अनुसार, पाकिस्तान के पास लगभग 170 हैं।

अब, आप यह नहीं कह सकते कि इस रिपोर्ट में जो लिखा है वह सच ही है। क्योंकि कई ऐसे क्षेत्र हैं जिनके बारे में कोई भी देश आपको यह नहीं बताएगा कि उनके पास कितने परमाणु हथियार हैं। तो जहां ये अंदाजे लगाए जाते हैं, वहां कुछ ऐसे स्रोत भी होते हैं जिनके आधार पर यह पूरी रिपोर्ट तैयार की जाती है।

खाड़ी में 'महायुद्ध' की उल्टी गिनती शुरू

इजरायल जा रहे अमेरिकी विमान ईरानी सेना पलटवार को तैयार

वॉशिंगटन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी आर्मी ईरान पर बहुत बड़े पैमाने पर हवाई हमले कर सकता है। इसके लिए अमेरिका के दर्जनों और हवाई ईंधन भरने वाले विमान इजरायल भेजने की तैयारी हो रही है। ताकि ईरान में 'आसानी' से हवा से बमबारी की जा सके। इस तैनाती की तैयारी ऐसे समय हो रही है, जब मंगलवार को सिचुएशन रूम में अमेरिकी आर्मी की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने ईरान के खिलाफ नई सैन्य योजनाएं पेश की जा चुकी हैं। ये योजनाएं बताई गई हैं क्योंकि ट्रंप ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान पर बढ़ना चाहते हैं।

अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप के सामने पेश की गई नई सैन्य योजनाओं में कई विकल्पों पर चर्चा की गई है। इन विकल्पों में होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास मौजूदा अमेरिकी हमलों के दायरे को बढ़ाना सबसे अहम है। इसके अलावा ईरान के भीतर

महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और परमाणु सुविधाओं को भी निशाना बनाया जा सकता है।

ईरान पर हमलों के लिए इजरायल में सैन्य मौजूदगी बढ़ाना अहम है। अमेरिका के पास फिलहाल तेल अवीव के पास बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 30 सैन्य ईंधन भरने वाले विमान तैनात हैं।

दक्षिणी इजरायल में रेमन हवाई अड्डे पर भी 30 विमान हैं। आने वाले दिनों में कई दर्जन और विमान इजरायल में तैनात किए जा सकते हैं। हवाई ईंधन भरने वाले विमान लड़ाकू जेट और बॉम्बर विमानों को अधिक समय तक हवा में रहने और लंबी दूरी तक अभियान जारी रखने में सक्षम बनाते हैं। इससे वे ईरान के भीतर लक्ष्यों के खिलाफ किसी भी लंबे अभियान के लिए महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

ट्रंप प्रशासन ने इजरायली सरकार से अतिरिक्त विमानों को समायोजित करने के लिए कहा है। अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों के हवाले से एक्सियोस ने बताया है कि डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर नए हमलों को लेकर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। वे आने वाले दिनों में कार्रवाई तेज करने का आदेश दे सकते हैं।

वह ईरान को इतना ज्यादा नुकसान करना चाहते हैं कि तेहरान होर्मुज को खोलने और परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिकी मांगों को मानने पर मजबूर हो जाए। अमेरिकी आर्मी ने बीते एक हफ्ते में होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास ईरानी ठिकानों पर लगातार हमले किए हैं। दूसरी ओर ईरान ने जॉर्डन, कतर, बहरीन, इराक और कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जबरदस्त हमले किए हैं। ईरान के आईआरजीसी ने सीरिया में भी एक अमेरिकी बेस पर हमला करने का भी दावा किया है।

चीन ने ब्रेन-चिप तकनीक में मारी बाजी

पहली कॉमर्शियल चिप का सफल प्रत्यारोपण

बीजिंग, 18 जुलाई (एजेंसियां)। चीन ने ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) तकनीक में अहम उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार व्यावसायिक रूप से स्वीकृत ब्रेन चिप का सफल प्रत्यारोपण किया है। शंघाई में सोमवार को हुई सर्जरी में एनईओ नाम की चिप एक ऐसे मरीज के मस्तिष्क की सतह पर लगाई गई, जिसकी 10 वर्ष पहले सड़क दुर्घटना में स्पाइनल कॉर्ड को गंभीर चोट लगी थी और लंबे इलाज के बावजूद उसके हाथों की कार्यक्षमता पूरी तरह वापस नहीं आ सकी थी।

सर्जरी के दौरान सिक्के के आकार की एनईओ चिप को मस्तिष्क की सतह पर स्थापित किया गया। यह चिप मस्तिष्क के संकेतों को पढ़कर कंप्यूटर तक भेजती है। कंप्यूटर इन संकेतों को कमांड में बदलकर रोबोटिक ग्लव संचालित करता है, जिससे मरीज हाथों की गतिविधियां करने में सक्षम हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार ऑपरेशन सफल रहा और मरीज की हालत स्थिर है। चिप ने स्थिर और उच्च गुणवत्ता वाले ब्रेन सिग्नल रिकॉर्ड किए हैं। एनईओ चिप को चीन की मेडिकल रेगुलेटरी अथॉरिटी ने मार्च में मंजूरी दी थी। इसके साथ ही यह क्लिनिकल ट्रायल से आगे बढ़कर अस्पतालों में व्यावसायिक उपयोग के लिए उपलब्ध हो गई है। इस उपलब्धि के साथ चीन की स्टार्टअप न्यूराकिल को ब्रेन-चिप के व्यावसायीकरण की दौड़ में इलॉन मस्क की न्यूरालिंक से आगे माना जा रहा है, क्योंकि न्यूरालिंक को अभी अमेरिका में पूर्ण व्यावसायिक मंजूरी नहीं मिली है।

कराची स्थित अपना वाणिज्य दूतावास हमेशा के लिए बंद करेगा फ्रांस

पेरिस, 18 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस पाकिस्तान के कराची में स्थित अपना वाणिज्य दूतावास (कॉन्सुलेट) हमेशा के लिए बंद करेगा। यह फैसला बजट कटौती और दुनिया भर में अपने राजनयिक नेटवर्क को छोटा करने की नीति के तहत लिया गया है।

कराची में फ्रांस के महावाणिज्यदूत एलेक्सिस शहताहतिंस्की ने कहा कि दूतावास बंद होने के बाद भी इस्लामाबाद स्थित फ्रांसीसी दूतावास के जरिए पाकिस्तान के साथ संबंध पहले की तरह जारी रहेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि अलायंस फ्रांसेज़ (फ्रेंच सांस्कृतिक केंद्र) और पाकिस्तान-फ्रांस बिजनेस अलायंस कराची में अपनी गतिविधियां जारी रखेंगे।

7 .4 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का खतरा बढ़ा

10 लाख लोगों के लिए अलर्ट जारी, पड़ोसी देशों में भी महसूस हुए झटके

मेक्सिको, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के तट पर शुक्रवार को 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इसके बाद करीब 10 लाख लोगों के लिए सुनामी का अलर्ट जारी किया गया है।

अमेरिकी एजेंसी यूएसजीएस के मुताबिक, भूकंप का केंद्र मेक्सिको के प्यूर्टो मडेरो शहर के पास था। यह 10 किलोमीटर की गहराई पर आया, जिससे आसपास के इलाकों में तेज झटकों की आशंका बढ़ गई है।

यूएस सुनामी वार्निंग सिस्टम ने इस क्षेत्र के लिए सुनामी का अलर्ट जारी किया है। 7.4 तीव्रता के भूकंप को 'मेजर' कैटेगरी में रखा जाता है, जो बड़े पैमाने पर तबाही मचा सकते हैं।

भूकंप के झटके मेक्सिको के पड़ोसी देश ग्वाटेमाला और अल साल्वाडोर में भी महसूस किए गए। फिलहाल किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की कोई

रिपोर्ट नहीं है।

300 किमी के दायरे में सुनामी का खतरा

अधिकारियों ने चेतावनी दी कि भूकंप के केंद्र से करीब 300 किलोमीटर के दायरे में खतरनाक सुनामी लहरें उठ सकती हैं।

सुनामी अलर्ट मुख्य रूप से 3 इलाकों के लिए जारी किया गया है: **चियापास का दक्षिणी प्रशांत तट, ओआक्साका के तटीय इलाके, ग्वाटेमाला से लगे प्रशांत तटीय क्षेत्र**

प्रशासन ने लोगों से समुद्र तट और निचले तटीय इलाकों से दूर रहने की अपील की है। मेक्सिको-ग्वाटेमाला सीमा पर स्थित सुचियाते में समुद्र के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है।

भूकंप 'पैसिफिक रिंग ऑफ फायर' में आया, जो प्रशांत महासागर के चारों ओर फैला करीब 40 हजार किलोमीटर लंबा घोड़े की नाल के आकार का इलाका है। यह दुनिया का सबसे एक्टिव भूकंपीय क्षेत्र माना जाता है। यहां दुनिया के करीब 75% सक्रिय और निष्क्रिय ज्वालामुखी हैं और लगभग 90% भूकंप इसी क्षेत्र में आते हैं।

पिछले 30 दिनों में इस इलाके में 22 भूकंप दर्ज किए गए हैं। इनमें शुक्रवार का 7.4 तीव्रता वाला भूकंप सबसे शक्तिशाली बताया जा रहा है।

भूकंप के तुरंत बाद अधिकारियों ने कहा कि समुद्र में उठने वाली ऊंची और खतरनाक लहरें तटीय इलाकों में बाढ़ ला सकती हैं। लोगों से संभावित बाढ़, तेज समुद्री धाराओं और ऊंची लहरों को देखते हुए सतर्क रहने की अपील की गई है।

हालांकि, अमेरिका के नेशनल सुनामी वार्निंग सेंटर ने साफ किया है कि अमेरिका के पश्चिमी तट, ब्रिटिश कोलंबिया और अलास्का के लिए सुनामी का कोई खतरा नहीं है।

नेपाल के लिए भारत का बड़ा कदम

पहली बार कोलकाता से विराटनगर पहुंची कार्गो ट्रेन, काठमांडू को होगा बड़ा फायदा

काठमांडू, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और नेपाल के बीच ट्रांजिट और ट्रेन कनेक्टिविटी को बढ़ाने की दिशा में बड़े कदम के तहत दोनों देशों के बीच सीधी कार्गो सेवा शुरू हो गई है। भारत के कोलकाता से नेपाल के विराटनगर तक चलने वाली यह पहली रेल कार्गो की शुरुआत शुक्रवार को हुई है। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने यह जानकारी दी है। इस रेल सेवा को नेपाल के ट्रांजिट और व्यापार लॉजिस्टिक्स में एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर है, क्योंकि इससे पहली बार बीरगंज से आगे सीधी रेल सुविधा मिली है।

नेपाल-भारत ट्रांजिट संधि के तहत तीसरे देशों से आयातित सामान भारतीय क्षेत्र से होते हुए नेपाल की सीमा तक पहुंचाया जाता है। यह संधि नेपाल के तीसरे देशों से आयात और निर्यात के लिए भारतीय सड़क, रेल और अंतरदेशीय जलमार्गों का उपयोग करने की अनुमति देती है।

अब तक ट्रांजिट संधि के तहत केवल बीरगंज आईसीपी तक ही रेल कार्गो के जाने की अनुमति थी। लेकिन पिछले साल नवम्बर में भारत के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने इलेक्ट्रॉनिक कार्गो ट्रैकिंग सिस्ट नियमों में संसोधन किया। इसके कोलकाता, हल्दिया और विशाखापत्तनम बंदरगाहों से रेल कार्गो आवाजाही का दायरा बढ़ गया। नेपाली अधिकारियों के अनुसार, इस संशोधन ने रेल कार्गो आवाजाही का दायरा बढ़ाया है, जिससे नेपाल जाने वाले कार्गो को रेल के जरिए विराटनगर कस्टम तक पहुंचाया जा सकेगा। इस नई व्यवस्था लॉजिस्टिक्स में लागत में काफी कमी आएगी। सड़क मार्ग की तुलना में रेल से सामान पहुंचाना सस्ता होता है। ट्रेड एनालिस्ट का कहना है कि विशाखापत्तनम से विराटनगर आईसीपी तक सामान के सीधे परिवहन से लॉजिस्टिक्स की लागत में लगभग 15 से 20 फीसदी की कमी आने की संभावना है। अभी तक विशाखापत्तनम से बीरगंज जाने वाले कार्गो को विराटनगर ले जाने के लिए ट्रकों में दोबारा लोड करना पड़ता है।

जेडी वेंस के परिवार से परेशान हुई सीक्रेट सर्विस

उपराष्ट्रपति के किन मांगों पर एजेंटों ने जताई नाराजगी?

वाशिंगटन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनके परिवार की सुरक्षा में तैनात अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के कई एजेंट कथित तौर पर उनकी बार-बार होने वाली अचानक यात्रा योजनाओं और आखिरी समय में बदले जाने वाले कार्यक्रमों से परेशान हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन लगातार बदलावों से सुरक्षा व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है, टीम का मनोबल प्रभावित हो रहा है और सरकारी धन के अनावश्यक खर्च को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं। एमएस नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, एक घटना ने कई सुरक्षा एजेंटों को खास तौर पर नाराज कर दिया। बताया गया कि वेंस और उनके छोटे बेटे को गोल्फ सीखने के लिए वॉशिंगटन के एक हिस्से

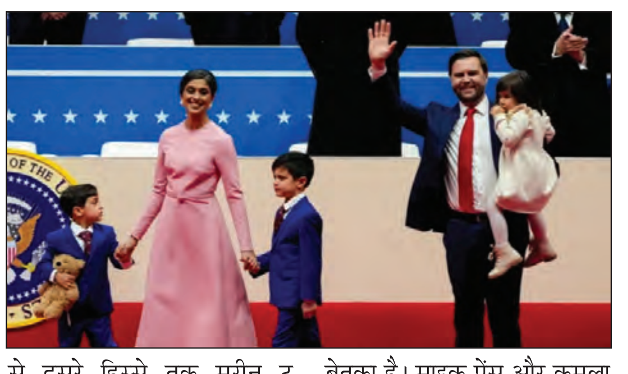

से दूसरे हिस्से तक मरीन टू हेलीकॉप्टर से ले जाने का प्रस्ताव रखा गया था।

हालांकि खराब मौसम के कारण यह उड़ान नहीं हो सकी, लेकिन केवल इस तरह का प्रस्ताव ही कई एजेंटों को हैरान कर गया। रिपोर्ट के मुताबिक, एक एजेंट ने निजी संदेश में कहा कि यह पूरी तरह बेतुका है। माइक पेंस और कमला हैरिस ने कभी ऐसा नहीं किया। एक दूसरे एजेंट ने कहा कि ये लोग हर समय अपना कार्यक्रम बदल देते हैं। तय समय का पालन नहीं करते और इससे करदाताओं के लाखों डॉलर बेवजह खर्च होते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मरीन टू हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करने के लिए व्हाइट हाउस सैन्य कार्यालय की मंजूरी जरूरी होती है। वर्ष 2022 के पेंटागन के बजट के अनुसार, इस हेलीकॉप्टर को उड़ाने पर हर घंटे 16 हजार से 24 हजार 600 अमेरिकी डॉलर तक खर्च आता है। सूत्रों के अनुसार, सरकारी हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल पर कोई औपचारिक रोक नहीं है, लेकिन इस तरह की यात्रा पहले कभी नहीं हुई।

उनका कहना है कि ऐसी अचानक की गई मांगों से सुरक्षा एजेंसियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस, जो अमेरिका की सेकेंड महिला हैं, हाल ही में नया घर देखने के लिए वर्जीनिया के मिडलबर्ग कई बार हेलीकॉप्टर से गए।

भारत बिना हवाई हमले के पाकिस्तानियों को मार रहा

सिंधु जल संधि सस्पेंड करने से घबराईं पाकिस्तानी सांसद

इस्लामाबाद, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सिंधु जल संधि पर भारत के रुख से पाकिस्तान की चिंता बढ़ रही है। भारत के संधि निलंबित करने के फैसले पर पाकिस्तान लगातार आक्रामक भाषा बोल रहा है। पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व और नेताओं ने इस मुद्दे पर भारत को युद्ध की गीदड़भभकी तक दी है। अब इस मुद्दे पर पाकिस्तान नेशनल असेंबली की सदस्य डॉक्टर शर्मिला फारूकी ने भारत को घेरने की कोशिश की है। उन्होंने कहा है कि पानी के मुद्दे पर भारत की ओर से हो रही ऐसी हिंसा है, जो किसी देश को भूखा मार सकती है। चिनाब, झेलम और सिंधु पर भारत यह कर रहा है क्योंकि ये नदियां पाकिस्तान को जिंदा रखती हैं। सांसद शर्मिला ने लिखा है कि संधि में इसे निलंबित करने का कोई प्रावधान नहीं है।

अनुच्छेद XII स्पष्ट है कि इसमें बदलाव या इसे खत्म केवल आपसी सहमति से ही किया जा सकता है, जिसे दोनों सरकारों की मंजूरी मिली हो। इससे एकतरफा तरीके से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इसके बावजूद भारत संधि का पालन नहीं कर रहा है।

शर्मिला कहती हैं कि भारत ने संधि से निकलने के लिए किसी भी प्रावधान का इस्तेमाल नहीं किया है। भारत को समझना चाहिए कि विश्व बैंक कोई मूक दर्शक नहीं है। वह 1960 के समझौते में एक पक्षकार है। जब भारत ने संधि को स्थगित करने का कदम उठाया, तो उसने बैंक को पहले से सूचित भी नहीं किया। जिस संस्था ने इस समझौते को कराने में एक दशक बिताया था।

एंडी बर्नहम बने लेबर पार्टी के नए नेता

सोमवार को पीएम पद की शपथ लेंगे

लंदन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। एंडी बर्नहम को शुक्रवार को ब्रिटेन की सत्ताधारी लेबर पार्टी का नया नेता चुन लिया गया है। 56 वर्षीय बर्नहम अगले हफ्ते 10 डाउनिंग स्ट्रीट में प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालेंगे। बर्नहम पिछले महीने कीर स्टार्मर के इस्तीफे के बाद नेतृत्व की दौड़ में एकमात्र उम्मीदवार थे। सोमवार को किंग चार्ल्स तृतीय उन्हें नई सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे, जिसके बाद स्टार्मर औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंपेंगे। बर्नहम ब्रिटेन के एक दशक में सातवें प्रधानमंत्री होंगे। अपने पहले भाषण में बर्नहम ने कहा कि यह लेबर पार्टी के लिए बदलाव लाने का आखिरी मौका है।

चीन के चोंगकिंग में भूस्खलन से कई मकान ढहे

कई लोगों के मलबे में दबने की आशंका

बीजिंग, 18 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण-पश्चिम चीन के चोंगकिंग शहर के पेंगशुई काउंटी में शुक्रवार सुबह हुए भूस्खलन से कई रिहायशी मकान ढह गए। हादसा उस समय हुआ, जब प्रशासन पहाड़ी से पत्थर गिरने की चेतावनी के बाद 60 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने का अभियान चला रहा था। इसी दौरान सुबह 9:08 बजे बड़ा भूस्खलन हुआ और कई लोग मलबे में दब गए। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, अब तक 9 लोगों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला गया है। हालांकि, मलबे में फंसे लोगों की संख्या का सत्यापन अभी जारी है। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के मुताबिक, सुबह करीब 8 बजे एक सामुदायिक कर्मचारी ने पहाड़ी से पत्थर गिरते देख प्रशासन को सूचना दी थी।

अमेरिका-इजरायल के एफ-35 ने तोड़ा चीन का घमंड

ईरान में खुली एंटी स्टील्थ चीनी रडार की पोल, किरकिरी

बीजिंग, 18 जुलाई (एजेंसियां)। चीन एशिया से लेकर यूरोप और अफ्रीका तक हथियार बेचकर जमकर कमाई कर रहा है। चीन के इन हथियारों की क्वालिटी को लेकर फिर से गंभीर सवाल उठे हैं। म्यांमार से लेकर अफ्रीका तक चीन के कई हथियार के फेल साबित हुए हैं। अब चीन के रडार की भी पोल खुल रही है। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान में फेल होने वाले चीनी रडार अब ईरान में भी फेल हो गए हैं। चीन अमेरिका से निपटने के लिए अत्याधुनिक एंटी स्टील्थ रडार नेटवर्क बना रहा है। चीन ने ऐसे ही एंटी स्टील्थ रडार की सप्लाई ईरान को की थी लेकिन अमेरिका और इजरायल के पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 और एफ-22 रैप्टर स्टील्थ विमानों ने इसे भेदकर जमकर तबाही मचाई है। इससे अब चीन की जमकर करिकिरी हो रही है।

चीन की सेना अक्सर अपने

रडार का वीडियो वायरल कर दुनिया को डराने की कोशिश करती है। चीन यह दिखाता है कि वह अमेरिका के पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट को मार गिराने में सक्षम है। एक्सपर्ट का कहना है कि चीन के एंटी स्टील्थ रडार तभी प्रभावी होंगे जब उनको प्रभावी तरीके इंटीग्रेट किया जा सके। साथ ही युद्ध के दबाव के बीच इन रडार को मेंटेन करने और उसे ऑपरेट करने पर ज्यादा प्रभावी होंगे। एशिया टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले महीने ही चीन एयरोस्पेस स्टडीज इंस्टीट्यूट ने माना था कि चीन को अभी भी अमेरिकी स्टील्थ फाइटर जेट कैसे काम करते हैं, इसे जानने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

चीनी रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 1999 में सर्बिया के एक एफ-117 को मार गिराने के बाद चीन का लो फ्रीक्वेंसी रडार में भरोसा बढ़ गया और उसने लेयर्ड सेंसर, एकीकृत एयर डिफेंस सिस्टम और स्वदेशी स्टील्थ फाइटर जेट जैसे जे-20, जे-35 और प्रस्तावित एच-20 बॉम्बर में निवेश करने लगा। रिपोर्ट के मुताबिक चीन हमेशा ही स्टील्थ को एक हार्डवेयर की समस्या मानता है और अमेरिका के मिशन प्लानिंग, इलेक्ट्रानिक वॉरफेयर, साफ्टवेयर, ट्रेनिंग और रणनीतिक व्यवहार को अपनाने को कमतर करके आंकता है।

एशिया टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीनी रडार ने ताइवान स्ट्रेट के आसपास हो सकता है कि अली वार्निंग दे दी हो लेकिन वे अभी भी ऐसी सटीक सूचना नहीं दे पा रहे हैं जिससे इन स्टील्थ विमानों मार गिराया जा सके। चीनी सीएएसआई रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि स्टील्थ डिफेंस सिस्टम पर चीन का बहुत ज्यादा भरोसा करना उसके लिए खतरनाक हो सकता है।

भारत सबसे बड़ी रिफाइनरी से जमकर कमा रहा पैसे: पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के जाने-माने विश्लेषक आमिर मतीन ने अपने देश की सरकारों को उर्जा सुरक्षा पर काम ना किए जाने के लिए घेरा है। वहीं भारत को उन्होंने सराहा है। उन्होंने कहा कि भारत की रिफाइनरी ना सिर्फ अपने देश को तेल दे रही हैं बल्कि बेचकर मुनाफा भी कमा रही हैं। वहीं पाकिस्तान में तेल की कमी से हाहाकार हो गया है। ईरान में युद्ध के चलते होर्मुज स्ट्रेट बंद होने और दुनियाभर में तेल-गैस की किल्लत से जुड़े सवाल पर आमिर मतीन ने यह कहा है।

ईरान ने अमेरिकी हमलों की जवाबी कार्रवाई के तौर पर होर्मुज स्ट्रेट को बंद किया हुआ है, जो खाड़ी देशों से एशिया में तेल और गैस पहुंचाने का बेहद अहम रास्ता है। इसने दुनिया के बड़े हिस्से खासतौर से भारत-पाकिस्तान और एशियाई मुल्कों को प्रभावित किया है। इसी संकट पर बात करते हुए आमिर मतीन ने भारत और पाकिस्तान की तुलना की है।

आमिर मतीन ने तेल-गैस को लेकर चल रहे संकट के मुद्दे पर बोलते हुए टीवी92 के एक कायक्रम में कहा कि क्राइसिस है और इससे कोई इनकार नहीं कर रहा है। सवाल ये है कि आपने इसके लिए क्या तैयारी की थी और यहां तक कि ये पूरा मामला शुरू होने के बाद भी क्या कदम उठाए हैं। हम देख रहे हैं कि पाकिस्तान सरकार की कोशिशें जीरो हैं। मतीन ने आगे कहा, 'हमारे पड़ोस में भारत है, जहां दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरियां हैं। खासतौर से गुजरात में बड़ी रिफाइनरी हैं, जो समुद्र से लगा हुआ सूबा है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीद को लेकर कई तरह प्रतिबंध भारत पर लगाए हैं। हाल ही में हमने देखा कि अमेरिका 100 फीसदी टैरिफ की बात कर रहा है। इसके बावजूद भारत में बढ़िया काम हो रहा है।'

आमिर मतीन ने दावा किया कि प्रतिबंधों के बावजूद भारत ना सिर्फ रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है बल्कि उसे रिफाइन भी कर रहा है। वहां रिफाइन किया हुआ तेल वापस रूस और दुनिया को बेचकर भारी मुनाफा कमाया जा रहा है। भारत की रिफाइनरियां सिर्फ रूसी तेल से ही 12 से 17 अरब डॉलर तक कमा रही हैं।

पाकिस्तानी सरकार को घेरते हुए मतीन ने कहा कि हमारे देश में पिछले बीस-तीस सालों से हर बिजली बिल पर टैक्स लगाया जा रहा है। इस टैक्स के पैसे को रिफाइनरियों को देने की बात की जाती है। इसके बावजूद किसी को बेचना तो छोड़िए, हम घरेलू जरूरत का तेल रिफाइन करने में सक्षम नहीं हैं।

भारत के प्रसिद्ध हनुमान मंदिरों की महिमा जानकर रह जाएंगे हैरान

सालासर बालाजी मंदिर,राजस्थान

भारत में भगवान हनुमान की पूजा सिर्फ आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों के विश्वास, साहस और उम्मीद का भी प्रतीक है। देश के अलग-अलग राज्यों में ऐसे कई हनुमान मंदिर हैं, जिनकी अपनी अलग पहचान और चमत्कारों की कहानियां हैं। मंगलवार और शनिवार को इन मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है, लेकिन त्योहारों और हनुमान जयंती के मौके पर यहां लाखों श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं। कई लोग अपनी मनोकामना पूरी होने पर दोबारा मंदिर में आकर धन्यवाद भी देते हैं। यही वजह है कि ये मंदिर सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि लोगों की भावनाओं का केंद्र भी बन चुके हैं, अगर आप धार्मिक यात्रा की योजना बना रहे हैं या देश के प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में जानना चाहते हैं, तो इन हनुमान मंदिरों के बारे में जानकारी आपके लिए काफी काम की हो सकती है। इन मंदिरों का इतिहास, उनकी मान्यता और यहां का माहौल हर श्रद्धालु को एक अलग अनुभव देता है।

भारत के सबसे प्रसिद्ध हनुमान मंदिर

भगवान हनुमान को संकटमोचन कहा जाता है। मान्यता है कि सच्चे मन से उनकी पूजा करने पर जीवन की कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। भारत में ऐसे कई मंदिर हैं, जहां दूर-दूर से लोग सिर्फ दर्शन के लिए आते हैं। इन मंदिरों की लोकप्रियता समय के साथ लगातार बढ़ी है।

राजस्थान के चूरू जिले में स्थित सालासर बालाजी मंदिर देश के सबसे प्रसिद्ध हनुमान मंदिरों में गिना जाता है। यहां की सबसे बड़ी खासियत यह है कि भगवान हनुमान की प्रतिमा दाढ़ी और मूंछ वाले रूप में विराजमान है। हर साल लाखों श्रद्धालु यहां पैदल यात्रा करके पहुंचते हैं। माना जाता है कि यहां मांगी गई मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

संकटमोचन हनुमान मंदिर, वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित संकटमोचन मंदिर की स्थापना संत तुलसीदास ने की थी। यह मंदिर अपनी आध्यात्मिक शांति और धार्मिक माहौल के लिए जाना जाता है। परीक्षा, नौकरी या किसी बड़ी परेशानी से पहले कई लोग यहां दर्शन करने जरूर आते हैं।

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर, राजस्थान

दौसा जिले का मेहंदीपुर बालाजी मंदिर अपनी विशेष मान्यताओं के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। यहां बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी आते हैं, जो मानसिक परेशानियों या नकारात्मक प्रभाव से मुक्ति की कामना करते हैं। मंदिर की परंपराएं और पूजा का तरीका इसे बाकी मंदिरों से अलग बनाता है।

जाखू हनुमान मंदिर, हिमाचल प्रदेश

शिमला की जाखू पहाड़ी पर बना यह मंदिर समुद्र तल से काफी ऊंचाई पर स्थित है। यहां भगवान हनुमान की विशाल प्रतिमा दूर से ही दिखाई देती है। श्रद्धालु यहां पैदल ट्रैकिंग करके भी पहुंचते हैं और रोपवे की सुविधा का भी इस्तेमाल करते हैं। पहाड़ों के बीच स्थित यह मंदिर आध्यात्मिक शांति का अलग ही अनुभव देता है।

संकटमोचन हनुमान मंदिर, वाराणसी

हनुमान गढ़ी, अयोध्या

हनुमान गढ़ी, अयोध्या

भगवान राम की नगरी अयोध्या का हनुमान गढ़ी मंदिर बेहद प्रसिद्ध है। मान्यता है कि भगवान राम के दर्शन से पहले हनुमान जी के दर्शन करना शुभ माना जाता है। त्योहारों के समय यहां भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलती हैं।

नमक्कल अंजनेयर मंदिर, तमिलनाडु

दक्षिण भारत का यह प्रसिद्ध मंदिर अपनी ऊंची हनुमान प्रतिमा के लिए जाना जाता है। यहां हर दिन हजारों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। उत्तर और दक्षिण भारत के भक्तों के बीच यह मंदिर समान रूप से लोकप्रिय है।

क्यों बढ़ रही है इन मंदिरों की लोकप्रियता

आज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण देश के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों की जानकारी तेजी से लोगों तक पहुंच रही है। पहले जहां लोग सिर्फ अपने आसपास के मंदिरों तक सीमित रहते थे, वहीं अब परिवार के साथ धार्मिक पर्यटन का चलन भी बढ़ा है। छुट्टियों में लोग इन मंदिरों की यात्रा को अपनी ट्रिप का हिस्सा बना रहे हैं। कई श्रद्धालु बताते हैं कि मंदिरों में पहुंचकर उन्हें मानसिक शांति मिलती है। वहीं कुछ लोग इसे परिवार के साथ समय बिताने और अपनी संस्कृति से जुड़ने का अच्छा अवसर मानते हैं।

यही वजह है कि हर साल इन मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

भगवान जगन्नाथ के दर्शन कपल्स एक साथ क्यों नहीं करते?

जगन्नाथ मंदिर से जुड़ी अनोखी मान्यता

ओडिशा के पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर दुनिया के सबसे प्रसिद्ध और पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है। हर साल यहां निकलने वाली रथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। भगवान जगन्नाथ से जुड़ी कई ऐसी परंपराएं और लोक-मान्यताएं हैं। इन्हीं में से एक मान्यता यह भी है कि अविवाहित कपल्स भगवान जगन्नाथ के एक साथ दर्शन करने से बचते हैं।

ओडिशा के पुरी में स्थित महाप्रभु जगन्नाथ का मंदिर अपने चमत्कारों, अनूठी परंपराओं और रहस्यों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। इस साल भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा 16 जुलाई, गुरुवार से शुरू हो चुकी है, जिसका समापन 24 जुलाई 2026 को होगा। जगन्नाथ मंदिर से जुड़ी कई ऐसी लोक-मान्यताएं हैं जो सदियों से चली आ रही हैं। इन्हीं में से एक बेहद दिलचस्प और हैरान करने वाली मान्यता यह है कि अविवाहित जोड़ों को मंदिर के भीतर भगवान जगन्नाथ के एक साथ दर्शन नहीं करने चाहिए। आइए जानते हैं कि आखिर इसके पीछे क्या वजह है और कौन सी पौराणिक कथा इससे जुड़ी हुई है।

क्या है कपल्स के एक साथ दर्शन न करने की मान्यता?

पुरी जगन्नाथ मंदिर से जुड़ी लोक-मान्यताओं के अनुसार, अविवाहित प्रेमी-प्रेमिका को मंदिर के गर्भगृह में एक साथ दर्शन नहीं करने चाहिए। ऐसी मान्यता है कि यदि कोई अविवाहित जोड़ा एक साथ भगवान जगन्नाथ के दर्शन करता है, तो उनके रिश्ते में दूरी आ सकती है या विवाह में बाधाएं पैदा हो सकती हैं। यह मान्यता पीढ़ियों से स्थानीय लोगों के बीच प्रचलित है। इसी वजह से कई अविवाहित कपल्स आज भी इस परंपरा का सम्मान करते हुए अलग-अलग दर्शन करना पसंद करते हैं।

माता राधा रानी के श्राप से जुड़ी है यह लोक-कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार राधा रानी भगवान श्री कृष्ण (जगन्नाथ रूप) के दर्शन करने पुरी पहुंची थीं। मंदिर में मौजूद पुजारियों ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया और कहा कि मंदिर में केवल भगवान और उनकी पत्नियों का ही प्रवेश हो सकता है। यह सुनकर राधा रानी बहुत आहत हुईं और उन्होंने श्राप दिया कि जो भी अविवाहित प्रेमी जोड़ा मंदिर में एक साथ प्रवेश करेगा, उनका प्रेम कभी सफल नहीं होगा। इसी श्राप के कारण आज भी स्थानीय लोग और श्रद्धालु इस परंपरा का पालन करते हैं।

क्या मंदिर प्रशासन ने लगाया है कोई प्रतिबंध?

इस बात को समझना भी जरूरी है कि श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन की ओर से अविवाहित कपल्स के एक साथ दर्शन करने पर कोई कानूनी या आधिकारिक प्रतिबंध नहीं है। मंदिर के नियमों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि प्रेमी-प्रेमिका या अविवाहित जोड़े एक साथ मंदिर में प्रवेश नहीं कर सकते। यानी यह पूरी तरह श्रद्धालुओं की आस्था और व्यक्तिगत विश्वास का विषय है। जो लोग इस मान्यता को मानते हैं, वे उसका पालन करते हैं, जबकि कई श्रद्धालु सामान्य रूप से एक साथ दर्शन भी करते हैं।

रथ यात्रा के दौरान उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में गिना जाता है। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा भव्य रथों पर विराजमान होकर श्री गुंडिचा मंदिर तक जाते हैं। देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु इस दिव्य यात्रा के दर्शन करने पुरी पहुंचते हैं।

हर किसी के पास अपना तर्क होता है

प्रश्न यह उठता है कि हर व्यक्ति खुद को सही क्यों मानता है, क्या यह संयोग अथवा मानव मन की स्वाभाविक प्रवृत्ति। विश्लेषण करने पर इसके पीछे कई कारण समझ में आते हैं, जैसे व्यक्ति का सीमित दृष्टिकोण, अहंकार, मानसिक पुष्टि, भावनाओं का प्रभाव इत्यादि। हर इंसान दुनिया को अपने अनुभव, संस्कार और परिस्थितियों के चश्मे से देखता है, जो उसने देखा या सीखा वही उसे सत्य लगता है, हर किसी के पास अपनी बात के लिए दलील होती है।

हर इंसान अपने स्वयं के जीवन का मुख्य पात्र होता है। वह हर घटना को अपने अनुसार देखता है और अपने जीवन में स्वयं को हमेशा सही मानता है। उदाहरण के लिए दो दोस्त झगड़ते हैं, पहला कहता है, "मैंने तो मजाक किया था, उसने ओवररिएक्ट किया।" दूसरा कहता है, 'उसने जानबूझकर मुझे नीचा दिखाया।' दोनों के पास अपने-अपने तर्क एवं दलीलें हैं। मन तर्क गढ़कर खुद को सही साबित करना चाहता है। मन उसी जानकारी को स्वीकार करता है जो उसकी पहले से बनी धारणा को सही ठहराए, और बाकी को नजरअंदाज कर देता है।

अगर वह मान ले कि 'मैं गलत हूं', तो अहंकार को चोट लगती है। गलत होने को स्वीकार करना कठिन होता है, इसलिए मन अपने निर्णयों को सही ठहराने के लिए तर्क बना लेता है। जीवन में भी हम लोगों ने यह अनुभव किया है कि हर व्यक्ति अपने मामले में खुद ही जज बन जाता है, खुद को निर्दोष और दूसरे को दोषी घोषित कर देता है। जब तक मन, अहंकार और अपनी मान्यताओं का पर्दा है, तब तक सत्य नहीं दिखता, केवल अपना पक्ष दिखता है।

कई बार हम इसलिए भी खुद को सही मानते हैं क्योंकि हमने हमेशा वैसा ही किया है और बदलना असहज लगता है। जिस चीज़ में हमने समय, मेहनत या भावना लगाई होती है, उसे गलत मानना और भी कठिन हो जाता है। जब बातचीत सत्य खोजने से हटकर जीतने में बदल जाती है, तब हर व्यक्ति खुद को सही साबित करने में लग जाता है। मन अपने बने हुए विचारों को बदलना नहीं चाहता, क्योंकि नया स्वीकार करना अस्थिरता लाता है। उदाहरण के लिए मां अपने बच्चे से कहती है, 'मैं तुम्हें तुम्हारी भलाई के लिए डांटती हूं', बच्चा कहता है, 'आप मुझे समझती ही नहीं', दोनों का तर्क अपनी-अपनी जगह सही है और दोनों अपने निष्कर्ष पर अटल रहना चाहते हैं, दोनों के पास अपने-अपने दृष्टिकोण को सही साबित करने के लिए अपनी-अपनी काफी दलीलें हैं।

एक पिता के दो बेटे, एक सफल, दूसरा बर्बाद

समस्याओं से भागने के बजाय उन्हें स्वीकार करके समाधान खोजें, जो व्यक्ति धैर्य रखता है, वही सफल होता है

एक कथा है, पुराने समय में एक छोटे से गांव में एक व्यक्ति को नशे की बुरी आदत लग गई। वह अपना अधिकतर समय नशे में बिताता था। घर की जिम्मेदारियों से वह दूर रहता और इस वजह से उसके परिवार में अक्सर तनाव का माहौल बना रहता था। उसकी पत्नी का पहले ही निधन हो चुका था। उसके दो छोटे बेटे थे, जो अपने पिता की आदतों और घर के वातावरण को देखते हुए बड़े हो रहे थे।

समय बीतता गया और जब दोनों बेटे थोड़े बड़े हुए तो उनके पिता की भी मृत्यु हो गई। पिता के जाने के बाद दोनों भाइयों के सामने अपने-अपने जीवन को लेकर कई परेशानियां थीं, लेकिन दोनों ने अपने अनुभवों को अलग-अलग तरीके से देखा। बड़ा बेटा अपने पिता की आदतों से प्रभावित हुआ। उसने भी नशे को अपना सहारा बना लिया। धीरे-धीरे उसका जीवन भी उसी दिशा में जाने लगा, जिस दिशा में उसके पिता का गया था। उसकी आर्थिक स्थिति खराब होती गई और समाज में उसका सम्मान भी कम होने लगा।

वहीं, दूसरी ओर छोटा बेटा उसी घर के माहौल को देखकर कुछ अलग सीखा था। उसने अपने पिता की गलत आदतों को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि जीवन की सीख बना लिया। उसने मन में ठान लिया कि उसे अपने पिता जैसी जिंदगी नहीं जीनी है। उसने नकारात्मक परिस्थितियों से अपना ध्यान हटाकर पढ़ाई और मेहनत पर ध्यान लगाया।

समय के साथ उसकी मेहनत रंग लाई। वह पढ़-लिखकर एक बड़ा अधिकारी बन गया। उसके पास सुख-सुविधाएं थीं, समाज में सम्मान था और लोग उसकी सफलता की प्रशंसा करते थे।

जब लोगों ने देखा कि एक ही परिवार के दो बच्चों का जीवन इतना अलग हो गया है, तो उन्होंने दोनों भाइयों से इसका कारण पूछा। बड़े बेटे ने कहा, "मेरी यह हालत मेरे पिता की वजह से हुई है। मैंने उन्हें हमेशा नशा करते देखा और वही आदतें अपना लीं।"

इसके बाद लोगों ने छोटे बेटे से पूछा, "तुम इतनी सफलता तक कैसे पहुंचे?"

छोटे बेटे ने मुस्कुराते हुए कहा, "मैं भी अपने पिता की वजह से ही सफल हुआ हूं। मैंने उनके जीवन से यह सीखा कि मुझे क्या नहीं करना है। मैंने उनके गलत रास्ते को देखकर सही रास्ता चुनने का फैसला किया। मैंने मेहनत और शिक्षा को अपना साथी बनाया।"

यह सुनकर सभी लोग समझ गए कि परिस्थिति नहीं, बल्कि परिस्थिति को देखने का नजरिया इंसान का भविष्य तय करता है। इस कथा की सीख यही है कि जीवन में अच्छी और बुरी दोनों तरह की बातें होती रहती हैं। सकारात्मक सोच रखने वाला व्यक्ति कठिनाइयों में भी अवसर खोज लेता है, जबकि नकारात्मक सोच वाला व्यक्ति अवसरों में भी समस्याएं ढूंढ लेता है। हमारा नजरिया ही हमारी सफलता और खुशी का आधार बनता है।

प्रसंग की सीख

परिस्थिति को स्वीकार करें, हार न मानें

हर व्यक्ति को किसी न किसी रूप में कठिन समय से गुजरना पड़ता है। समस्याओं से भागने के बजाय उन्हें स्वीकार करके समाधान खोजने की आदत बनाएं। जो व्यक्ति मुश्किल समय में धैर्य रखता है, वही आगे बढ़ता है।

अपनी सोच पर ध्यान दें

हमारे विचार ही हमारे कार्यों को प्रभावित करते हैं। अगर मन में हमेशा डर, चिंता और असफलता के विचार रहेंगे, तो आत्मविश्वास कम होगा। सकारात्मक विचारों को अपनाने से ऊर्जा और उत्साह बढ़ता है।

गलतियों से सीखें

असफलता जीवन का अंत नहीं होती। हर गलती हमें कुछ नया सिखाती है। अपनी गलतियों को कमजोरी नहीं, बल्कि सुधार का अवसर मानें।

अच्छी संगति चुनें

जिन लोगों के साथ हम रहते हैं, उनकी सोच का असर हमारे जीवन पर पड़ता है। सकारात्मक और मेहनती लोगों के साथ रहने से हमारी सोच भी बेहतर होती है।

लक्ष्य तय करें

बिना लक्ष्य के जीवन दिशाहीन हो सकता है। छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं और उन्हें पूरा करने के लिए नियमित प्रयास करें।

अतीत में न उलझें

बीती हुई बातें वापस नहीं आतीं। पुराने दुखों और असफलताओं को बार-बार याद करने से वर्तमान प्रभावित होता है। वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करें।

आभार व्यक्त करें

जीवन में जो अच्छी चीजें हैं, उनके लिए आभार व्यक्त करें। आभार मानने की भावना मन को शांत और सकारात्मक बनाती है।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें

अच्छा स्वास्थ्य सकारात्मक सोच के लिए जरूरी है। नियमित व्यायाम, संतुलित भोजन और पर्याप्त नींद जीवन में ऊर्जा बनाए रखते हैं।

दूसरों से तुलना न करें

हर व्यक्ति की परिस्थितियां और यात्रां अलग होती हैं, दूसरों से तुलना करने के बजाय अपनी प्रगति पर ध्यान दें।

हर समस्या में सीख खोजें

सफल लोग समस्याओं को रुकावट नहीं, बल्कि सीखने का अवसर मानते हैं। जीवन की हर चुनौती हमें मजबूत बनाने के लिए आती है। सकारात्मक सोच एक आदत है, जिसे लगातार अभ्यास से विकसित किया जा सकता है। जब हम अपने विचारों को नियंत्रित करना सीख लेते हैं, तो मुश्किल परिस्थितियों में भी आगे बढ़ सकते हैं।

सावन से पहले घर ले आएं ये 5 शुभ चीजें

शिव जी के प्रिय गण नंदी जी की प्रतिमा सबसे पहली वस्तु की बात करें तो वह है भगवान शिव के वाहन और उनके सबसे प्रिय गण नंदी जी की प्रतिमा। नंदी को भगवान शिव का परम भक्त भी माना जाता है।

नंदी जी

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन से पहले घर के मंदिर में छोटी सी चांदी की नंदी जी की प्रतिमा स्थापित कर श्रद्धापूर्वक पूजा करना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि नंदी जी के माध्यम से भक्तों की प्रार्थना भगवान शिव तक पहुंचती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

पारद शिवलिंग

धार्मिक मान्यताओं में पारद शिवलिंग को बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता है कि सावन से पहले इसे घर में स्थापित कर विधि-विधान से पूजा करने पर भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। कहा जाता है कि नियमित रूप से जलाभिषेक और पूजा करने से घर में सुख-शांति, समृद्धि और सकारात्मक वातावरण बना रहता है।

तांबे के कलश

पूजा पाठ में तांबे के कलश का विशेष महत्व माना गया है, क्योंकि धार्मिक दृष्टि से इसे शुभ माना जाता है। मान्यता है कि सावन के महीने में अगर शिवलिंग पर तांबे के कलश के से जल अर्पित किया जाए तो इसे अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। ऐसे में यदि आपके घर में तांबे का कलश नहीं है, तो सावन शुरू होने से पहले इसे खरीदना अच्छा माना जाता है।

बेलपत्र

भगवान शिव की पूजा में बेलपत्र का विशेष महत्व बताया गया है। कहा जाता है कि यदि घर में पर्याप्त स्थान हो तो सावन शुरू होने से पहले बेल का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इसकी नियमित सेवा और पूजा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं तथा परिवार पर उनकी कृपा बनी रहती है।

डमरू

सावन शुरू होने से पहले घर में डमरू लाना भी शुभ माना जाता है। डमरू भगवान शिव का प्रिय वाद्य यंत्र माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार डमरू सृष्टि की दिव्य ध्वनि और ऊर्जा का प्रतीक है। कहा जाता है कि सावन से पहले घर में डमरू लाकर उसे पूजा स्थान पर रखने और शिव आराधना के दौरान उसका उपयोग करने से वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है और मन को शांति प्राप्त होती है।

संघर्ष से बल्लेबाज़ी के शिखर तक : तिलक वर्मा

अतुल कुमार

भारतीय क्रिकेट टीम के जिन नये खिलाडियों ने खेल प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया उनमें एक नाम तिलक वर्मा का है जिन्होंने आल राउंडर के रूप में ख्याति पायी . मध्यम क्रम की बल्लेबाज़ी में भरोसेमंद बल्लेबाज़ के रूप में उनको माना गया . बाएं हाथ से बल्लेबाज़ी में अपने जौहर बिखेरे जिसे देख लोग हैरान हुए .उनके खेले हुए शाट्स प्रभावी और त्रुटिहीन होते हैं सन 2023 में वेस्ट इंडीज़ के विरुद्ध टी 20 अतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया .दबाव की परिस्थितियों में ज़िम्मेदारी संभालने वाले विश्वसनीय बल्लेबाज़ बने खेल में उनकी आक्रामकता उनके बेमिसाल डेडिकेशन को सिद्ध करती है .विशाल लक्ष्य का पीछा करने में उनको माहिर माना गया क्यों कि वक्त के मुताबिक अपनी बल्लेबाज़ी के तेवरों को धार देते हैं जिससे विपक्षी टीम उनकी स्ट्रैटेजी को समझने में गच्चा खा जाती है . किसी शायर ने खूब लिखा पाबंदियों की दीवारें भी जिनके हौसलों को डिगा न सकी / मैदान में उतरे तो हर मुश्किल को मात दे दी // तिलक वर्मा ने अपने खेल कौशल से यही किया .

हैदराबाद के एक सामान्य मिडिल क्लास परिवार में जन्मे तिलक ने अपने खेल से जो शोहरत हासिल की है वह प्रेरणास्रोत है .दबाव में शांत रह खेलने की उनकी अदा युवा खिलाडियों को प्रभावित करती है क्यों कि इस खिलाडी का जीवन कडे संघर्षों से हो निखरा है . आर्थिक तंगी के कारण क्रिकेट जैसे खर्चीले खेल का खर्च वहन करना उनके लिये संभव नहीं था उनके पिता नागराजू वर्मा एक मामूली इलेक्ट्रिशियन का काम करते थे . उनके शुरुआती कोच सलाम बयाश ने उनकी प्रतिभा को पहचाना उनकी फीस का ज़िम्मा उठाया और खुद स्कूटर पर रोज़ाना 40 कि मी का सफर तय कर उनको कोचिंग एकेडेमी ले जाते .

वर्मा को बडी सफलता तब मिली जब आई पी एल की दिग्गज फ्रेंचाइज़ी मुंबई इंडियंस ने उनको अपनी टीम में शामिल किया . आई पी एल में मिडिल आर्डर में बैटिंग करते हुए कई तूफानी पारियां खेली जिससे क्रिकेट पटल पर छा गये .क्रिकेट विशेषज्ञों ने उनकी सधी हुई बल्लेबाज़ी की सराहना की और कहा कि वह पूरी सूझ बूझ से अपने खेल में शास्त्रीयता तथा मौजूदा तेज़ रन बनाने के कांबिनेशन की उम्दा मिसाल हैं . गेंद को जल्द पढ उसे अपने मुताबिक कनवर्ट करते हैं . निरंतरता और शानदार फार्म के चलते हुए वह टी -20 में भारत के लिये तेज़ी से अर्ध शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाडियों में से एक हैं .बेहतरीन तरीके से खेल में अपना अलग मकाम बनाया जिसे देख युवा खेल प्रशंसक और खिलाडी प्रभावित होते हैं .मिडील आर्डर में दबाव में रहते हुए भी कई ऐसी पारियां खेली जो माइल स्टोन साबित हुईं क्रिकेट के खेल में उनको हैदराबाद की नयी संनसनी के रूप में सराहा जाता है .पहले पहल सैयद मुश्ताक अली ट्राफी और विजय हज़ारे ट्राफी में उनके धांसू शतकों ने चयन कर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया .बेहतरीन फार्म और कूल नेचर के कारण उन्हे भारतीय टीम के टी -20 का उप कप्तान बनाया गया . लगातार शानदार स्ट्राइक रेट (करीब 143) को बनाये रखा .सीमित ओवरों में उपयोगी आफ –स्पिन गेंदबाज़ी कर विपक्षी टीमों की भागीदारी तोडने में कामयाब साबित होते हैं . सुरेश रैना को अपना आदर्श खिलाडी मान वह भी बांए हाथ से बल्लेबाज़ी करने लगे . भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान दिग्गज खिलाडी रोहित शर्मा के अनुसार तिलक क्रिकेट के तीनों फार्मेट्स में खेलने की क्षमता रखते हैं क्यों कि वह गेम के इंटेलिजेंट प्लेयर हैं . सन 2022 में पहली बार आई पी एल मे प्रवेश कर कई शानदार पारियां खेलीं . एशिया कप फाइनल में खेली उनकी पारी लंबे समय तक याद रखी जायेगी .पाकिस्तान के सामने दबाव की स्थिति में एक छोर पर जम कर टिके रहे और मैच को फिनिश करके लौटे.

इस ऐतिहासिक पारी के बाद अपने खेल का लोहा मनवाया .उनके परिजनों के अनुसार बचपन में वह प्लास्टिक बैट को सिरहाने रख सोते. सन 2013 में ट्रेनिंग शुरु की एक साल के भीतर ही वह लोकल टूर्नामेंट्स में छा गये सन 2014 में हैदराबाद की अंडर 14 टीम में जगह बनायी .शुरुआती नाकामियों और टीम से बाहर होने के बावजूद कडी मेहनत और कोच के ग़ाइडेंस ने उनकी धुंआधार वापसी करवायी .8 नवंबर 2002 को हैदराबाद के तेलुगु भाषी परिवार में जन्मे इस खिलाडी का पूरा नाम नंबूरी ठाकुर तिलक वर्मा है .अंतर्राष्ट्रीय टी 20 के 56 मैच खेल चुके हैं जिसमें कुल 1568 रन बनाये है, जिनमे सर्वाधिक रन 120 नाबाद है . टी 20 क्रिकेट में लगातार तीन शतक लगाने वाले पहले क्रिकेटर हैं . तिलक के पिता चाहते थे कि वह पढाई पर ध्यान दें और डाक्टर बनें लेकिन क्रिकेट के प्रति उनके जुनून ने उनको इस खेल में कैरीयर बनाने के लिये इंस्पायर किया और वह नामी खिलाडी बने किसी शायर ने खूब लिखा " सीने में जुनून और आंखों में जीत कि चिंगारी रखो / ज़िंदगी में चाहे जितने भी हों रास्ते बस अपने कदमों को मंज़िल की ओर जारी रखो // तिलक वर्मा ने यही किया और सितारा खिलाडी बने .

भारतीय ए टीम का नेतृत्व करते हुए इस वर्ष श्रीलंका ट्राई सीरीज़ में तिलक वर्मा ने कप्तान के रूप में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को खिताब दिलाया . टूर्नामेंट में सबसे अधिक 275 रन बनाए जिनमें पांच पारियों में 4 अर्ध शतक जडे .अपने शुरुआती दिनों में 12 घंटे मैदान पर कडी मेहनत करते सुबह सूरज उगने पर आते और सूर्यास्त के बाद लौटते .उनकी मेहनत रंग लायी आगे चल कर अंडर 16 और अंडर 19 क्रिकेट में ऐसी सफलता पायी कि हर ओर उनकी चर्चा होने लगी .घरेलू क्रिकेट में उनके प्रदर्शन की चर्चा भरोसे मंद प्लेयर के रूप में होती है .क्रिकेट विशेषज्ञ उनको भविष्य के अच्छे खिलाडी के रूप में देखते हैं .कहा भी गया है कि " सफलता एक रात में नहीं मिलती इसके लिये सालों की लगन और अनुशासन की आवश्यकता होती है " तिलक वर्मा ने इसे अपने खेल से सिद्ध किया है .

काव्य कुंज

जज्बात की रेखा

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

हमारे बीच ही हरदम थी
एक जज्बात की रेखा,
मगर तुम ही नहीं समझे
कभी वो प्रेम की रेखा ।
तुम्हारे मन में हरदम ही
दिखा संग्राम की रेखा
मगर तुम देख ना पाए
मोहब्बत की घनी रेखा ।
कोई मंदिर नहीं ऐसा
जहां मांगे ना मन्नत हम
मगर फिर भी ना समझे तुम
प्रबल भावों की वो रेखा ।
हमारी ओर से ना थी
कभी संग्राम की रेखा
सदा करते मोहब्बत ही
तुम्हारी रूह ने देखा ।
कभी तुम पढ़ नहीं पाए
मेरे दिल की सरल रेखा
मिटा खुद तुमने ही डाला
हमारे ₹करर₹ से वो रेखा ।
मसल कर प्रेम को तुमने
बनाया झूठ की रेखा,
कलंकित कर दिया तुमने
मोहब्बत पाक की रेखा ।

लंगड़ाकर चलना

सत्यवान सौरभ

जंजीरें यदि न कट सकें,
बदलो अपनी चाल।
लंगड़ाकर चलना भला,
मत स्वीकारो जाल॥
बंधन चाहे लाख हों,
मत खोना विश्वास।
हिम्मत की तलवार से, लिख अपना इतिहास॥
झुकना यदि मजबूर हो, टूटे नहीं कमाल—
लंगड़ाकर चलना भला, मत स्वीकारो जाल॥
पैर कटे तो क्या हुआ, जीवित रहे उड़ान।
मन के पंखों से बड़ा, नहीं कोई वरदान॥
हिम्मत ही इंसान की, होती सौरभ ढाल—
लंगड़ाकर चलना भला, मत स्वीकारो जाल॥
सोने के पिंजरे भले, लगते हों आराम।
छीन स्वतंत्रता अगर, किस कामों के धाम॥
स्वाभिमान के सामने, फीका वैभव-भाल—
लंगड़ाकर चलना भला, मत स्वीकारो जाल॥
जो पराधीन हो गया, खो बैठा अधिकार।
अपनी इच्छा भी लगे, जैसे कोई भार॥
स्वतंत्रता का मूल्य है, जीवन का मंगल-पाल—
लंगड़ाकर चलना भला, मत स्वीकारो जाल॥
'सौरभ' सिर ऊँचा रहे, चाहे कठिन हो दौर।
स्वतंत्रता से बढ़ नहीं, कोई दूसरा और॥
जीवन की हर हार से, बेहतर ऊँचा भाल—
लंगड़ाकर चलना भला, मत स्वीकारो जाल॥

साफ दामन का..

दर्शन सिंह
हैदराबाद

साफ़ दामन का दौर
अब ख़त्म हुआ
लोग अपने धब्बों पर
गुरूर करने लगे हैं
गज़ब का मौसम
क़त्ल भी किया
फिर भी बेधड़क
शमशीर लहराते हैं
तुम स्वीकार करो या नहीं
अपनी पीठ थपथपाते हैं करें चिंतन
अथवा आंख , मुंह, कान बंद
इसी विधा से खेत सींचने लगे हैं
साफ दामन का..
अंधेर नगरी चौपट राजा चलन हो गया भईया
भले ही सीधी लकीर खींचों
खंजर का चलन हो गया भईया
मंदिर , मस्जिद से जगाए
वादाख़िलाफ़ी को ही
हथियार बनाने लगे हैं
साफ दामन का...
जान कर अंजान अतीत को ढांप
रिफ़्रेश नज़र आते हैं
दावाग्नि को उपकरणों से
निहारते नज़र आते हैं
आड़ी तिरछी रेखाओं को कदमों तले
रौंदने लगे हैं साफ़ दामन का..

डिजिटल दुनिया

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

ये दुनिया बड़ी अनोखी है,
अलबेली है लुभावनी है।
जो सबके दिल में बसती है,
सबका ख्याल रखती है,
सदैव साथ रहती है,
फिर भी लोग अकेले हैं ।
यह सबसे बातें करती है
सबकी चाहत समझती है,
फिर भी लोग नाखुश हैं।
ये दुनिया है डिजिटल की दुनिया
इसका अपना संसार है ।
यह सब का मन बहलाती है,
हर प्रश्न का उत्तर लाती है,फिर भी ये बदनाम है।
यह जोड़ती सबको दुनिया भर से,
पर दुनिया सूनी कर जाती है।
खेलों से बड़ा इसका नाता है,हर ढंग के खेल खिलाती है।
जड़ होकर भी यह जड़ नहीं, पर जड़ता सिखला जाती है।
यह दुनिया है डिजिटल दुनिया
सब की खासम खास है ।
यह चाहत भी है राहत भी, मुफलिसी की बाबत भी ,
यह पराये को अपना बनाती है,अपनों को दूर भगाती है।
मन मस्तिष्क में ऊर्जा भर देती है,
तो बीमार भी इनको बनाती है ।
यह डिजिटल है, दूर से दर्शन देती है,
अपने वश में कर लेती है।
ज्ञानी क्या अज्ञानी क्या सब इसके मुरीद बन जाते हैं
ज्ञान विज्ञान का पिटारा है मनोरंजन का खजाना है,
फूल भी है कांटे भी इसमें,चुन लो जो ले जाना है ।
यह दुनिया है डिजिटल की दुनिया,
सबके मन को भाती है सबको ही भरमाती है।

जग की रीत

पी एन गुप्ता
हैदराबाद

परिवारी वृक्ष की डाली से
पीले पत्ते विलगाते हैं,
वासंती आभा लाने को
वे रिक्त स्थान बनाते हैं।
कुछ गिर जाते हैं स्वयं कभी
कुछ को कुछ लोग गिराते हैं,
कुछ ग़ैर बनाते अपनों को
कुछ ग़ैरों को अपनाते हैं।
होता महत्व क्या रिश्तों का हम कैसे उन्हें सजाते हैं,
जो समझ सके न जीवन भर वे आज हमें समझाते हैं।
स्वाभिमान की रक्षा में मानी जन जान गंवा देते,
जो स्वाभिमान से वंचित हैं वे जीते जी मर जाते हैं।
स्वाभिमानी और अभिमानी में है अंतर बहुत बड़ा भारी,
स्वाभिमानी पाते हैं आदर अभिमानी मुंह की खाते हैं।

ख़रापन

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

घर में रहने का सुकून नहीं मिल पाया,
इस ज़रूरतों ने मुसाफ़िर बना दिया
स्याही बिखेर कर अल्फाज लिख ना पाया,
खुद ब खुद बिखेर कर दाग बनाया
बहुत कुछ रोका जा सकता था,
रोकने की कोशिश में खोता सा गया
जिंदगी की हकीकत ना जान पाया,
लोगों ने मुझे मुस्कराते हुए ही पाया
ज़िंदगी के हर पल को इम्तहान पाया,
दिल में छुपे तूफान को छुपा न पाया
ख्वाब बहुत देखे पर पूरे नहीं कर पाया,
उन ख्वाबों को सुनहरी यादों में ही बदल पाया
दिखावे से अपनेपन को समझ न पाया,
हकीकत की दूरियों को ही अच्छा पाया,
हकीकत की दूरियों को ही अच्छा पाया।

ऐसे लोग ही

गजानन पाण्डेय

जो हवा के विपरीत चलते
ठोकरें खाते हैं
गिरते , फिर उठ खड़े होते हैं ।
लोगों की आलोचना ,
तीखे सवाल , आंधी और तूफान
बढ़ने से रोकता है ।
अंधेरे की स्याह तस्वीरें
सदा पीछा करती है
दृढ़ - संकल्प लिए
वे सतत आगे बढ़ते हैं ।
इतिहास में ऐसे लोग ही
नया इतिहास रचते हैं ।

घाव

टी तारासिंह
हैदराबाद

दिल की बात बताये
तेरी जिद्द , तेरा इंतजार करे
बात छोटी है बात प्यार की है
खोया है उसे पाना भी है
भूल हुई जो सपने देखे
पल हर पल आंसू ही बहाये
दर्द भी अब घाव बने
ठीक है जी रहे है सांसे ले रहे है
वक़्त के साथ सब समझौता करते
भरोसा अब किस पर करे
जिन्दगी अब धीरे - धीरे सुधर रही
प्यार के लफ्ज अब कडवे लगते
सब खुशियां दफन हो गई ।।

ठंडी हवा चुपचाप आई

संजीव ठाकुर,
रायपुर

जैसे कोई पुराना मीत
बिना सूचना के चुपके से
दिल में उतर आया हो।
पेड़ों ने अपनी पत्तियों से
उसका हाल पूछा,
हवा ने मुस्कुराकर
धीरे-धीरे हाथ सहलाया ।
गुन गुनी धूप ने
अपनी नरम हथेली
धरती के ठंडे माथे पर
बहुत धीरे से रख दी।
एक चिड़िया
आकाश से थोड़ा-सा
नीला रंग छुपा लाई,
और नदी ने उसे
अपने जल में सहेज लिया।
बारिश की पहली बूँद
मिट्टी के भीतर सोई हुई
स्मृतियों को जगाती रही,
जैसे माँ बच्चे के बालों पर हाथ फेरती ।
मौसम करवट लेता रहा,
पर हर बार मनुष्य के भीतर बची हुई करुणा को
थोड़ा-सा हरा कर जाता है।
हवा अभी भी बहुत शीतल धीरे-धीरे नदिया के साथ
पानी की तरंगों के ऊपर बहती रही
मानो कोई संवेदना की परत
भोली कविता के साथ मन में बहा रही हो।

न्याय कहीं अँधेरे में...!

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

आज तख्तों पर बैठे फ़ैसले,
सत्य अभी भी कटघरे में है।
ताक़त के आगे झुकता जग,
न्याय लगा कहीं अँधेरे में है।
जहाँ में रोते बच्चे, उजड़े घर,
यहाँ ख़ामोश हुआ हर इंसान।
युद्धों की धधक रहीं आग में,
यूं जलता जा रहा है सम्मान।
यहाँ कानून की मोटी किताबें,
सिर्फ़ शब्दों का बोझ हैं बनीं।
न जाने निर्दोषों की टूटी साँसें,
किसके हिस्से की खोज बनीं?
जब ताक़त ही सच कहलाए,
तब न्याय कहाँ टिक पाएगा?
यदि मानवता संसार हार गई,
तो इतिहास क्या दोहराएगा?
उठो, विवेक की लौ जलाओ,
सत्ता से ₹सच₹ मत हारने दो।
धरती सबकी, जीवन सबका,
इंसानियत को जिन्दा कर दो।

तुम

कमलेश गुप्ता

कहते तो हो कि तुम्हें है
बरसात से प्यार
पर वर्षा होते ही तुम्हारा
छाता हो जाता तैयार।
कहते हो मुझे सूरज है बहुत भाया
पर उसके दिखते ही ढूंढते हो छाया।
कहते हो कि हवा मुझे लगती है अच्छी
पर तुरत बंद कर लेते हो घर के दरवाज़े खिड़की।

इसीलिए मुझे लगता है बहुत डर

प्रियंका सौरभ

जब कहते हो तुम कि
करो पूरा भरोसा मुझ पर।
मत करना इंतज़ार तू,
कोई आए साथ।
खुद ही अपनी शक्ति बन,
खुद लिख अपनी बात॥
पिता, बंधु या संगिनी,
दें चाहे आशीष।
संकट में संबल बने, अपना ही मन-शीश॥
हिम्मत का दीपक जला, भर अपनी औकात—
खुद ही अपनी शक्ति बन, खुद लिख अपनी बात॥
शिक्षा सबसे श्रेष्ठ धन, देती नई उड़ान।
इसके बल पर जीत ले, जीवन का मैदान॥
ज्ञान बने जब सारथी, खुल जाएँ सब पाट—
खुद ही अपनी शक्ति बन, खुद लिख अपनी बात॥
नारी केवल नाम नहीं, साहस की पहचान।
अंतर की दृढ़ चेतना, उसका है सम्मान॥
स्वाभिमान की ज्योति से, जगमग हो हर रात—
खुद ही अपनी शक्ति बन, खुद लिख अपनी बात॥
जो खुद अपने पथ चले, रोके किसकी रीत।
संघर्षों की धूप में, खिलती जीवन-प्रीत॥
मेहनत ही तक़दीर है, कर्मों की सौगात—
खुद ही अपनी शक्ति बन, खुद लिख अपनी बात॥
आँधी चाहे लाख हो, मत होना लाचार।
दृढ़ संकल्पों के बल पर, जीत मिले हर बार॥
हौसलों के पंख ले, छू ले नभ की छात—
खुद ही अपनी शक्ति बन, खुद लिख अपनी बात॥
खुद को इतना गढ़ सखी, बढ़े अटल विश्वास।
अपने हक़ की लड़ सके, यही सफलता-आस॥
'सौरभ' नारी शक्ति से, उज्ज्वल हो हर प्रात—
खुद ही अपनी शक्ति बन, खुद लिख अपनी बात॥

समय

डॉ टी महादेव राव

पिछले कल को मिटा कर
अगले कल का स्वागत करते हुए
आगे बढ़ते हुए मानव से
हर बार पूछता है समय
जिन फलों पर से तू चल के आया है
क्या उसे तू भूल गया
स्नेह से बंधे कुछ रिश्तो को
तोड़ने का अर्थ है
रंगमंच से हम छूट कर चले आए
सारे हमारा करते हैं पीछा
इसे बिना सोचे दूर नहीं सरका सकते
समय ही सभी पर अधिकार चलाता है
यादों को सुरक्षित रखते हुए
समय कभी भी अहम के अधीन नहीं।

पिता सबसे बड़े सम्मानी

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

माँ तो माँ होती है पर
पिता अद्भुत बलिदानी,
खाकर दुनियां के थपेड़े
बढ़ाएँ घर की कहानी,
मजबूत काँधे,दे संतान को
हर हाल में दाना पानी,
संतान आवश्यकताए पूर्ण करने को,
पिता भेंट चढ़ा दे जवानी,
पिता ने संतान संरक्षण में
कवच बन अंगुली थामी,
अनुशासन का पाठ पढ़ाकर,
संस्कारित दुनिया समझानी
आदर्श जीवन समझ में आया,
पिता की ही जुबानी,
कोमल हृदय के मालिक पर,
भावना कठोर दिखानी,
दी बेटे को मजबूत छत्र छाया,
स्वयँ सहकर परेशानी,
बेटी बने दो घर की रौनक
बेटी अमूल्य धरोहर जानी,
नम आंखों से करते विदाई जब बेटी हो जाए सयानी,
दिखाते कुछ होते कुछ पिता की विचित्र कहानी,
पितृ कर्ज उतार सके न कोई,
दुनिया में पिता सबसे बड़े सम्मानी ।

पुनर्जीवन

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

आओ हम सब मिलकर
प्रकृति का श्रृंगार रचाते हैं,
इसकी सुंदर अप्रतिम
छवि को नव परिणीता बनाते हैं,
सूर्यदेव, चंद्रशशि,
तारागण इसकी मांग सजाते हैं,
नीलांबर परिधान लिए नभ,
इसको आंचल ओढ़ाते हैं ।
स्वंय प्रभु कृष्ण बने, इसकी गोकर्णी के ग्वाला,
इसके वृक्ष की काठ से बनी, उनकी बांसुरी निराला,
और इसके वनराजा मयूर ने, मोरपंखी को है धारा,
प्यारी राधे ने भी धारी पर्ण पुष्प की गलमाला ।
मर्यादा पुरुषोत्तम ने भी पंचवटी में पर्णकुटी बनायी,
प्रकृति का सान्निध्य तो प्रभु को भी परमप्रिय,
हम सब तो उनके ही हैं अनुयायी,
फिर क्यूं बन बैठे हम सब आततायी ?
हर प्रकृति गर्भ का, कैसा कोहराम मचाया है ?
चट्टानों को खण्डित करके कंक्रीट पहाड़ बनाया है,
नृशंस हत्या हो रही हरे-भरे वृक्षों की,
बहुमंजिला भारी पुलों ने प्रगति
के नाम पर कैसा तांडव मचाया है ?
आक्लांत है प्रकृति और धरती मां पीड़ा से,
क्षत-विक्षत और घायल है वो नित नए प्रहारों से ॥
अब तो जागो, हे वर्तमान और हे भविष्य !
अतीत के पृष्ठों को पुनः पढ़ो और
पूर्वानुभवों से कुछ तो शिक्षा लो, कुछ तो सीखो ?
वरना कभी क्षमा न करेगी तुमको भावी पीढ़ी देखो ।
बंद करो अब तो तरक्की के
नाम पर तबाही का ये व्यापार,
प्रकृति मां को स-सम्मान
अर्पित कर दो पुनर्जीवन का उपहार।

बरसात का पानी

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

कभी ठहर जाता कभी बहता जाता।
ये बारिश का पानी,गजब खेल दिखाता।
बच्चों जवानों को बेहद मन लुभाए,
प्यासी सूखी धरती की प्यास मिटाता।
कई तरह की होती है बरसातें।
कभी तेज कभी रिमझिम बरसातें।
धरती ने हरी हरी चूनर ओडी है,
बहुत मनभावन आई बरसातें।
कहीं कीचड़ कहीं कहीं फिसलन देखो।
कहीं उगती घांस कहीं हरी भरी दूब भी देखो।
नाले परनाले भरने लगे है।
लो निकल पड़े बड़े बड़े सांप भी देखो।
डालियाँ लदी फूलों को भर कर।
पलाश की अग्नि सा रंग भी देखो।
चमकी केतकी बड़ी मतवाली ऊँची ऊँची,
खिला धतूरा पौधों पे आया भी देखो।
ये आंकड़े के फूल निराले।
टपकाते दूध, संग रूई भी देखो।
जगह जगह जड़ी बूटियाँ उगी है,
वैद जाने कितनी महंगी है।
हम खिड़की से झाँक झांक कर।
लेते मजे बरसातों के।
बच्चे भीग भीग कर,
नाव चलाते कागजी बरसातों में।
लो नाक बहती बच्चों की,
मां के हाथों में शीशी है विक्स की।
चलो अदरक वाली चाय हो जाए।
तुलसी लौंग इलायची डाली जाए।
चलो बालकनी में चलते है,
चाय की का आनंद लिया जाए।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications, Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

हाइड्रोजन के साथ भारतीय ट्रेन की शुरुआत

चलने से धुआं नहीं, सिर्फ पानी निकलता है, हाइड्रोजन क्यों बन सकता है अगला ईंधन

17 जुलाई को हरियाणा के जींद स्टेशन से एक अनोखी ट्रेन चल पड़ी। इसे चलाने के लिए न डीजल चाहिए, न बिजली। चलने पर न धुआं होगा, न राख; निकलेगा सिर्फ पानी। ये भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन है। जींद से सोनीपत के बीच 89 किलोमीटर के सफर में 2600 यात्री क्षमता वाली यह ट्रेन, दुनिया की सबसे ताकतवर हाइड्रोजन ट्रेन में गिनी जाएगी। भारत का यह प्रयोग खास क्यों है? हाइड्रोजन गैस की कहानी क्या है और कभी एयरशिप को आग का गोला बना चुकी हाइड्रोजन क्या भविष्य का ईंधन बनेगी? सिलसिलेवार तरीके से पडताल करती रिपोर्ट।

इस कहानी की शुरुआत होती है आज से करीब ढाई सौ साल पहले, लंदन की एक लैब से...। साल 1776, हेनरी कैवेंडिश नाम के वैज्ञानिक जिंक धातु को तेजाब में डालते हैं। अचानक बर्तन से बुलबुले उठने लगते हैं। ये एक ऐसी गैस के बुलबुले थे, जिसे पहले कभी किसी ने पहचाना नहीं था। जब कैवेंडिश ने इस रंगहीन गैस में चिंगारी लगाई, तो हल्की 'भम्म' जैसी आवाज के साथ पानी की बूंदें बन गईं। यहीं से यह राज खुला कि पानी कोई एक चीज नहीं, बल्कि दो अलग-अलग गैसों- हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से मिलकर बना है। सोचिए, जिस पानी को हम रोज पीते हैं, उसमें वही गैस है, जिससे ट्रेन चल रही है।

गैस तो मिल गई थी, पर उसका नाम क्या रखा जाए? यह काम किया फ्रांस के एक केमिस्ट ने। उन्होंने ग्रीक भाषा के दो शब्द जोड़े- 'हाइड्रो' यानी पानी, और 'जेनस' यानी जन्मा। हाइड्रोजन का मतलब 'पानी से जन्मा'। 1800 ईस्वी में दो अंग्रेज वैज्ञानिकों ने उल्टा कमाल कर दिखाया। उन्होंने पानी में बिजली का करेंट दौड़ाकर उसे हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस में तोड़ दिया। इस तरीके को नाम मिला 'इलेक्ट्रोलिसिस'। आज इसी तरीके से दुनियाभर में 'हाइड्रोजन' बनाई जा रही है। अब बारी थी एक और बड़े सवाल की- क्या हाइड्रोजन गैस ईंधन के तौर पर इस्तेमाल हो सकती है? 1838 में एक केमिस्ट ने पाया कि हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को साथ मिलाने पर सिर्फ पानी ही नहीं, एनर्जी भी पैदा होती है। इंग्लैंड के वैज्ञानिक और जज विलियम ग्रोव ने इसी सिद्धांत पर एक असली मशीन बना डाली, जिसे उन्होंने 'गैस बैटरी' कहा। इसमें हाइड्रोजन की एनर्जी को बैटरी में स्टोर किया जा सकता था। यही दुनिया का पहला फ्यूल सेल था। इसी वजह से ग्रोव को 'फादर ऑफ द फ्यूल सेल' कहा जाता है।

हाइड्रोजन की कहानी में एक बड़ा हादसा भी दर्ज है। 1937 में हाइड्रोजन गैस से भरा हिंडनबर्ग नाम का एक विशालकाय एयरशिप लैंड करते वक्त अचानक आग का गोला बन गया।

दरअसल, हाइड्रोजन बेहद हल्की गैस है। हिंडनबर्ग एयरशिप में हाइड्रोजन का इस्तेमाल हवा के गुब्बारे की तरह एयरशिप को ऊपर उठाने के लिए किया जाता था। किसी वजह से एयरशिप की पूंछ में आग सुलगने लगी। चूंकि हाइड्रोजन बेहद ज्वलनशील होती है, इसलिए सेकेंडों में पूरी एयरशिप जल गई। हादसे के बाद पूरा प्रोजेक्ट बंद कर दिया गया और हाइड्रोजन को 'खतरनाक' कहा जाने लगा। असली मोड़ आया 1973 में, जब मिडिल ईस्ट के देशों ने अचानक तेल की सप्लाई रोक दी। दुनिया को एहसास हुआ कि हमेशा तेल पर निर्भर रहना रिस्की है। यहीं से हाइड्रोजन को गंभीरता से एक विकल्प के तौर पर देखा जाने लगा।

1998 में आइसलैंड नाम के छोटे से देश ने ऐलान कर दिया कि वो 2030 तक दुनिया की पहली पूरी तरह हाइड्रोजन-आधारित इकोनॉमी बनेगा। जर्मनी ने 2018 में दुनिया की पहली कॉमर्शियल हाइड्रोजन पैसेंजर ट्रेन उतार दी थी। जापान, चीन और अमेरिका ने भी हाइड्रोजन ट्रेनें लॉन्च की हैं।

साधारण इलेक्ट्रिक ट्रेन को चलने के लिए ऊपर लगे तारों (ओवरहेड वायर) से बिजली खींचनी पड़ती है। हाइड्रोजन ट्रेन को इसकी जरूरत ही नहीं। यह अपनी बिजली खुद बनाती है।

17 जुलाई 2026 को लॉन्च की गई भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन, जर्मनी की मूल हाइड्रोजन ट्रेन से करीब पांच गुना लंबी है। जो सफर ढाई सौ साल पहले लंदन की एक लैब में एक बुलबुले से शुरू हुआ था, वह आज हरियाणा के जींद स्टेशन पर एक नई मंजिल की तरफ बढ़ चला है।

10वीं क्लास में पढ़ी पीरियोडिक टेबल याद है? वही, जिसमें दुनिया के सारे तत्व करीने से सजे हैं। उस टेबल में हाइड्रोजन का नंबर पहला है। इसके न्यूक्लियस में सिर्फ एक प्रोटॉन पाया जाता है, इसलिए यह सबसे हल्का तत्व है। यह पूरे ब्रह्मांड में सबसे ज्यादा पाया जाने वाला तत्व भी है- सूरज और तारों में भी मौजूद। लेकिन हाइड्रोजन के साथ एक पेच है। यह अपने आप में इतना अस्थिर है कि अकेला कभी टिक ही नहीं पाता। हमेशा किसी साथी की जरूरत पड़ती है। यह साथी या तो कोई और हाइड्रोजन परमाणु होता है, या फिर कोई दूसरा तत्व। इसलिए जब भी हाइड्रोजन गैस का नाम सुनेंगे, असल में उसका मतलब H2 अणु होता है, अकेला हाइड्रोजन परमाणु कभी नहीं। ज्यादातर यह पानी में ऑक्सीजन के साथ जुड़ा मिलता है, यानी H2O। अगर हमें शुद्ध हाइड्रोजन चाहिए, तो पहले ऑक्सीजन के साथ जोड़ी को तोड़ना पड़ता है। जोड़ी तोड़ने का तरीका ही इलेक्ट्रोलिसिस कहलाता है। ये प्रोसेस आप खुद भी लैब में कर सकते हैं...।

लेकिन इस हाइड्रोजन गैस से एनर्जी कैसे बनाई जाए और ट्रेन-कार कैसे चलाई जाएं? इसका सबसे स्मार्ट तरीका है- फ्यूल सेल का इस्तेमाल। फ्यूल सेल असल में एक तरह की बैटरी है। यह हाइड्रोजन और हवा में मौजूद ऑक्सीजन को आपस में मिलाकर बिजली पैदा करती है। इस पूरी प्रक्रिया के बाइप्रोडक्ट हैं- एनर्जी और पानी की भाप। न धुआं, न कार्बन, न कोई प्रदूषण। यही वजह है कि हाइड्रोजन ट्रेन को 'जीरो एमिशन' यानी शून्य प्रदूषण वाली ट्रेन कहा जाता है। लेकिन यहां एक ट्विस्ट है। हाइड्रोजन खुद भले प्रदूषण न फैलाए, लेकिन इसे बनाने के तरीके में प्रदूषण होता है।

सबसे साफ-सुथरा तरीका तीसरा है, जहां सूरज या हवा से मिली बिजली का इस्तेमाल करके इलेक्ट्रोलिसिस किया जाए और हाइड्रोजन तैयार हो। भारत की हाइड्रोजन ट्रेन का लक्ष्य भी यही ग्रीन हाइड्रोजन है। साधारण इलेक्ट्रिक ट्रेन को चलने के लिए ऊपर लगे तारों (ओवरहेड वायर) से बिजली खींचनी पड़ती है। हाइड्रोजन ट्रेन को इसकी जरूरत ही नहीं। यह अपनी बिजली खुद बनाती है।

यह ट्रेन जींद-सोनीपत के 89 किलोमीटर के रूट पर रोज दो राउंड ट्रिप करेगी। कुल मिलाकर 356 किलोमीटर। इसमें करीब 300 किलोग्राम हाइड्रोजन खर्च होगी। ट्रेन अपने साथ कुल 440 किलोग्राम हाइड्रोजन लेकर चलती है।

अब बात उन बड़ी चुनौतियों की, जो हाइड्रोजन को एक आम फ्यूल की तरह इस्तेमाल करने से रोकती है...। एक किलोग्राम हाइड्रोजन तैयार करने में करीब 50 यूनिट बिजली खर्च होती है। जबकि एक किलोग्राम हाइड्रोजन की ताकत सिर्फ साढ़े तीन लीटर पेट्रोल के बराबर होती है। यानी ये महंगा सौदा है।

साधारण हवा का दबाव, जिसे हम 'एक बार' कहते हैं, हाइड्रोजन को उससे 200 से 500 गुना ज्यादा दबाव पर स्टोर करना होता है। इसीलिए रेलवे ने जींद में एक खास फ्यूलिंग फैसिलिटी बनाई है, जो एक बार में 3000 किलोग्राम हाइड्रोजन स्टोर कर सकती है। फ्यूलिंग सेंटर के साथ एक 'चिलर प्लांट' भी लगाया गया है, जो हाइड्रोजन को माइनस 15 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा रखता है। इतनी ठंड में हाइड्रोजन तरल रूप ले लेती है, जिससे इसे ट्रेन में भरना आसान हो जाता है। इस पूरे सिस्टम का दिल है कनाडा की कंपनी बैलार्ड का बनाया फ्यूल सेल, जो इस टेक्नोलॉजी में दुनिया की अगुआ कंपनियों में गिनी जाती है।

हाइड्रोजन ट्रेन की टेक्नोलॉजी दुनिया में बहुत नई है। फ्रांस की कंपनी अल्स्टॉम ने सबसे पहले 2016 में बर्लिन की एक प्रदर्शनी में इसे दिखाया था। 2018 में जर्मनी में दुनिया की पहली हाइड्रोजन पैसेंजर ट्रेन चली। 2024 के आखिर तक आते-आते जर्मनी ने अपनी कई हाइड्रोजन ट्रेनें सर्विस से हटा दीं। इनकी जगह बैटरी ट्रेनों को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया, क्योंकि ये ज्यादा सस्ती और सहूलियत भरी होती हैं। जापान ने 2022 में हाइड्रोजन ट्रेन की टेस्टिंग शुरू की थी, लेकिन उसे अभी भी बड़े पैमाने पर नहीं उतार सका है। चीन और अमेरिका में भी अब तक यह टेक्नोलॉजी सिर्फ छोटी दूरी तक सीमित है। हाइड्रोजन को बनाना और चलाना अब भी बैटरी के मुकाबले महंगा साबित हो रहा है।

कुल मिलाकर हाइड्रोजन कोई जादू की छड़ी नहीं, बल्कि एक ऐसा फ्यूल है जिसकी अपनी खूबियां और चुनौतियां भी। खूबी यह कि यह जलने पर सिर्फ पानी छोड़ता है, कोई प्रदूषण नहीं। चुनौती यह कि इसे बनाना, स्टोर करना और ढोना आसान नहीं और अभी ज्यादातर हाइड्रोजन साफ भी नहीं होती।

अगर जींद-सोनीपत रूट पर यह प्रयोग कामयाब रहा, तो आने वाले सालों में देश के कई हेरिटेज और पहाड़ी रूट (जैसे कालका-शिमला) भी हाइड्रोजन की तरफ बढ़ सकते हैं, जहां बिजली की लाइन खींचना मुश्किल है और डीजल इंजन का धुआं आज भी एक बड़ी चिंता का सबब है। अगर यह प्रयोग सफल नहीं रहा या बहुत महंगा पड़ा, तो जर्मनी की तरह भारत भी इससे दूरी बना सकता है।

पंजाब का सियासी समीकरण और भविष्य की राजनीति

अशोक भाटिया

पंजाब की सियासत हमेशा से देश की राजनीति में एक अलग और विशिष्ट स्थान रखती रही है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण यहाँ की सुरक्षा, सामाजिक ताना-बाना और आर्थिक चुनौतियाँ राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती हैं। हाल के दिनों में पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा मोड़ तब आया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के चुनावी रण में सीधे तौर पर कदम रखा। उनकी रैलियों, घोषणाओं और आक्रामक राजनीतिक तेवरों ने पंजाब की राजनीति में एक नई हलचल पैदा कर दी है। इस प्रविष्टि से न केवल राज्य के चुनावी समीकरणों में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं, बल्कि लंबे समय से चले आ रहे पारंपरिक गठबंधनों और राजनीतिक प्राथमिकताओं को भी एक नया आकार मिलता दिख रहा है।

जालंधर की रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंच पर 'हरी पगड़ी' पहनकर आना एक बड़ा राजनीतिक संकेत था. हरी पगड़ी पारंपरिक रूप से पंजाब में किसानों और कृषि क्रांति का प्रतीक मानी जाती है। इसके जरिए उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की कि वे किसानों की भावनाओं और पहचान का सम्मान करते हैं और भाजपा किसान विरोधी नहीं है. प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों में चतुर राजनीतिक चाल चलते हुए पड़ोसी राज्य हरियाणा का उदाहरण पेश किया. उन्होंने रेखांकित किया कि हरियाणा में भाजपा सरकार किसानों की 24 फसलों पर MSP दे रही है. इसके माध्यम से पंजाब के किसानों के बीच यह नैरेटिव सेट करने की कोशिश की जा रही है कि यदि पंजाब में भी 'डबल इंजन सरकार' आती है, तो यहाँ के किसानों को भी वैसा ही वित्तीय और ढांचागत लाभ मिल सकता है, जो आम आदमी पार्टी या कांग्रेस सरकार नहीं दे पा रही है।

पंजाब का राजनीतिक इतिहास मुख्य रूप से शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। पिछले कुछ वर्षों में आम आदमी पार्टी ने यहाँ एक मजबूत ताकत के रूप में उभरकर सत्ता हासिल की, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय हो गया। अब, भारतीय जनता पार्टी द्वारा अकेले चुनाव लड़ने के फैसले और प्रधानमंत्री मोदी के सीधे कमान संभालने से यह मुकाबला पूरी तरह से चतुष्कोणीय और बेहद जटिल हो गया है।अकाली दल के साथ दशकों पुराने गठबंधन के टूटने के बाद, भाजपा को पंजाब में एक जूनियर पार्टनर या सिर्फ शहरी इलाकों तक सीमित पार्टी के रूप में देखा जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री की एंट्री ने भाजपा को एक स्वतंत्र और आक्रामक विकल्प के रूप में पेश किया है। प्रधानमंत्री की जनसभाओं में उमड़ी भीड़ और उनके भाषणों के तेवर यह साफ करते हैं कि भाजपा अब राज्य में केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए नहीं, बल्कि मुख्यधारा की ताकत बनने के इरादे से उतर चुकी है।

प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति की एक बड़ी विशेषता यह रही है कि वे हर चुनाव को केंद्र सरकार की योजनाओं और राष्ट्रीय प्रगति से जोड़ते हैं। पंजाब में भी उन्होंने इसी रणनीति को आगे बढ़ाया है। उन्होंने जालंधर और अन्य क्षेत्रों में हजारों करोड़ रुपये की रेल और सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सौगात देकर विकास के नैरेटिव को धार दी है।पंजाब लंबे समय से भारी कर्ज, उद्योगों के पलायन और कृषि क्षेत्र में ठहराव जैसी आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि राज्य की इन गहरी आर्थिक समस्याओं का समाधान केवल केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार यानी 'डबल इंजन सरकार' के माध्यम से ही संभव है। यह नैरेटिव विशेष रूप से पंजाब के शहरी मतदाताओं, व्यापारियों और युवाओं को आकर्षित कर सकता है, जो राज्य में औद्योगिक पुनरुद्धार और रोजगार के नए अवसरों की तलाश में हैं। प्रधानमंत्री ने पंजाब की धरती से राज्य की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर तीखे हमले किए हैं।

संसद में 33% जगह का हक, लेकिन इंतजार की कोई सीमा नहीं

कृति आरके जैन

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना यह नहीं कि महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देर से मिला, बल्कि यह है कि कानून बनने के बाद भी उसका लाभ आज तक नहीं मिला। संविधान (106वाँ संशोधन) अधिनियम, 2023 पारित और अप्रैल 2026 में अधिसूचित हो चुका है, फिर भी उसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन तक टला है। 20 जुलाई 2026 से जंतर-मंतर पर प्रस्तावित अनिश्चितकालीन धरना केवल आंदोलन नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से सीधा सवाल है जिसने अधिकार तो दिया, पर उसे लागू नहीं किया। आंदोलनकारी महिलाओं का स्पष्ट संदेश है— हमें भविष्य की संसद का आश्वासन नहीं, वर्तमान की संसद में अपना संवैधानिक स्थान चाहिए। यह केवल महिलाओं की पुकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र के अधूरे वादे की गूंज है।

संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का मार्ग खोला और इसे भारतीय राजनीति का ऐतिहासिक मोड़ माना गया। अप्रैल 2026 में अधिसूचना जारी होने के बावजूद इसका क्रियान्वयन अगली जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन से जोड़ दिया गया। यानी अधिकार संविधान में दर्ज है, लेकिन उसका लाभ अब भी टला हुआ है। यही कारण है कि महिला संगठनों का आक्रोश बढ़ रहा है। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शबनम हाशमी सहित अनेक महिला नेताओं का सवाल है—क्या आधी आबादी को आज भी लोकतंत्र में ₹दूसरी श्रेणी का नागरिक₹ मानकर इंतजार कराया जाएगा? यदि समान अधिकार संवैधानिक संकल्प है, तो उसका क्रियान्वयन भी बिना विलंब होना चाहिए। इस देरी के पीछे केवल संवैधानिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक गणित भी है। 2021 की जनगणना अब तक नहीं हुई, जबकि उसके बाद का परिसीमन देश का राजनीतिक संतुलन बदल सकता है। अनुमान है कि लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर लगभग 850 हो सकती हैं। इससे उत्तर भारतीय राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण में सफल दक्षिणी राज्यों की हिस्सेदारी घटने की आशंका है। इसी कारण अप्रैल 2026 में लाए गए 131वें संविधान संशोधन और परिसीमन विधेयक पर विवाद गहरा गया। विपक्ष इसे राजनीतिक रणनीति मानता है, जबकि महिला संगठनों का आरोप है कि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर उसका क्रियान्वयन टाल दिया गया। प्रक्रियाएं आवश्यक हैं, लेकिन जब वे अधिकारों में बाधा बनें, तो उन पर पुनर्विचार भी आवश्यक हो जाता है।

इस देरी की सबसे बड़ी कीमत देश की महिलाएं चुका रही हैं। आज लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व 14 प्रतिशत से कम और राज्य विधानसभाओं में औसतन 10 प्रतिशत है। आरक्षण लागू होते ही सैकड़ों महिलाएं राष्ट्रीय नीति-निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। पंचायतों और नगरीय निकायों में 50 प्रतिशत तक आरक्षण सिद्ध कर चुका है कि महिलाओं की भागीदारी से शासन अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और जनहितकारी बनता है। जल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को नई प्राथमिकता मिली है। जब गांव से नगर तक महिलाएं नेतृत्व क्षमता साबित कर चुकी हैं, तब संसद के द्वार उनके लिए प्रतीक्षा का प्रतीक बने रहना लोकतंत्र की बड़ी विडंबना है।

इस पृष्ठभूमि में महिला आरक्षण के लिए राष्ट्रीय गठबंधन सहित अनेक महिला संगठनों की मांग केवल राजनीतिक आग्रह नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक न्याय की अपेक्षा है। उनका कहना है कि सरकार यदि महिला सशक्तीकरण के प्रति प्रतिबद्ध है, तो वर्तमान लोकसभा और विधानसभाओं में आरक्षण लागू कर जनगणना व परिसीमन की शर्त हटाए। साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग, दलित, आदिवासी व अन्य वंचित वर्गों की महिलाओं के लिए उप-आरक्षण सुनिश्चित हो। वे चुनावी व्यय में सरकारी सहायता और महिलाओं के नाम पर पुरुष रिश्तेदारों द्वारा संचालित 'प्रतिनिधि राजनीति' पर रोक की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर महिला संगठन मानसून सत्र में संवैधानिक संशोधन, जंतर-मंतर पर धरना और देशभर में जनजागरण अभियान की घोषणा कर चुके हैं।

वास्तव में यह संघर्ष कुछ सीटों का नहीं, लोकतंत्र की आत्मा का है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मतदान नहीं, निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी से तय होती है। शिक्षा, विज्ञान, न्यायपालिका, सेना, उद्योग, कृषि, प्रशासन और अंतरिक्ष में क्षमता सिद्ध कर चुकी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को प्रशासनिक प्रक्रियाओं के नाम पर टालना लोकतांत्रिक न्याय के विपरीत है। अनेक लोकतंत्रों ने सिद्ध किया है कि नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी से शासन अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह बनता है। इसलिए महिला आरक्षण केवल ₹महिला मुद्दा₹ नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समावेशी शासन, आर्थिक विकास और लोकतांत्रिक संतुलन का प्रश्न है। आधी आबादी की आवाज निर्णय प्रक्रिया में बराबरी से न सुनी जाए, तो विकास अधूरा रहेगा।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती कानून बनाना नहीं, उस पर विश्वास बनाए रखना है। यदि संवैधानिक अधिकार वर्षों तक लागू न हों, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि वे अधिकार हैं या केवल राजनीतिक घोषणा। जनगणना और परिसीमन आवश्यक संवैधानिक प्रक्रियाएं हैं, लेकिन उन्हें महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी की शर्त बना देना संविधान की समान अवसर की भावना के अनुरूप नहीं है। राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो ऐसा समाधान संभव है जिससे जनगणना और परिसीमन समय पर हों और महिलाओं का संवैधानिक अधिकार प्रतीक्षा का शिकार न बने। लोकतंत्र की विश्वसनीयता अधिकार टालने में नहीं, उन्हें समय पर लागू करने के साहस में निहित है।

अब समय केवल निर्णय का नहीं, लोकतांत्रिक संकल्प निभाने का है। 20 जुलाई से जंतर-मंतर पर शुरू होने वाला आंदोलन किसी सरकार के विरोध का नहीं, बल्कि समान अधिकारों की लोकतांत्रिक पुकार है। यदि भारत ₹विकसित भारत₹ का लक्ष्य हासिल करना चाहता है, तो आर्थिक प्रगति के साथ राजनीतिक समानता भी सुनिश्चित करनी होगी। महिलाओं को प्रतीक्षा नहीं, नेतृत्व का अधिकार चाहिए। लोकतंत्र की सार्थकता कानून बनाने में नहीं, उसे समय पर लागू करने में है। आधी आबादी अब मौन दर्शक नहीं, समान अधिकार, सम्मान और प्रतिनिधित्व की दावेदार है।

रटाने वाली शिक्षा और मध्यमवर्गीय द्वंद्व

सरदूल सिंह

आज हर माता-पिता, विशेषकर मध्यम वर्ग, अपने बच्चों की शिक्षा और भविष्य को लेकर अत्यंत चिंतित हैं। सरकारी स्कूलों में पर्याप्त शिक्षकों का न होना और उपलब्ध शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में झोंक दिया जाना एक कड़वी हकीकत बन चुका है। इसके परिणामस्वरूप विद्यालयों में नियमित पढ़ाई बाधित होती है। यही कारण है कि जागरूक मध्यम वर्ग अब निजी शिक्षण संस्थानों की ओर रुख करने लगा है। परिणामतः राजस्थान सहित कई राज्यों में सरकारी शिक्षण संस्थाओं की तुलना में निजी स्कूलों में नामांकन तेज़ी से बढ़ा है।

पिछले चार-पांच वर्षों में सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या में जो भारी गिरावट दर्ज की गई है, उसके पीछे तीन प्रमुख कारण स्पष्ट दिखाई देते हैं। पहला—सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के पदों का रिक्त होना; दूसरा—शिक्षकों पर प्रशासनिक व गैर-शैक्षणिक कार्यों का अत्यधिक बोझ; और तीसरा—आर्थिक तंगहाली के कारण होने वाला 'ड्रॉप आउट' (पढ़ाई बीच में छूटना)। मध्यम और गरीब परिवारों की आमदनी लगातार घट रही है। ऐसे में कई बार बच्चों को परिवार की आय बढ़ाने के लिए स्कूल छोड़ना पड़ता है और वे खेतों-खलिहानों, निजी दुकानों या छोटे-मोटे स्वरोजगार में हाथ बंटाने को मजबूर हो जाते हैं।

एक बड़ा सवाल यह भी उठता है कि बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित मध्यम वर्ग एक भ्रम का शिकार हो चुका है कि भावी पीढ़ी का भविष्य केवल रटने वाली पढ़ाई से ही सुरक्षित होगा। (उसका दृष्टिकोण पदों की बढ़ोतरी कर पूर्ण रोजगार वाला नहीं बन पाता है।)

इसलिए बच्चों की योग्यता को केवल भारी-भरकम गृह-कार्य पूरा करने और रटने की क्षमता के तराजू में तौलता है। इस महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए लोग व्यवस्था को न बदलकर स्वयं उसके अनुरूप ढलने के परिणामस्वरूप गांवों से शहरों की ओर बड़े पैमाने पर पलायन कर रहे हैं और अपनी गाढ़ी कमाई का एक बड़ा हिस्सा निजी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की भेंट चढ़ा रहे हैं।

अंग्रेजी माध्यम के इन स्कूलों में प्रवेश लेते ही बच्चों के सामने सबसे बड़ी बाधा भाषा की आती है। शब्दों की मूल अवधारणा और संकल्पना समझ न आने के कारण उन्हें सिर्फ रटने पर ज़ोर देने के लिए बाध्य किया जाता है। स्थिति यह हो जाती है कि स्कूल के बाद हर बच्चे को ट्यूशन का सहारा लेना पड़ता है, और विडंबना देखिए कि अधिकांशतः यह ट्यूशन उसी स्कूल के उसी अध्यापक के पास होता है, जिसके अपने अलग व्यावसायिक निहितार्थ हैं। माता-पिता का आधा समय बच्चों को विभिन्न अध्यापकों के घरों पर चल रही ट्यूशन कक्षाओं में लाने-ले जाने में ही बीत जाता है। ट्यूशन के इन केंद्रों पर भी बच्चे मुख्य रूप से रटने का ही काम करते हैं। पढ़ाई को इस कदर हौवा और बोझिल बना दिया जाता है कि बच्चा रटते-रटते अपनी सेहत और बचपन दोनों दांव पर लगा देता है। अनुभव बताते हैं कि केवल रटने के आधार पर ग्रहण की गई यह शिक्षा व्यावहारिक जीवन में किसी काम नहीं आती। हालांकि, हमारी वर्तमान अंक प्रणाली और प्रतियोगी परीक्षाएं भी काफी हद तक रटने की प्रवृत्ति पर ही आधारित हैं, इसलिए बच्चे भी अपनी सफलता का एकमात्र आधार इसी रटंत विद्या को मान लेते हैं। शिक्षा मनोविज्ञान के अनुसार, यदि बालक की अध्ययन प्रवृत्ति में स्वाभाविक रुचि जाग्रत न हो तो शिक्षा ज्ञान बनने के बजाय एक मानसिक बोझ बन जाती है। यदि हमें शिक्षा को इस बोझ से मुक्त करना है, तो विषयों को रुचिकर बनाना होगा। इसके लिए शब्दों की संकल्पना को समझने के लिए सही उच्चारण (ध्वनी), दृश्य (चित्र) और व्यावहारिक अनुभव का सुमेल होना अनिवार्य है। संकल्पनाओं के मूर्त रूप से जुड़े बिना बालक किसी विषय को आत्मसात नहीं कर सकता। यदि बालक को विषय की तकनीकी शब्दावली और उसके अर्थ स्पष्ट न हों, तो वह ज्ञान निरर्थक हो जाता है। परिजन तब ठगे से महसूस करते हैं जब पढ़ाई पूरी होने के बाद बालक के जीवन यापन या भविष्य का सवाल खड़ा हो जाता है। जब बालक अपनी शैक्षिक योग्यता के अनुसार रोजगार प्राप्त नहीं कर पाता तो वह अपनी इच्छा के विपरीत काम के बोझ तले दबाने लगता है। पहले पढ़ाई के रटने का बोझ फिर रुचि के अनुसार रोजगार न मिलने पर उस काम का बोझ उसे सताने लगता है। उदाहरण के लिए पढ़ाई के बाद उत्पादन तथा सेवाओं तथा विदेशों में जाकर किया जाने वाला रोजगार ज्यादातर बच्चों की पढ़ाई और इच्छा के अनुकूल नहीं होता है। यदि शिक्षण पद्धति में यह बदलाव लाया जाए तो बच्चे खुशी-खुशी अवधारणाओं को आत्मसात कर लेंगे और उनमें एक स्वाभाविक वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होगा।

अमरनाथ यात्रा के दौरान उधमपुर में बड़ा हादसा, खड़े ट्रक में जा घुसी श्रद्धालुओं की कार; 6 घायल

उधमपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक शनिवार एक हादसा हो गया। यहां अमरनाथ धाम जा रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी एक खड़े ट्रक से टकरा गई। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में एक डंपर ट्रक से गाड़ी की टक्कर होने के बाद छह लोग घायल हो गए, जिनमें अमरनाथ यात्रा पर जा रहे पांच तीर्थयात्री भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि यह गाड़ी 3,600 से ज़्यादा तीर्थयात्रियों के उस काफिले का हिस्सा थी, जो सालाना अमरनाथ यात्रा करने और पवित्र गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से कश्मीर के लिए निकला था। बताया जा रहा है कि ड्राइवर का गाड़ी पर से नियंत्रण खो गया और गाड़ी सुबह करीब 5 बजे जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर जखानी के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई, जिससे उत्तर प्रदेश के पांच तीर्थयात्री और ड्राइवर (जो गांदरबल जिले का रहने वाला था) घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से घायल तीर्थयात्रियों को गाड़ी से बाहर निकाला गया। उन्हें तुरंत इलाज के लिए उधमपुर के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के एसोसिएटेड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है,

कर्नाटक कैबिनेट विस्तार पर खड़गे से मिले डीके शिवकुमार

संगठन में बदलाव पर भी हुई चर्चा

बेंगलुरु, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को बेंगलुरु के सदाशिवनगर स्थित आवास पर कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। यह मुलाकात राज्य कैबिनेट के बहुप्रतीक्षित विस्तार और कांग्रेस पार्टी में होने वाले संगठनात्मक बदलावों को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच हुई। बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री जी। परमेश्वर भी मौजूद थे। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, शिवकुमार ने कैबिनेट विस्तार के बारे में नई दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ राष्ट्रीय नेताओं के साथ हुई बैठकों की जानकारी खड़गे को दी। ये बातचीत इसलिए अहम है, क्योंकि कांग्रेस आलाकमान ने अभी तक कर्नाटक कैबिनेट में नए मंत्रियों को शामिल करने पर कोई अंतिम फैसला नहीं किया है।

कांग्रेस सरकार अभी मुख्यमंत्री शिवकुमार समेत 14 मंत्रियों के साथ काम कर रही है, जिससे कैबिनेट में 20 पद खाली हैं। कहा जा रहा है कि 40 से अधिक वरिष्ठ नेता मंत्री पद पाने की होड़ में हैं, जिससे यह प्रक्रिया क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, जातिगत समीकरण, वरिष्ठता और राजनीतिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए संतुलन बनाने का एक जटिल काम बन गई है। इस देरी की वजह से उम्मीदवारों का इंतजार लंबा हो गया है।

इनमें से कई उम्मीदवार किसी घोषणा की उम्मीद में दिल्ली में डेरा डाले हुए थे, हालांकि पार्टी नेताओं को उम्मीद है कि सभी संबंधित लोगों से बातचीत पूरी होने के बाद हाईकमान कोई फैसला लेगा।

कैबिनेट विस्तार को रोक दिया गया था, क्योंकि खड़गे के अचानक बेंगलुरु चले जाने के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने अंतिम फैसला टाल दिया था। नई दिल्ली में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी।के। हरिप्रसाद के बीच कई उच्चस्तरीय बैठकें हुईं, लेकिन कोई आम सहमति नहीं बन पाई। इन तीनों नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में सोनिया गांधी के आवास पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की मौजूदगी में राहुल गांधी से मुलाकात की थी। इस बैठक में कांग्रेस के महासचिव (संगठन) के।सी। वेणुगोपाल, कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला और कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री के।जे। जॉर्ज भी शामिल हुए। इस बीच कांग्रेस कर्नाटक में संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि हाईकमान ने राज्यभर के सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों को बदलने का फैसला किया है। नियुक्तियों को अंतिम रूप देने से पहले अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के ऑब्जर्वर हर जिले का दौरा करके फीडबैक लेंगे। सूत्रों का कहना है कि लीडरशिप ने स्थानीय सत्ता के केंद्रों से प्रभावित न होने का फैसला किया है और इसके बजाय वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं को मौका देना चाहती है। नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद, पार्टी संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया जारी रहेगी, जिसमें उपाध्यक्षों और राज्य महासचिवों के पदों में भी बदलाव किए जाएंगे।

दिल्ली पुलिस अधिकारी बन किया फोन, 35 लाख रुपये गंवा बैठा बठिंडा का कारोबारी

बठिंडा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। फोन पर खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताकर आधार कार्ड के दुरुपयोग का डर दिखाने वाले साइबर ठगों ने बठिंडा के एक व्यक्ति से 35 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपितों ने खुद को अलग-अलग केंद्रीय एजेंसियों का अधिकारी बताकर पीड़ित को लगातार मानसिक दबाव में रखा और कानूनी कार्रवाई का भय दिखाते हुए चरणबद्ध तरीके से कई बैंक खातों में रकम ट्रांसफर करवा ली। जब ठगों ने और पैसे की मांग शुरू की तो पीड़ित को अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। शिकायत मिलने के बाद साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सराभा नगर निवासी ओम कुमार ने बताया कि 13 जुलाई को उसके मोबाइल फोन पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताते हुए कहा कि उसके आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल किया गया है। साथ ही दावा किया कि उसके नाम पर आपराधिक गतिविधियों की जांच चल रही है

20 को संसद कूच से डरी सरकार...

सोनम वांगचुक मसले पर संजय सिंह का सरकार पर निशाना

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने 21 दिनों से अनशन पर बैठे प्रसिद्ध शिक्षाविद सोनम वांगचुक को जबरन उठाकर अस्पताल में भर्ती कराने और युवाओं पर लाठीचार्ज करने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। आप के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने कहा कि मोदी सरकार सोनम वांगचुक के संसद तक शांतिपूर्ण कूच के आह्वान से डर गई है। इसलिए सुबह-सुबह जनता मंतर पर पुलिस को भेज कर युवाओं पर लाठीचार्ज कराया और सोनम वांगचुक को जबरन अस्पताल में भर्ती करा दिया, ताकि इस आंदोलन को कुचला जा सके।

संजय सिंह ने कहा कि 59 साल के सोनम वांगचुक पिछले 21 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हुए थे और अपनी जिंदगी दांव पर लगाकर देश के उन करोड़ों युवाओं की आवाज उठा रहे थे जो 93 पेपर लीक से बर्बाद हो चुके थे। वे युवा बेबस थे और उनकी आवाज उठाने वाला कोई नहीं था। भारत के प्रधानमंत्री ने 21 दिन तक उनसे बात नहीं की और अनशन खत्म करने की अपील करने के लिए एक ट्वीट करना भी जरूरी नहीं समझा। सरकार का कोई प्रतिनिधि उनसे बातचीत करने के लिए नहीं आया कि आखिर वे क्यों अपनी जान देने पर आमादा हैं? संजय सिंह ने कहा कि अचानक पुलिस बल ने वहां पहुंचकर जंतर-मंतर को घेर लिया और नौजवानों के ऊपर लाठी चलाकर सोनम वांगचुक को जबरन उठाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया है। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि उन्होंने 20 जुलाई के लिए देश की जनता, युवाओं, सांसदों और विधायकों का आह्वान किया था कि 20 जुलाई को हम लोग जंतर-मंतर से संसद की तरफ शांतिपूर्ण मार्च करेंगे जहां से संसद का सत्र शुरू होने वाला है।

संजय सिंह ने कहा कि मैं मोदी जी से कहना चाहता हूं कि सत्ता का इतना अहंकार अच्छा नहीं है कि हर व्यक्ति पर लाठी चलाओ, हर व्यक्ति पर गोली चलाओ और हर व्यक्ति पर आंसू गैस के गोले छोड़ो। कभी किसान आंदोलन को कुचलो, कभी नौजवानों के आंदोलन को कुचलो और कभी माताओं-बहनों के आंदोलन को कुचलो, यह अच्छी राजनीति नहीं है। संजय सिंह ने कहा कि सत्ता का यह अहंकार यही नौजवान खत्म करेगा और जिसके ऊपर आज लाठियां बजाई जा रही हैं, वही इस सत्ता को उखाड़ कर फेंकेगा। इसलिए मैं देश के युवाओं से अपील करना चाहता हूं कि सोनम वांगचुक का साथ दीजिए और अपने आंदोलन को कमजोर ना पड़ने दीजिए।

घरेलू महिला के काम की कीमत कम नहीं आंकी जा सकती, जिला कोर्ट ने दिया 51 लाख रुपये क्षतिपूर्ति का आदेश

इंदौर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू महिला के काम की कीमत कम नहीं आंकी जा सकती। भविष्य में उसकी आय में भी बढ़ोतरी की संभावना थी। इस टिप्पणी के साथ जिला न्यायालय ने घरेलू महिला की आय तीस हजार रुपये मासिक मानते हुए बीमा कंपनी को आदेश दिया कि वह उसके स्वजन को क्षतिपूर्ति के रूप में 51 लाख रुपये का भुगतान करे। बीमा कंपनी को इस राशि पर 6 प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज भी देना होगा। एडवोकेट जगदीश वैष्णव ने बताया कि 30 अगस्त 2023 को महिला भाई एवं पति के साथ मोटर साइकिल पर पीछे बैठकर अपने घर जा रही थी। रास्ते में एक अन्य वाहन चालक ने लापरवाही से वाहन चलाकर महिला को नीचे गिरा दिया। सिर में आई गंभीर चोट की वजह से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका के स्वजन ने एडवोकेट जगदीश वैष्णव, अर्पित वैष्णव के माध्यम से जिला कोर्ट में क्षतिपूर्ति के लिए प्रकरण प्रस्तुत किया।

ट्रक से 3 करोड़ रुपए का डोडा चूरा जब्त

एस्कॉर्ट कर रही कार की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की मौत

गुना, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के गुना में केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 25 क्विंटल डोडा चूरा (पोस्ता भूसी) से भरे एक ट्रक को पकड़ लिया। जब्त किए गए डोडा चूरे की अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पूरे नेटवर्क की जांच जारी है। इस कार्रवाई के दौरान एक दर्दनाक सड़क हादसा भी सामने आया। गुना के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) प्रशांत सिंह सुमन ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक हुंडई वर्ना कार की मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई है।

इस हादसे में एक पुरुष और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब तीन से चार साल का एक बच्चा घायल हो गया। बच्चे को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

एएसपी ने बताया कि हादसे के कुछ ही आगे वही वर्ना कार एक अन्य व्यक्ति से भी टकरा गई, जिससे वह भी घायल हो गया। उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जांच के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पुलिस के अनुसार, उस समय नारकोटिक्स विभाग की टीम एक संदिग्ध ट्रक का पीछा कर रही थी, जो पहले से उनकी निगरानी में था। जांच में पता चला कि हादसे का शिकार हुई हुंडई वर्ना कार उसी ट्रक को एस्कॉर्ट कर रही थी। जब ट्रक और कार पुलिस व नारकोटिक्स टीम से बचकर भागने की कोशिश कर रहे थे, तभी यह भीषण हादसा हो गया। फिलहाल नारकोटिक्स विभाग की टीम पूरे मामले में पूछताछ कर रही है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और यह पता लगाया जा रहा है कि इस तस्करी गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पुरी में रथयात्रा के दौरान चोरों ने साफ किए हाथ

पुलिस ने अबतक 103 को किया गिरफ्तार, 203 मोबाइल बरामद

पुरी, 18 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में रथ यात्रा के दौरान श्रीजगन्नाथ धाम में लाखों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचे। इतनी बड़ी भीड़ को देखते हुए पुरी पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। इसी के तहत स्नेचिंग, जेबकतरी और चोरी जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष एंटी-स्नैचिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान पुरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस दौरान हुई चोरी का खुलासा करते हुए अब तक 103 स्नैचरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 203 चोरी हुए मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ये मोबाइल उनके असली मालिकों को वापस सौंप दिए जाएंगे। जानकारी के मुताबिक, रथ यात्रा के दौरान अलग-अलग थाना क्षेत्रों की पुलिस, विशेष एंटी-स्नैचिंग टीम और सिविल ड्रेस में तैनात पुलिसकर्मियों ने मिलकर लगातार निगरानी की। भीड़भाड़ वाले इलाकों में संदिग्ध लोगों पर विशेष नजर रखी गई, जिससे झपटमारी की घटनाओं को रोकने में काफी मदद मिली। सुरक्षा व्यवस्था के तहत ग्रैंड रोड, श्रीजगन्नाथ मंदिर के आसपास का क्षेत्र, समुद्र तट, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, पार्किंग स्थल और अन्य भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। इन स्थानों पर पुलिस ने चौबीसों घंटे ड्यूटी करते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर नजर बनाए रखी। एंटी-स्नैचिंग टीमों ने सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, खुफिया सूचनाओं और आधुनिक जांच तकनीकों की मदद से आरोपियों की पहचान कर उन्हें समय रहते गिरफ्तार किया। इसी वजह से रथ यात्रा के दौरान स्नैचिंग की घटनाओं पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सका। चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर आरोपियों तक पहुंचना इस अभियान की बड़ी उपलब्धि है। इससे न केवल लोगों की संपत्ति वापस मिल सकेगी, बल्कि ऐसे अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी सुनिश्चित होगी।

मध्य प्रदेश में यूसीसी के अंतिम मसौदे पर रविवार को कैबिनेट की मुहर संभव,क्या हैं प्रमुख प्रस्ताव

भोपाल, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। उच्च स्तरीय समिति ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को तीन खंडों में तैयार अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंप दी है। अब रविवार को जगदीशपुर में प्रस्तावित विशेष कैबिनेट बैठक में यूसीसी के मसौदा विधेयक पर विचार कर उसे मंजूरी दिए जाने की संभावना है। इसके बाद सरकार मानसून सत्र में यूसीसी विधेयक विधानसभा में पेश कर सकती है। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने और अन्य पारिवारिक मामलों में सभी नागरिकों के लिए एक समान कानूनी व्यवस्था लागू करना है।

वर्तमान में विभिन्न धर्मों के लिए अलग-अलग व्यक्तिगत कानून लागू हैं। यदि कैबिनेट मसौदे को मंजूरी देती है तो कानून विभाग अंतिम विधेयक तैयार करेगा। इसके बाद इसे विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। विधानसभा से पारित होने के बाद विधेयक राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। अधिसूचना जारी होने के बाद ही यूसीसी प्रदेश में लागू होगी। समिति की अंतिम रिपोर्ट में सभी धर्मों के लोगों के लिए विवाह का पंजीकरण अनिवार्य करने का प्रस्ताव किया गया है।

इसके लिए विवाह के बाद एक से दो माह की समय-सीमा निर्धारित करने की सिफारिश है। मसौदे में यह भी प्रस्ताव है कि तलाक केवल न्यायालय की वैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही मान्य होगा। मौखिक तलाक को कानूनी मान्यता नहीं देने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा, पति या पत्नी के जीवित रहते तथा वैधानिक तलाक के बिना दूसरी शादी को अपराध की श्रेणी में रखने का प्रस्ताव भी शामिल है

एफबीआई की जांच के बाद पंजाब पुलिस का एक्शन

4 लाख डॉलर की रिश्वत मांगने वाला एसएचओ नागरा गिरफ्तार

होशियारपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में रह रहे एक परिवार से हत्या के मामले में 4 लाख डॉलर की रिश्वत मांगने और रकम नहीं देने पर उन्हें मामले में फंसाने की धमकी देने के आरोप में निलंबित थाना प्रभारी गुरिंद्रजीत सिंह नागरा को पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में सबसे खास बात यह रही कि शिकायत की जांच अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई तक पहुंची, जिसके बाद पंजाब पुलिस को भी सख्त कार्रवाई करनी पड़ी। जानकारी के अनुसार गुरिंद्रजीत सिंह नागरा उस समय थाना टांडा में थाना प्रभारी के पद पर तैनात था। उस पर आरोप है कि उसने मियानी निवासी बलविंदर सिंह की हत्या के मामले में अमेरिका में रह रहे एक परिवार से चार लाख डॉलर की रिश्वत मांगी थी। आरोप है कि रकम नहीं देने पर परिवार को हत्या के मामले में फंसाने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां भी दी गईं।

लगातार मिल रही धमकियों और कथित रिश्वत की मांग से परेशान परिवार ने मामले की शिकायत अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई से की। शिकायत मिलने के बाद एजेंसी ने पूरे मामले की गहन जांच शुरू की। जांच के दौरान कथित तौर पर ऐसे साक्ष्य सामने आए, जिनमें थाना प्रभारी परिवार से बातचीत कर पैसे मांगता और दबाव बनाता दिखाई दिया। जांच पूरी होने के बाद अमेरिका में एफबीआई के अधिकारियों ने प्रेस वार्ता कर मामले की पुष्टि भी की थी। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी थाना प्रभारी के कुछ गैंगस्टरों से भी संपर्क होने के आरोप हैं।

'मंशा गलत नहीं थी'

सीता पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले भजन संध्या संचालक को एमपी हाई कोर्ट ने दी अग्रिम जमानत

जबलपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने सिवनी जिले में आयोजित एक भजन संध्या के संचालक को सीता पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में अग्रिम जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि रामचरितमानस की चौपाई की व्याख्या करते समय आवेदक द्वारा शब्दों का चयन उचित नहीं रहा हो सकता है, लेकिन प्रथमदृष्टया उसकी मंशा वैसी नहीं दिखती, जैसा अभियोजन पक्ष आरोपित कर रहा है। न्यायालय ने यह भी दोहराया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान का मौलिक अधिकार है और उसकी रक्षा करना अदालतों का दायित्व है।

सिवनी जिले में आयोजित एक भजन संध्या के दौरान रामचरितमानस की चौपाई की व्याख्या करते समय सीता के संबंध में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने पर संचालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353(2) एवं 353(3) के तहत अपराध दर्ज किया गया था। आरोप था कि धार्मिक समारोह में दिए गए कथन से समुदायों के बीच वैमनस्य फैल सकता है और धार्मिक भावनाएं भड़क सकती हैं। इसके बाद आरोपी ने गिरफ्तारी से संरक्षण के लिए हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। न्यायमूर्ति देवनारायण मिश्रा की एकलपीठ ने कहा कि किसी कथन की भाषा या शब्दों से असहमति अलग बात है, लेकिन केवल उसी आधार पर आपराधिक मंशा नहीं मानी जा सकती।

प्रथम दृष्टया ऐसा कोई आधार नहीं दिखता कि आवेदक का उद्देश्य वैमनस्य फैलाना था। हाई कोर्ट ने इमरान प्रतापगढ़ी बनाम गुजरात राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का उल्लेख करते हुए कहा कि कई बार न्यायाधीशों को बोले या लिखे गए शब्द पसंद नहीं आते, फिर भी संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) के तहत प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करना उनका संवैधानिक दायित्व है। न्यायालय संविधान और उसके आदर्शों के प्रति उत्तरदायी हैं।

दिल्ली चिड़ियाघर में कोबरा संरक्षण पर संकट, प्रभावित हो रही सांपों की ब्रीडिंग

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। चिड़ियाघर का रेप्टाइल हाउस देश में लुप्तप्राय सांपों के संरक्षण का अहम केंद्र माना जाता है, लेकिन यहां वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप देखभाल नहीं होने से सांपों की सक्रियता, स्वास्थ्य और प्रजनन पर गंभीर असर पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार, छह-छह माह तक रेप्टाइल हाउस बंद रखना, प्राकृतिक आवास जैसी व्यवस्था का अभाव और प्रशिक्षित स्टाफ की कमी के कारण कोबरा, राक पाइथन और सैंडबोआ जैसी दुर्लभ प्रजातियां सुस्त होती जा रही हैं। हालात ऐसे हैं कि कुछ सांपों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तक नहीं हो पा रहा और दो सैंडबोआ का लिंग (नर या मादा) तक वर्षों बाद भी दर्ज नहीं किया जा सका है। दिल्ली चिड़ियाघर के रेप्टाइल हाउस में वर्तमान में कोबरा, धामिन, रॉक पाइथन, सैंडबोआ और रेड सैंडबोआ सहित पांच प्रजातियों के सांप रखे गए हैं।

इनका उद्देश्य केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि संकटग्रस्त प्रजातियों का संरक्षण और प्रजनन भी है। हालांकि, चिड़ियाघर से जुड़े सूत्रों का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था इन उद्देश्यों पर खरी नहीं उतर रही। सूत्रों के मुताबिक, वर्ष 2016 से हर साल अक्टूबर से मार्च तक रेप्टाइल हाउस को लगभग छह महीने के लिए बंद कर दिया जाता है। तर्क यह दिया जाता है कि सर्दियों में सांप हाइबरनेशन जैसी अवस्था में चले जाते हैं।

दिग्विजय ने छोड़ा एक्स, पर्सनल मोबाइल भी स्टाफ को दिया

20 अक्टूबर से निकालेंगे उज्जैन से अयोध्या की यात्रा,सोशल मीडिया यूज न करने का किया है ऐलान

भोपाल, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के सीनियर लीडर और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपना अधिकारिक एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट छोड़कर ऑफिस स्टाफ के हवाले कर दिया है। यही नहीं उन्होंने अपना पर्सनल मोबाइल भी अपने सेक्रेटरी सचिन वत्स को सौंप दिया। दिग्विजय सिंह का एक्स हैंडल पहले दिग्विजय के नाम से था अब यह डीवीएस का कार्यालय यानी ऑफिस ऑफ दिग्विजय सिंह के नाम में बदल दिया गया है। दिग्विजय सिंह ने अपना पर्सनल मोबाइल नंबर भी अपने सेक्रेटरी को दे दिया है। दिग्विजय सिंह ने फेसबुक पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा है- आज से मैं अपना मोबाइल नंबर उपयोग नहीं करूंगा। यह नंबर अब मेरे सचिव सचिन वत्स द्वारा उपयोग किया जाएगा। इस नंबर पर प्राप्त आपके महत्वपूर्ण संदेशों एवं जानकारियों से वे मुझे अवगत कराते रहेंगे। आपके सहयोग और विश्वास के लिए धन्यवाद। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अयोध्या के श्री रामजन्मभूमि मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर उज्जैन से अयोध्या तक पदयात्रा करने जा रहे हैं। 20 अक्टूबर से यह यात्रा शुरु होगी। इस यात्रा में दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया का प्रयोग न करने का भी ऐलान किया है।

शुरुआत में दिग्विजय सिंह ने भोपाल में घोषणा की थी कि वह 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) से उज्जैन के महाकाल मंदिर से अयोध्या तक की 1,000 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू करेंगे। हालांकि, बाद में अपनी योजनाओं में संशोधन करते हुए उन्होंने इसे दशहरे (विजयदशमी) के पावन अवसर से शुरू करने का निर्णय लिया। वर्ष 2026 में दशहरा 20 अक्टूबर को पड़ रहा है, इसलिए यह यात्रा 20 अक्टूबर से शुरू होगी। दिग्विजय सिंह ने कहा, मैं 80 साल का हो गया हूं।

पार्टी ने मुझे 5 बार विधायक बनाया, दो बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा भेजा। अब मैंने पार्टी से कह दिया है कि मेरी जगह किसी और को मौका दें। अब मैं सिर्फ धर्म की रक्षा के लिए काम करूंगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उज्जैन से अयोध्या की यह यात्रा किसी राजनीतिक दल के बैनर तले नहीं होगी। यात्रा के दौरान वे न तो कोई राजनीतिक बयान देंगे और न ही अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स (फेसबुक, एक्स) पर कोई राजनीतिक प्रतिक्रिया पोस्ट करेंगे।

दिग्विजय सिंह ने बताया था कि वे इस यात्रा में किसी बड़े राजनीतिक नेता को आमंत्रित नहीं कर रहे हैं। इसके बजाय, अयोध्या आंदोलन के दौरान 4 गोलियां खाने वाले कारसेवक संतोष दुबे को इस यात्रा का मुख्य अतिथि बनाया जाएगा। दिग्विजय सिंह ने स्वयं राम मंदिर के लिए 1।11 लाख रुपए का चंदा दिया था। उनका आरोप है कि राम मंदिर निर्माण के लिए देशभर से जुटाए गए चंदे और महाकाल मंदिर के चढ़ावे में वित्तीय अनियमितताएं (चंदा चोरी) हुई हैं।

वे वकीलों से सलाह लेकर अयोध्या की अदालत में मुकदमा दायर करेंगे और चंदे का पूरा हिसाब मांगेंगे। इस यात्रा में वे उन सभी श्रद्धालुओं को आमंत्रित कर रहे हैं जिन्होंने राम मंदिर के लिए दान दिया था और वे अपनी रसीद के साथ शामिल हो सकते हैं।

भूख हड़ताल कर रहे अभिजीत दीपके पर फेंकी गई स्याही

जंतर-मंतर पर हुआ बवाल, आरोपी महिला हिरासत में

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की। अभिजीत दीपके आज से भूख हड़ताल पर बैठ गए। अभिजीत का दावा है कि उनके साथ मारपीट की गई, वह पुलिस की गिरफ्त से भाग कर जंतर मंतर पहुंचे। अभिजीत दीपके का कहना है कि 20 जुलाई को संसद चलो अभियान होकर रहेगा। उन्होंने लोगों से हर राज्य में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अपील की। वहीं, अभिजीत दीपके पर स्याही फेंकने का मामला सामने आया है। एक महिला ने अभिजीत पर स्याही फेंकी।

दिल्ली पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है। बता दें कि शनिवार सुबह जंतर-मंतर पर पिछले 20 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस अपने साथ अस्पताल ले गई। जिसके बाद जानकारी आई कि सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल ने अपने बयान में कहा कि वांगचुक को आवश्यक चिकित्सा

देखभाल के लिए भर्ती किया गया है। अस्पताल ने बताया है कि लंबे समय तक उपवास और डिहाइड्रेशन के कारण वे काफी कमजोर हो गए हैं। हालांकि उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है, लेकिन शरीर के जरूरी स्वास्थ्य मानकों को सामान्य करने के लिए उन्हें लगातार निगरानी, जांच और उपचार की आवश्यकता है।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दीपके ने कहा, अगर उन्हें लगता है कि सोनम सर को ले जाने से यह आंदोलन खत्म हो जाएगा, तो वे गलतफहमी में हैं। हम यहीं रहेंगे और 20 जुलाई को संसद तक मार्च करेंगे। उन्होंने आगे कहा, अब तक हम धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे, लेकिन इस घृणित कृत्य के बाद अब हम पीएम नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग करेंगे।

अभिजीत दीपके ने कहा, सुबह सात बजे जब मैं फ्रेश होने के लिए वहां से निकला, तो पुलिस के गुंडे वहां आए। वे सोनम सर को गालियां देते हुए घसीटकर लेकर गए। 60 साल का एक व्यक्ति, जो 20 दिनों से भूख हड़ताल पर था उन्हें दिल्ली पुलिस जबरदस्ती घसीटकर यहां से लेकर गई। हमें नहीं पता कि कहां लेकर गए हैं। जैसे ही मुझे खबर मिली, मैं जंतर-मंतर आ रहा था, तो पुलिस ने मेरे साथ भी मारपीट की। ये पुलिस नहीं आरएसएस के गुंडे हैं। मैं विदेश से अपने देश वापस आया था, क्या मैं कोई अपराधी हूं? मुझे इन लोगों ने सड़कों पर मारा। डीसीपी नई दिल्ली ने ट्वीट करते हुए लिखा, माननीय हाई कोर्ट के आदेश और मेडिकल एक्सपर्ट्स की सलाह के अनुसार, सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत को देखते हुए उन्हें जरूरी मेडिकल देखभाल के लिए अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। पुलिस ने बहुत संयम बरता और यह काम सुरक्षित तरीके से किया। हम जंतर-मंतर पर मौजूद प्रदर्शनकारियों से अपील करते हैं कि वे जल्द से जल्द शांतिपूर्ण तरीके से जगह खाली कर दें।

नई दिल्ली के डीसीपी सचिन शर्मा ने कहा, माननीय हाई कोर्ट के आदेशानुसार और स्वास्थ्य की स्थिति व मेडिकल सलाह के अनुसार सोनम वांगचुक को जरूरी मेडिकल इलाज के लिए यहां से एक उपयुक्त सरकारी अस्पताल में ले जाया गया है और वे अभी मेडिकल निगरानी में हैं।

नौ साइबर अपराधी गिरफ्तार

पुलिस ने 27 मोबाइल, 39 सिम एक टैब जब्त किया, कैशबैक का झांसा देकर लोगों को ठगते थे

जामताड़ा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जामताड़ा पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नौ अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने शनिवार को यह जानकारी दी। साइबर डीएसपी अमित रविदास के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने करमाटांड़ और जामताड़ा थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर इन अपराधियों को पकड़ा। एसपी ने बताया कि करमाटांड़ थाना क्षेत्र से पांच और जामताड़ा थाना क्षेत्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें करमाटांड़ थाना क्षेत्र के मटटांड़ गांव निवासी मुजाहिद अंसारी (24), सलामत अंसारी (27), समनर अंसारी (33), तबारक अंसारी (25) और सरफराज अंसारी (30) और जामताड़ा थाना क्षेत्र के पोसोई गांव से रोकी कुमार दास (23), अर्जुन दास (37), सचिन दास (23) और पश्चिम बंगाल के कुल्टी थाना क्षेत्र के दासपाड़ा, बराकर निवासी अमृत रुईदास (24) शामिल हैं।

श्रीकृष्ण पर टिप्पणी से बढ़ा विवाद

आयुषी देशमुख बोलीं- मौलाना पर दर्ज कराऊंगी एफआईआर

इंदौर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भगवान श्रीकृष्ण को लेकर एक मौलाना के कथित बयान पर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। इस मामले में अब भय्युजी महाराज की पत्नी आयुषी देशमुख ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि किसी भी धर्म, देवी-देवता या आराध्य के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं की जा सकती।

उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने यह बयान दिया है उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। आयुषी देशमुख ने बताया कि वह अपनी संस्था की ओर से संबंधित मौलाना के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए पुलिस को आवेदन देंगी।

आयुषी देशमुख ने कहा कि किसी भी धर्म की आस्था का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति हिंदू धर्म या भगवानों के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करता है तो उसका विरोध होना स्वाभाविक है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि ऐसा

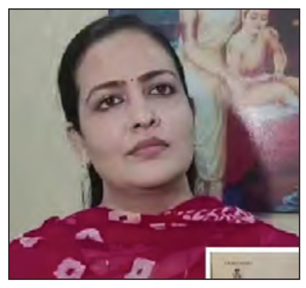

कानून बनाया जाए जिससे किसी भी धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने वालों पर सख्त कार्रवाई हो सके। उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले मामलों में कड़े प्रावधान होने चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह की टिप्पणी करने से पहले सोचे।

आयुषी देशमुख ने संबंधित मौलाना पर भी तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यदि वह अपना डीएनए टेस्ट करवाएंगे तो उन्हें भी पता चल जाएगा कि वे भगवान राम के वंशज हैं। धर्म के खिलाफ अपमानजनक बातें करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए कहा कि ऐसे मामलों के लिए सख्त कानून बनाया जाए ताकि किसी भी धर्म के खिलाफ विवादित बयान देने वालों पर तुरंत कार्रवाई हो सके। आयुषी देशमुख ने इस दौरान मदरसों की शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मदरसों में गलत शिक्षा दी जाती है और इसी वजह से उन्हें बंद किया जाना चाहिए। हालांकि उन्होंने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत मत है और इस संबंध में अंतिम फैसला सरकार को लेना चाहिए।

आयुषी देशमुख ने कांवड़ यात्रा को लेकर कहा कि कई दुकानों पर बाहर हिंदू नाम लिखे होते हैं, लेकिन जब भुगतान के लिए क्यूआर कोड स्कैन किया जाता है तो उस पर किसी रहीम का नाम होता है। ऐसी स्थिति में श्रद्धालुओं की भावनाएं भी प्रभावित होती हैं। दतिया उपचुनाव में किन्नर महामंडलेश्वर की एंट्री, प्रचार के लिए देशभर से जुटेंगे किन्नर अखाड़े, भाजपा-कांग्रेस समेत 22 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला।

भक्तों को धोखा देने के लिए भोंदू बाबा ने खुद को बताया शिव का अवतार

लोगों की संपत्तियों पर किया हाथ साफ

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई जोनल ऑफिस ने मुंबई की स्पेशल कोर्ट (पीएमएलए) में अशोक कुमार एकनाथ खरात (उर्फ कैप्टन/भोंदू बाबा), उनकी पत्नी कल्पना खरात और चार अन्य लोगों के खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग की शिकायत (पीसी) दर्ज की है। यह मामला पीएमएलए, 2002 की धारा 3 के तहत मनी-लॉन्ड्रिंग के अपराध से जुड़ा है। इसमें धारा 4 के तहत सजा का प्रावधान है। भोंदू बाबा ने भक्तों को धोखा देने के लिए खुद को भगवान शिव का अवतार बताया। लोगों के पैसे व संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया।

ईडी ने इसी सप्ताह पीएमएलए, 2002 की धारा 5 के तहत आरोपी और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद 19.20 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को

अस्थायी रूप से जब्त (अटैच) किया है। यह उन संपत्तियों के अतिरिक्त है, जिन्हें अप्रैल और मई में जब्त किया गया था। उनकी कीमत 17.70 करोड़ रुपये थी। जांच एजेंसी ने आरोपी की कई जगहों पर छापा मारकर, बैंक लॉकरों और गाड़ियों की तलाशी के दौरान संपत्ति जब्त की थी। अब तक इस मामले में लगभग 36.90 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच, जब्त या फ्रीज की जा चुकी है। ईडी ने सरकार वाडा, शिरडी, सिन्नर और राहाता पुलिस स्टेशनों में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की थी। जांच से पता चला कि अशोक कुमार एकनाथ खरात ने भक्तों की धार्मिक आस्था का फायदा उठाया। बेईमानी से उन्हें 'अवतार पूजा' करने, बीमारियों को ठीक करने, दुर्भाग्य को टालने और व्यापार में तरक्की सुनिश्चित करने के बहाने पैसे और संपत्ति देने के लिए उकसाया।

इस तरह उसने भक्तों से जबरन वसूली की। धोखाधड़ी और आपराधिक धमकी के जरिए जमकर कमाई की। जांच में यह भी पता चला कि खरात ने भक्तों को धोखा देने के लिए खुद को दैवीय शक्तियों वाला और भगवान शिव का अवतार बताया। उसने दो सहकारी क्रेडिट सोसायटियों के ज़रिए अपराध से हुई कमाई को लॉन्डर किया।

विवाहिता की मौत के बाद बवाल

मायके पक्ष ने कहा-डायन के शक में झाड़फूंक, इलाज के दौरान हुई मौत, जांच की मांग

चक्रधरपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम में एक महिला की मौत के बाद दो परिवारों के बीच विवाद गहरा गया है। मायके पक्ष का आरोप है कि डायन के शक में हत्या की गई है। जबकि ससुराल पक्ष ने आरोप से इनकार किया है। घटना झींकपानी थाना क्षेत्र अंतर्गत चंद्री पंचायत के पनसुवां गांव की है। मृतका की पहचान 24 वर्षीय करिश्मा राय के रूप में हुई है। करिश्मा राय ने करीब तीन वर्ष पूर्व पनसुवां गांव निवासी देवानंद प्रधान से प्रेम विवाह किया था। इसके बाद दोनों बेंगलुरु में मजदूरी कर जीवन यापन कर रहे थे। दंपती की एक तीन माह की बच्ची भी है। मृतका के चाचा कमल राय ने बताया कि करिश्मा की तबीयत खराब होने पर उसका झाड़फूंक कराया गया।

बहुत हुआ अत्याचार, अब संभल में तुर्क की तुर्कई नहीं चलेगी

हरिहर भगवान की मर्जी से काम होगा

संभल, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बहजोई के निकट फत्तेहपुर शरीफनगर गांव पहुंचकर 569 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी ली।

कार्यक्रम स्थल पर भाजपा कार्यकर्ताओं और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित इंटीग्रेटेड मुख्यालय भवन परिसर में आयोजित जनसभा के दौरान संभल, चंदौसी, गुन्नौर और असमोली विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

उन्होंने 68.96 करोड़ रुपये की 12 परियोजनाओं का लोकार्पण किया, जबकि करीब 500 करोड़ रुपये की 56 परियोजनाओं की

आधारशिला रखी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रशासन की ओर से अतिक्रमण मुक्त कराई गई सरकारी जमीनों के पट्टे भी भूमिहीन परिवारों को वितरित किए। प्रशासन के अनुसार करीब 50 वर्षों से कब्जे में रही इन जमीनों को हाल में मुक्त कराया गया है। संभल के बहजोई में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान विष्णु के दसवें अवतार की भूमि और सनातन परंपरा के पावन तीर्थ सत्यव्रत से अपनी यात्रा शुरू करने वाला यह क्षेत्र आज संभल के रूप में जाना जाता है। उन्होंने भगवान हरिहर की पावन धरा को कोटि-कोटि नमन करते हुए उपस्थित लोगों का अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें जनपद संभल के चंदौसी में गणपति की 145 फीट ऊंची प्रतिमा और मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की 151 फीट ऊंची प्रतिमा के अनावरण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि चंदौसी को यह भव्य उपहार देने वाले सभी महानुभाव बधाई के पात्र हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विघ्न विनाशक भगवान गणपति और प्रभु श्रीराम की विशाल प्रतिमाओं का अनावरण करना उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। उन्होंने इन प्रतिमाओं के निर्माण से जुड़े सभी लोगों का हृदय से अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने संभल और चंदौसी के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये प्रतिमाएं क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को नई ऊंचाई प्रदान करेंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संभल श्रीहरि विष्णु और भगवान हरिहर की पावन धरा है। उन्होंने कहा कि यह पहले भी कह चुके हैं कि यह भूमि सनातन परंपरा की प्राचीन धरोहर रही है, लेकिन करीब 500 वर्ष पहले, वर्ष 1526 में विदेशी आक्रांताओं ने यहां की आस्था और संस्कृति को चोट पहुंचाई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब आक्रांता किसी स्थान पर आते हैं तो वे केवल वहां का खजाना नहीं लूटते, बल्कि धर्म और संस्कृति की भी रौंदने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि यही पाप संभल में भी किया गया था।

श्रीहरि विष्णु और भगवान हरिहर के पवित्र मंदिर को तोड़ा गया और यहां स्थित 68 तीर्थों को अपवित्र किया गया।

दिनेश मकवाना आत्महत्या केस- आबकारी अधिकारी को राहत

डिवीजन बेंच ने पलटा सिंगल बेंच का फैसला सीबीआई जांच के आदेश और एफआईआर, दोनों रद्द

इंदौर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। चर्चित दिनेश मकवाना आत्महत्या प्रकरण में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आबकारी अधिकारी मंदाकिनी दीक्षित को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने शुक्रवार को सिंगल बेंच द्वारा दिए गए सीबीआई जांच के आदेश को निरस्त कर दिया। इसके साथ ही सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर भी रद्द कर दी गई।

मामला शराब ठेकेदार दिनेश मकवाना की आत्महत्या से जुड़ा है, जो उस समय काफी चर्चाओं में रहा था। आत्महत्या के पीछे प्रशासनिक दबाव और अधिकारियों की भूमिका को लेकर उठे सवालों के बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। सुनवाई के दौरान सिंगल बेंच ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आबकारी अधिकारी मंदाकिनी दीक्षित की भूमिका की जांच सीबीआई से कराने के निर्देश दिए थे। कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। इस आदेश को चुनौती देते हुए दायर अपील पर सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के फैसले को पलट दिया। अदालत ने माना कि मामले में सीबीआई जांच जारी रखने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं। इसी के चलते जांच के आदेश निरस्त कर दिए गए और सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर भी रद्द कर दी गई। डिवीजन बेंच के फैसले के बाद मंदाकिनी दीक्षित के खिलाफ सीबीआई जांच की प्रक्रिया पूरी तरह समाप्त हो गई है।

अजय महतो की गिरफ्तारी के बाद नक्सली पत्नी बबीता ने भी किया सरेंडर

महिलाओं को संगठन में जोड़ने का करती थी काम

धनबाद, 18 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के तहत झारखंड पुलिस ओर सीआरपीएफ को लगातार दूसरी बड़ी सफलता मिलने की खबर है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 25 लाख रुपये के इनामी माओवादी अजय महतो उर्फ टाइगर उर्फ बासुदेव की गिरफ्तारी के बाद अब उसकी पत्नी बबीता के आत्मसमर्पण करने की खबर है। नक्सली बबिता ने कहां पर सुरक्षा बलों के पास आत्म समर्पण किया है। इसकी जानकारी फिलहाल सुरक्षा कारणों से नहीं दी जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार अजय महतो की पत्नी बबीता को जब यह पता चला कि उसके पति को गिरफ्तार कर लिया गया है तो

बबीता हार मान गई और उसने सुरक्षाबलों के सामने आत्म समर्पण कर दिया है। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सूत्रों के मुताबिक, अजय महतो की गिरफ्तारी के बाद बबीता ने संगठन में बने रहने के बजाय सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का फैसला लिया। बताया जा रहा है कि बबीता के खिलाफ धनबाद, गिरिडीह, बोकारो और पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) समेत कई जिलों में नक्सली गतिविधियों से जुड़े अनेक मामले दर्ज हैं। वो लंबे समय से संगठन से जुड़ी हुई थी। इस बीच अजय महतो की पत्नी बबिता के आत्म समर्पण से नक्सली संगठन को एक और बड़ा झटका लगा है।

4 लाख पेंशनर्स को समय पर मिलेगी महंगाई राहत

केंद्र के डीआर बढ़ाते ही एमपी करेगा लागू, छत्तीसगढ़ की अब मंजूरी नहीं लगेगी

भोपाल, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के करीब 4 लाख पेंशनर्स के लिए बड़ी राहत है। अब केंद्र सरकार जैसे ही महंगाई राहत (डीयरनेस रिलीफ-डीआर) बढ़ाएगी, मध्यप्रदेश सरकार भी उसे छत्तीसगढ़ की सहमति का इंतजार किए बिना लागू कर सकेगी। इससे वर्षों से चली आ रही देरी खत्म होगी और पेंशनर्स को समय पर बढ़ी हुई महंगाई राहत का लाभ मिल सकेगा।

यह बदलाव मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकारों की आपसी सहमति से लागू किया गया है। दोनों राज्यों ने तय किया है कि अब महंगाई राहत बढ़ाने के लिए एक-दूसरे की मंजूरी लेना जरूरी नहीं होगा। दोनों राज्य अपने-अपने स्तर पर केंद्र सरकार के फैसले के बाद डीआर घोषित कर उसका भुगतान कर सकेंगे। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

दरअसल, वर्ष 2000 में मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ बनने के बाद पेंशनर्स को महंगाई राहत देने के लिए दोनों राज्यों की सहमति अनिवार्य कर दी गई थी। इसी वजह से कई बार महंगाई राहत बढ़ने के बावजूद पेंशनर्स को 6-6 महीने तक इंतजार करना पड़ता था। अब यह व्यवस्था समाप्त कर दी गई है।

मध्यप्रदेश के वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव मनीष रस्तोगी और छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग के सचिव की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि अब पेंशनर्स की महंगाई राहत बढ़ाने के लिए विधायी संशोधन की जरूरत नहीं होगी। दोनों राज्य कार्यकारी आदेश जारी कर स्वतंत्र रूप से डीआर लागू कर सकेंगे।

हालांकि, दोनों राज्यों के बीच वित्तीय भार की जानकारी साझा की जाएगी, लेकिन महंगाई राहत घोषित करने के लिए दूसरे राज्य की सहमति जरूरी नहीं होगी। साथ ही, कोई भी राज्य केंद्र सरकार द्वारा घोषित महंगाई राहत की दर से अधिक राहत नहीं देगा।

उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पेंशनर्स के हित में संवेदनशील और सकारात्मक निर्णय लिया है। अब मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ महंगाई राहत देने का फैसला स्वतंत्र रूप से कर सकेंगे, जिससे अनावश्यक विलंब समाप्त होगा और प्रदेश के करीब 4 लाख पेंशनर्स एवं उनके परिवारों को समय पर लाभ मिलेगा।

कैंसर की महंगी दवाओं पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

मरीज की मौत के बाद लिया स्वतः संज्ञान, केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कैंसर की जीवनरक्षक दवाओं की महंगी कीमत और इलाज के इंतजार में एक मरीज की मौत के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। अदालत ने कहा कि यह मामला केवल एक मरीज का नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के जीवन के अधिकार से जुड़ा है जो महंगी दवाओं का खर्च नहीं उठा सकते।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की बेंच ने कहा कि केरल हाईकोर्ट अपने समक्ष लंबित याचिका पर फैसला करेगा। जबकि सुप्रीम कोर्ट जीवनरक्षक दवाओं की कीमत और उनकी उपलब्धता से जुड़े व्यापक मुद्दे पर सुनवाई करेगा। यह कार्रवाई 'वर्किंग ग्रुप ऑन एक्सेस टू मेडिसिन्स एंड ट्रीटमेंट' के संयोजकों ज्योत्सना सिंह और के.एम. गोपाकुमार की ओर से भेजे गए प्रतिनिधित्व के आधार पर की गई। कैंसर और ऐसी ही मुश्किल से ठीक होने वाली बीमारियों के इलाज के लिए पेटेंट वाली दवाओं की बहुत ज्यादा कीमतों के मुद्दे पर केंद्र सरकार से जवाब मांगने से पहले, बेंच ने हाई कोर्ट में हुई देरी पर नाराजगी जताई।

मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित एक महिला ने 2022 में 'रिबोसिक्लिब' दवा पाने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। धारा 100 केंद्र सरकार को सार्वजनिक हित और जनस्वास्थ्य की रक्षा के लिए पेटेंट प्राप्त आविष्कार के उपयोग की अनुमति देती है। हालांकि, केंद्र सरकार ने हाईकोर्ट में कहा था कि मौजूदा परिस्थितियां ऐसी नहीं हैं जिन्हें राष्ट्रीय आपातस्थिति माना जाए। इसलिए इस प्रावधान का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केरल हाईकोर्ट में हुई देरी पर भी नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि जून से सितंबर 2022 के बीच कई बार सुनवाई सूचीबद्ध होने के बावजूद समय पर फैसला नहीं हो सका और इस बीच याचिकाकर्ता की मौत हो गई।

अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से महंगी पेटेंट दवाओं की कीमतों और आम मरीजों की पहुंच सुनिश्चित करने के संबंध में जवाब मांगा है। यह मामला भविष्य में कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों की जीवनरक्षक दवाओं को किफायती बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मिसाल बन सकता है।

पारसनाथ की पहाड़ी से कभी निकलते थे करोड़ों के इनामी नक्सली कमांडर

अब गूंजती है सुरक्षा बलों की बूट की आवाज

धनबाद, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कभी जिस पारसनाथ की तराई को माओवादी संगठन की सबसे सुरक्षित शरणस्थली और 'नक्सलियों का नैहर (मायके)' कहा जाता था, आज वो इलाका सुरक्षा बलों के लगातार अभियानों के बाद लगभग नक्सल मुक्त हो चुका है। अब यहां नक्सलियों की गोली की तड़-तड़ाहट की आवाज नहीं, सुरक्षा बलों की बूट की आवाज गूंजती है। इस बूट की आवाज से स्थानीय ग्रामीणों को भय नहीं सुकून महसूस होता है।

गृह मंत्री अमित शाह के नक्सली मुक्त झारखंड अभियान के बाद पारसनाथ, टुंडी, गोमियां, दनियां समेत कई प्रमुख नक्सलियों के गढ़ माने जाने वाला क्षेत्रों में आज शांति का माहौल है। पारसनाथ की जिस धरती से भाकपा (माओवादी) के कई बड़े कमांडर निकले, जहां से संगठन को नेतृत्व और कैडर मिलते थे, वहीं अब गिरफ्तारी, मुठभेड़ों और आत्मसमर्पण की लगातार घटनाओं ने माओवादी नेटवर्क की जड़ें लगभग ध्वस्त कर दी है। कहा जाता है कि बंगाल के नक्सलबाड़ी से उठे आंदोलन की लपटें झारखंड में पारसनाथ की तराई धनबाद के टुंडी और गिरिडीह के पीरटांड़ तक पहुंचीं, जहां एमसीसी के संस्थापक नेताओं में गिने जाने वाले कन्हाई चटर्जी ने संगठन का विस्तार किया। दुर्गम जंगलों और पहाड़ी भूगोल ने इस क्षेत्र को वर्षों तक माओवादियों का अभेद्य गढ़ बनाए रखा था।

अफसर को तनखैया बताने के मामले में सपा नेता आजम खां की अपील खारिज

दो साल की सजा बरकरार

रामपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव-2019 के दौरान चुनावी सभा में अधिकारी को तनखैया बताने के मामले में सपा नेता आजम खां को राहत नहीं मिली। निचली अदालत से मिली दो वर्ष की सजा के खिलाफ दायर उनकी अपील को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) ने खारिज कर दिया है। अदालत ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए सजा और जुर्माने के आदेश को बरकरार रखा है। मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान का है। चुनाव प्रचार के दौरान थाना भोट क्षेत्र के गांव मनकरा में आयोजित एक जनसभा में आजम खां ने मंच से

अधिकारियों को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। प्रशासन ने इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना था। इस बयान के संबंध में तत्कालीन उप जिलाधिकारी घनश्याम त्रिपाठी की ओर से भोट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मुकदमे की सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में हुई।

सुनवाई के बाद अदालत ने 16 मई 2026 को आजम खां को दोषी करार देते हुए विभिन्न धाराओं में दो-दो वर्ष के कारावास और प्रत्येक धारा में पांच-पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए आजम खां ने एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) में अपील दाखिल की थी। अपील पर सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी दलीलें पेश कीं। शासकीय अधिवक्ता सीमा राणा ने अदालत के समक्ष अभियोजन पक्ष का पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि बहस पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। शनिवार को सुनाए गए फैसले में सेशन कोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को सही मानते हुए आजम खां की अपील खारिज कर दी।

168 रुपए प्रति लीटर होगा प्योर पेट्रोल का रेट

एथेनॉल विवाद के बीच खुद नितिन गडकरी ने बताया

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एथेनॉल मिक्स पेट्रोल यानी ई20 या ई25 को लेकर चल रहे विवाद पर डिटेल से अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा है कि उनका मकसद किसी एक तरह के ईंधन का प्रचार करना नहीं है, बल्कि भारत को फॉसिल फ्यूल आयात पर निर्भरता से बाहर निकालना, प्रदूषण कम करना और किसानों की आय बढ़ाना है। हाल ही में हुए एक मीडिया इंटरव्यू में गडकरी ने भविष्य में प्योर पेट्रोल की क्या कीमत हो सकती है, इसका भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि अगर अलग से शुद्ध पेट्रोल मिलता है तो इसकी कीमत कितनी हो तक हो सकती है और एथेनॉल मिक्स ईंधन कितना सस्ता होगा।

कितने का होगा प्योर पेट्रोल?

इंटरव्यू में गडकरी ने कहा कि फ्यूचर में अगर ग्राहकों को अलग-अलग ऑप्शन दिए जाते हैं तो 100% पेट्रोल की कीमत लगभग 168 रुपए प्रति लीटर तक हो सकती है, जबकि एथेनॉल मिक्स पेट्रोल की कीमत इससे काफी कम ही होगी। उन्होंने ये भी कहा कि इथेनॉल की खरीद सरकार लगभग 54 रुपए से 66 रुपए प्रति लीटर की दर पर करती है।

एथेनॉल वाली गाड़ियां हैं तैयार?

गडकरी के अनुसार, कई ऑटोमोबाइल कंपनियां फ्लेक्स-फ्यूल इंजन तैयार कर चुकी हैं। ये गाड़ियां 100% पेट्रोल, 100% एथेनॉल या पेट्रोल दोनों पर चल सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि टोयोटा, मारुति सुज़ुकी, टाटा मोटर्स, महिंद्रा, हुंडई समेत कई कंपनियां इस तकनीक पर काम कर चुकी हैं। वहीं बजाज, टीवीएस, हीरो और होंडा ने भी फ्लेक्स-फ्यूल टू-व्हीलर तैयार किए हैं।

ई20 से इंजन हो रहे खराब?

सोशल मीडिया पर ई20 पेट्रोल से इंजन खराब होने के दावों पर गडकरी ने कहा कि अभी तक सरकार या गाड़ी बनाने वालों के पास ऐसा कोई ठोस डेटा नहीं है जिससे ये साबित हो कि ई20 पेट्रोल की वजह से इंजन खराब हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में ई20 लागू करने से पहले सालों तक जांच किए गए हैं और अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर इसे मंजूरी मिली है।

किसानों को कैसे होगा फायदा?

इंटरव्यू में गडकरी ने कहा कि एथेनॉल नीति का सबसे बड़ा फायदा किसानों को हुआ है। उनके मुताबिक, मक्के की कीमत 1,200 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,600 से 2,800 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंची है। इससे बिहार और उत्तर प्रदेश के किसानों को लगभग 45,000 रुपए करोड़ का लाभ मिला है। चीनी मिलों का किसानों पर बकाया भी काफी हद तक कम हुआ।

प्रदूषण कम करने पर जोर-

गडकरी ने कहा कि भारत हर साल पेट्रोलियम आयात पर लाखों करोड़ रुपये खर्च करता है। अगर देश बायोफ्यूल और दूसरे ईंधनों की ओर तेजी से बढ़ता है तो आयात बिल कम होगा, विदेशी मुद्रा बचेगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी। असल में भारत का लक्ष्य 2070 तक कार्बन न्यूट्रल बनना है और इसके लिए एथेनॉल जैसे दूसरे ईंधन जरूरी हैं।

एथेनॉल कॉन्ट्रोवर्सी पर क्या बोले गडकरी?

सोशल मीडिया पर एथेनॉल को लेकर चल रहे विरोध को लेकर गडकरी ने कहा कि कुछ लोगों के पास पूरी जानकारी नहीं है, जबकि कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने ई20 लागू करने से पहले ऑटोमोबाइल कंपनियों, रिसर्च एजेंसियों और तकनीकी संस्थानों के साथ सारे जांच किए थे, इसलिए लोगों को अफवाह के बजाय सच्चाई पर भरोसा करना चाहिए।

चीन के एआई मॉडल ने बढ़ाई टेंशन

एनवीडिया से छिना नंबर-1 का ताज! एप्पल ने फिर मारी बाजी

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तेजी से बढ़ती दुनिया में सबसे बड़ी चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया को बड़ा झटका लगा है। शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में आई गिरावट के बाद एनवीडिया दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी नहीं रही। उसकी जगह एप्पल ने एक बार फिर पहला स्थान हासिल कर लिया है।

एनवीडिया मई 2025 से लगातार दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बनी हुई थी, लेकिन शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में करीब 3.7% की गिरावट आई। इसके बाद कंपनी का मार्केट कैप घटकर करीब 4.8 ट्रिलियन डॉलर रह गया। वहीं दूसरी ओर, एप्पल के शेयरों में 0.4% की मामूली बढ़त देखने को मिली। इस बढ़त के साथ एप्पल का मार्केट कैप करीब 4.9 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया और उसने फिर से दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी का ताज अपने नाम कर लिया।

क्यों गिरे एनवीडिया के शेयर?

एक्सपर्ट्स का कहना है कि निवेशकों का भरोसा फिलहाल एआई इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कंपनियों पर थोड़ा कमजोर पड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में एआई सेक्टर में भारी निवेश हुआ है, लेकिन अब निवेशक सोच रहे हैं कि कहीं यह निवेश अपने चरमपर तो नहीं पहुंच गया। यही वजह है कि कई निवेशक एआई कंपनियों से पैसा निकालकर सुरक्षित मानी जाने वाली कंपनियों में निवेश कर रहे हैं।

चीन के एआई स्टार्टअप ने बढ़ाई चिंता

इस गिरावट की एक बड़ी वजह चीन से आई खबर भी मानी जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन के एआई स्टार्टअप मूनशॉट ने एक नया और बेहद एडवांस एआई मॉडल तैयार किया है। दावा किया जा रहा है कि यह मॉडल ओपनएआई और एन्थ्रोपिक जैसी अमेरिकी एआई कंपनियों को कड़ी टक्कर दे सकता है। ये दोनों अमेरिकी कंपनियां अपने एआई सिस्टम को चलाने के लिए बड़े पैमाने पर एनवीडिया के एआई चिप्स का इस्तेमाल करती हैं। ऐसे में निवेशकों को डर है कि अगर नए एआई मॉडल कम संसाधनों में बेहतर प्रदर्शन करने लगे, तो भविष्य में एनवीडिया के महंगे एआई चिप्स की मांग कम हो सकती है।

मुर्गियों की महंगी डाइट ने बढ़ाए अंडों के दाम, चिकन के भाव में भी तेजी!

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अगर आप रोजाना अंडे खाते हैं तो आपके लिए यह खबर जरूरी है। देशभर में अंडों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और कई जगहों पर अब एक अंडा 8.5 से 9 रुपये तक बिक रहा है। पोल्ट्री उद्योग का कहना है कि इसकी सबसे बड़ी वजह पोल्ट्री फीड की बढ़ती कीमत है। हालांकि, उद्योग को उम्मीद है कि जुलाई के आखिर से कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है।

पोल्ट्री कंपनियों का कहना है कि मुर्गियों के चारे में इस्तेमाल होने वाले मक्का, सोयाबीन खली और विदेशों से आने वाले कुछ जरूरी फीड इंग्रीडिएंट्स काफी महंगे हो गए हैं। इसकी एक बड़ी वजह पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष भी है, जिससे आयात और सप्लाई प्रभावित हुई है।

नेशनल एग कोऑर्डिनेशन कमेटी के आंकड़ों के अनुसार, हैदराबाद में अंडों की एक्स-फार्म कीमत एक महीने में 15% और पिछले साल के मुकाबले करीब 40% बढ़ गई है। पोल्ट्री कंपनी वेंकटेश्वरा हैचरीज के मुताबिक, मार्च के बाद से पोल्ट्री फीड में इस्तेमाल होने वाली लगभग हर चीज महंगी हुई है। मुर्गियों के चारे का लगभग 55% हिस्सा मक्का होता है। यहाँ मार्च के बाद 35% से ज्यादा महंगा हो चुका है। सोयाबीन खली की हिस्सेदारी करीब 22% होती है। इसकी कीमत 64% से ज्यादा बढ़ गई है। इसके अलावा, फीड में इस्तेमाल होने वाले जरूरी एमिनो एसिड की कीमत मार्च से अब तक 3.5 गुना बढ़ चुकी है।

मक्का की मांग अब सिर्फ पोल्ट्री उद्योग तक सीमित नहीं है। एथेनॉल बनाने वाली कंपनियां भी बड़ी मात्रा में मक्का खरीद रही हैं।

इससे इसकी कीमतों में तेजी आई है। दूसरी ओर, इस साल अनियमित मानसून ने किसानों और उद्योग की चिंता बढ़ा दी है। बारिश समय पर और समान रूप से नहीं होने से खरीफ और रबी फसलों के उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है।

उद्योग के मुताबिक, भारत में पिछले साल सोयाबीन का उत्पादन करीब 20% कम रहा। अगर इस साल भी मानसून कमजोर रहा तो उत्पादन और घट सकता है, जिससे कीमतें और बढ़ सकती हैं।

तेज गर्मी से चिकन भी हुआ महंगा

इस साल जून तक पड़ी भीषण गर्मी का असर सिर्फ अंडों पर ही नहीं, बल्कि चिकन पर भी पड़ा। ज्यादा गर्मी के कारण ब्रॉयलर चिकन का उत्पादन घट गया, जिससे बाजार में चिकन की कीमत बढ़ गई। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, कई शहरों में चिकन का खुदरा भाव 250 से 260 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है।

विझिंजम बंदरगाह 18 अगस्त से निर्यात-आयात का पूर्ण परिचालन शुरू करेगा, जानिए इससे कैसे मिलेगा

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। केरल सरकार ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह 18 अगस्त से पूर्ण निर्यात-आयात परिचालन शुरू करेगा। यह बंदरगाह अब एक ट्रांसशिपमेंट केंद्र से पूर्ण अंतरराष्ट्रीय कार्गो प्रवेश द्वार में बदल जाएगा। मुख्यमंत्री वी डी सतीशन पहले निर्यात कंटेनर को हरी झंडी दिखाएंगे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर राज्य सरकार 'मिशन समुद्र' कारोबार शिखर सम्मेलन का आयोजन करेगी।

यह शिखर सम्मेलन वैश्विक शिपिंग कंपनियों, लॉजिस्टिक्स कंपनियों, निर्यातकों, निवेशकों और उद्योग जगत के अग्रणी लोगों को एक साथ लाएगा। राज्य सरकार अपनी दीर्घकालिक समुद्री विकास पहल 'मिशन समुद्र' का भी आधिकारिक अनावरण करेगी। साथ ही, यह समुद्री-नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि के लिए केरल का दृष्टिकोण प्रस्तुत करेगी।

विझिंजम बंदरगाह कैसे बना एक वैश्विक केंद्र?

केरल सरकार और अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत इस बंदरगाह को विकसित किया है। विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते कंटेनर बंदरगाहों में से एक के रूप में उभरा है। इसने वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने के केवल 18 महीनों के भीतर 20 लाख टीईयू संभाले हैं। बंदरगाह ने दुनिया के कुछ सबसे बड़े मदर शिप भी प्राप्त किए हैं। यह विझिंजम की विश्व स्तरीय समुद्री केंद्र के रूप में उत्कृष्ट क्षमता को दर्शाता है। केरल सरकार ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह 18 अगस्त से पूर्ण निर्यात-आयात परिचालन शुरू करेगा। यह बंदरगाह अब एक ट्रांसशिपमेंट केंद्र से पूर्ण अंतरराष्ट्रीय कार्गो प्रवेश द्वार में बदल जाएगा। मुख्यमंत्री सतीशन पहले निर्यात कंटेनर को हरी झंडी दिखाएंगे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर राज्य सरकार 'मिशन समुद्र' कारोबार शिखर सम्मेलन का आयोजन करेगी। यह शिखर सम्मेलन वैश्विक शिपिंग कंपनियों, लॉजिस्टिक्स कंपनियों, निर्यातकों, निवेशकों और उद्योग जगत के अग्रणी लोगों को एक साथ लाएगा। राज्य सरकार अपनी समुद्री विकास पहल 'मिशन समुद्र' का भी आधिकारिक अनावरण करेगी। साथ ही, यह समुद्री-नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि के लिए केरल का दृष्टिकोण प्रस्तुत करेगी।

सब्सिडी का 'त्रिदेव' संकट

एलपीजी फूड और फर्टिलाइजर के बढ़ते खर्च से बिगड़ेगा गणित

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। देश के सामने सब्सिडी का 'त्रिदेव' संकट मंडराता दिख रहा है। इनमें एलपीजी, फूड और फर्टिलाइजर के बढ़ते खर्च शामिल हैं। इन पर होने वाला खर्च सरकार का बजट बिगाड़ सकता है। वित्त वर्ष 2026-27 में अकेले एलपीजी सब्सिडी पर सरकार का खर्च 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकता है। यह केंद्रीय बजट में तय किए गए 30,000 करोड़ रुपये से कहीं ज्यादा है। पीएल कैपिटल की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बजट में तय 300 अरब रुपये का प्रावधान पहले ही पार हो चुका है। अभी हर एलपीजी सिलेंडर पर सब्सिडी का नुकसान 490 रुपये होने का अनुमान है। अगर खर्च इसी रफ्तार से जारी रहा तो फाइनेंशियल ईयर के आखिर तक कुल एलपीजी सब्सिडी बिल 1 ट्रिलियन रुपये से ज्यादा हो सकता है। इसमें कहा गया है, 'हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में सब्सिडी के लिए तय 300 अरब रुपये का आवंटन पहले ही पार हो चुका है। अभी प्रति सिलेंडर एलपीजी सब्सिडी का नुकसान 490 रुपये है। मौजूदा दर से एलपीजी सब्सिडी 1 ट्रिलियन रुपये से ज्यादा हो सकती है।'पीएल कैपिटल ने सब्सिडी के बढ़ते बोझ की वजह सरकार और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के उस फैसले को बताया है, जिसके तहत वे जारी युद्ध की स्थिति के बीच ईंधन और एलपीजी की ज्यादा कीमतों का बड़ा हिस्सा खुद उठा रही हैं।

मुख्य सब्सिडी पर खर्च किए 755.4 अरब रुपये

रिपोर्ट में यह भी दिखाया गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत में सब्सिडी पर खर्च तेजी से बढ़ा है। अप्रैल और मई 2026 के बीच, सरकार ने मुख्य सब्सिडी पर 755.4 अरब रुपये खर्च किए। यह पिछले साल इसी अवधि में 512.5 अरब रुपये थे (यानी 47% ज्यादा)। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा फूड सब्सिडी का था। यह 279.9 अरब रुपये से बढ़कर 408.0 अरब रुपये हो गई (46% की बढ़ोतरी)। न्यूट्रिएंट-बेस्ड फर्टिलाइजर सब्सिडी पर खर्च सालाना आधार पर 39% बढ़कर 60.1 अरब रुपये हो गया। वहीं, यूरिया सब्सिडी 189.5 अरब रुपये से 50% बढ़कर 284.5 अरब रुपये हो गई।पेट्रोलियम सब्सिडी अप्रैल-मई 2026 के दौरान 2.8 अरब रुपये रही।

घाटे के बावजूद नहीं रुकेगी एयर इंडिया की उड़ान

5 साल में दोगुनी होगी क्षमता, सीसीओ निपुण अग्रवाल का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया ने साफ कर दिया है कि भारी घाटे और बढ़ती चुनौतियों के बावजूद वह अपने विस्तार की योजना को नहीं रोकेगी। कंपनी का लक्ष्य अगले 5 सालों में मौजूदा उड़ानों की क्षमता बढ़ाने, नए अंतरराष्ट्रीय शहरों को जोड़ने और भारत को ग्लोबल एविएशन हब बनाना है।

एयर इंडिया के चीफ कमर्शियल ऑफिसर निपुण अग्रवाल ने कहा कि कंपनी चाहती है कि दुनिया का हर बड़ा शहर सीधे भारत से जुड़ सके। उनका कहना है कि एयर इंडिया को ऐसी एयरलाइन बनाना लक्ष्य है, जिस पर हर भारतीय को गर्व हो।

600 से ज्यादा विमानों का ऑर्डर

एयर इंडिया ने 2023 में एयरबस और बोइंग से 470 नए विमानों का ऑर्डर दिया था। इसके बाद 2024 में कंपनी ने 300 और विमान खरीदने का फैसला किया। यानी कुल 770 नए विमानों का ऑर्डर दिया जा चुका है। इनमें से ज्यादातर विमान अभी एयरलाइन को मिलने बाकी हैं। इन नए विमानों के जरिए कंपनी नई उड़ानें शुरू करेगी और कई मौजूदा रूट्स पर फ्लाइट्स की संख्या भी बढ़ाएगी।

भारी घाटे के बावजूद जारी रहेगा विस्तार

हाल ही में टाटा संस के बोर्ड ने एयर इंडिया के लगातार बढ़ रहे घाटे पर चिंता जताई थी। यहां तक कि कुछ विमानों की डिलीवरी टालने पर भी चर्चा हुई थी। टाटा ग्रुप ने 2022 में एयर इंडिया को सरकार से खरीदा था, लेकिन वित्त वर्ष 2026-27 में एयरलाइन को 27,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का घाटा हुआ।

क्यों बढ़ा नुकसान?

एयर इंडिया के घाटे की कई बड़ी वजहें हैं। सबसे बड़ी समस्या पाकिस्तान का एयरस्पेस बंद होना है। इससे यूरोप और अमेरिका जाने वाली एयर इंडिया की उड़ानों को लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। लंबी उड़ान का मतलब है ज्यादा ईंधन खर्च, मेंटेनेंस लागत में बढ़ोतरी और उड़ान संचालन का खर्च बढ़ना।

इसके अलावा पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव की वजह से एविएशन फ्यूल भी काफी महंगा हो गया है। इन्हीं कारणों एयर इंडिया को जून, जुलाई और अगस्त के दौरान हर दिन 100 से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं।

दिवाली तक 1.60 लाख रुपये पर पहुंचेगा सोना?

लगातार गिरावट के बाद भी एक्सपर्ट की क्या है राय

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है। हालांकि शुक्रवार को इसकी कीमत में कुछ तेजी देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर शुक्रवार को अगस्त डिलीवरी वाला सोना प्रति 10 ग्राम 658 रुपये की तेजी के साथ 1,41,006 रुपये पर बंद हुआ।

वहीं चांदी प्रति किलो 436 रुपये बढ़कर 2,16,449 रुपये पर बंद हुई। एक महीने में सोना करीब 8 फीसदी गिर गया है। सोने में गिरावट के बाद अब निवेशक इसमें तेजी का इंतजार कर रहे हैं। पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और मजबूत होते अमेरिकी डॉलर ने निवेशकों के भरोसे को प्रभावित किया है। हालांकि, अमेरिका के कमजोर महंगाई आंकड़ों से सोने-चांदी को थोड़ा सहारा मिला, लेकिन वे उस चिंता को कम नहीं कर सके कि बढ़ता तनाव फेडरल रिजर्व को ब्याज दरों में कटौती करने से रोक सकता है।

स्मार्टफोन बाजार में बड़ा उलटफेर

3 साल की सबसे बड़ी मंदी, 15000 से सस्ते फोन की बिक्री 45% तक घटी

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के स्मार्टफोन बाजार में जून तिमाही के दौरान सालाना आधार पर 10% की भारी गिरावट दर्ज की गई है। साल 2023 की जनवरी-मार्च तिमाही के बाद से यह पिछले तीन वर्षों में सबसे बड़ी तिमाही गिरावट है। इस मंदी का सबसे गंभीर असर बजट सेगमेंट पर पड़ा है। 15,000 रुपये से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की बिक्री पिछले साल की तुलना में 45% तक घट गई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, इस मंदी ने चीनी स्मार्टफोन ब्रांड्स को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। ऐसा इसलिए क्योंकि वे सस्ते और मिड-रेंज डिवाइसेज पर बहुत अधिक निर्भर हैं। इसके चलते अप्रैल-जून तिमाही में उनकी कुल बाजार हिस्सेदारी साल 2020 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है।

ब्रांड्स का प्रदर्शन और मार्केट शेयर

वीवो : बिक्री में दो अंकों की गिरावट के बावजूद वीवो 17.8% मार्केट शेयर के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार रहा। सैमसंग : टॉप-5 ब्रांड्स में सैमसंग इकलौता ऐसा ब्रांड रहा जिसने 2% की बढ़त दर्ज की। इसने 17.6% मार्केट शेयर के साथ वीवो से अपना अंतर बेहद कम कर लिया है। ओप्पो : 13.6% शेयर के साथ ओप्पो तीसरे स्थान पर रहा। इसने 20,000 रुपये से महंगे फोन की मजबूत मांग के दम पर मंदी के असर को संभाला। शाओमी : बार-बार कीमतें बढ़ाने के कारण ग्राहकों की मांग कमजोर हुई और शाओमी (पोको सहित) 13.4% हिस्सेदारी के साथ चौथे स्थान पर खिसक गया। रियलमी : यह ब्रांड भी गिरावट के साथ 10% मार्केट शेयर पर रहा। एपल : आईफोन 17 सीरीज की मजबूत मांग के बावजूद, सप्लाई चेन में दिक्कतों और स्टॉक की कमी के कारण एपल की बिक्री में भी 3% की गिरावट आई और इसकी बाजार हिस्सेदारी 7% रही। काउंटरपॉइंट के सीनियर एनालिस्ट प्राचिर सिंह के मुताबिक, स्मार्टफोन में इस्तेमाल होने वाली मेमोरी (रैम और स्टोरेज) की कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी इस मंदी की मुख्य वजह रही है। सितंबर 2025 से स्मार्टफोन मेमोरी की कीमतें लगभग चार गुना बढ़ चुकी हैं। इस वजह से कंपनियों को इस साल कई बार फोन के दाम बढ़ाने पड़े, जिससे जून तिमाही के अंत तक स्मार्टफोन की औसत कीमतें करीब 15% बढ़ गईं। साथ ही, बढ़ती महंगाई के कारण लोगों ने नया फोन खरीदना या अपग्रेड करना टाल दिया है।

4जी और प्रीमियम सेगमेंट का सहारा

मंदी से निपटने के लिए कई ब्रांड्स ने बजट सेगमेंट में फिर से अपने 4जी पोर्टफोलियो का विस्तार किया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	कर्क	मे	कर्क--- 05-44	बजे
चंद्र	कन्या	मे	सिंह--- 07-57	बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या-- 10-04	बजे
बुध	मिथुन	मे	तुला----12-09	बजे
गुरु	कर्क	मे	वृश्चिक--14-18	बजे
शुक्र	सिंह	मे	धनु---- 16-32	बजे
शनि	मीन	मे	मकर-- 18-38	बजे
राहु	कुंभ	मे	कुंभ--- 20-29	बजे
केतु	सिंह	मे	मीन--- 22-08	बजे
			मेष---- 23-44	बजे
			वृष-----01-28	बजे
			मिथुन--03-32	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर, ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551, राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्योदय 05-53
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष, सूर्यास्त. 18 -50
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्ल पक्ष रविवार 19 July 2026
तिथि - षष्ठी 03-30 तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 18-12 तक उप हस्त
योग - परिघ 19-22 तक उप शिव
करण - कौलव 15-31 तक उप गर
विशेषः स्कन्द कुमार षष्ठी
सर्वार्थसिद्ध योग 06-01 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 17-15 से 18-52 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 05-53 - 07-30 अशुभ	शुभ। 18-50 - 20-15 शुभ
चंचल. 07-30 - 09-07 शुभ	अमृत 20-15 - 21-37 शुभ
लाभ 09-07 - 10-45 शुभ	चंचल 21-37 - 23-00 शुभ
अमृत. 10-45 - 12-22 शुभ	रोग 23-00 - 00-23 अशुभ
काल 12-22 - 13-59 अशुभ	काल 00-23 - 01-45 अशुभ
शुभ 13-59 - 15-37 शुभ	लाभ 01-45 - 03-08 शुभ
रोग 15-37 - 17-15 अशुभ	उत्पात 03-08 - 04-30 अशुभ
उत्पात 17-15 - 18-50 अशुभ	शुभ 04-30 - 05-53- शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आप समस्या पैदा नहीं करते, लेकिन आज आप अपने को घिरा हुआ पाएंगे । आप अपना आपा खो सकते है। आप अपने को शांत बनाए रखे और समस्याओं को एक एक करके निपटे । आपको देर तक अपने कार्यालय में कार्य करना पड़ सकता है । शाम तक की अपनी प्रतिबद्धताओं को रद्द कर दे । अपने कार्य को ढंग से समाप्त करने की और ध्यान लगाएं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
ऐसा लग रहा है की अपने कार्यस्थल के लिए आपकी यात्रा की लागत में दिन ब दिन बढ़ोतरी हो रही है । इसके अलावा ऑफिस की राजनीति आपके खिलाफ काफी मजबूत है और आप के खिलाफ प्रयुक्त हो रही है, लेकिन आप हमेशा की तरह काम करना जारी रखे और आपको जल्दी ही पदोनत्ति मिल सकती है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं । आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है, क्योकि आपको लगेगा की आपका करियर रुक सा गया है । हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है । आप सही रास्ते पर हैं ।अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे ।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं । सफलता अब सहजता से आएगी, लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की भाग्य की भूमिका भी उतनी ही है जितनी आपकी क्षमता, लेकिन ये जरुरी नहीं की भाग्य हमेशा आपका साथ दे ।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा, लेकिन आपको अपने जरुरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है । अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलती अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है, इसलिए अगर आपका मन बाहर जाने का कर रहा है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप किसी भी सरकारी हस्तक्षेप के बिना छुट्टियों के कुछ दिन बिताने के बाद अब वापस अपनी कार्य करने की शैली में वापस आ गए है, लेकिन आपके ग्राहकों, सहयोगियों के व्यवहार से ऐसा नहीं लगता । उन्हें समझे और उनकी समस्याओं के प्रति सम्मान दिखाए । उन्हें कार्यो से हटकर कुछ मानसिक शांति देने का प्रयास करे लेकिन उन्हें ऐसा न लगे की आप उन पर कोई एहसान कर रहे है ।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
अपनी नौकरी के क्षेत्र मैं बदलाव लाने का ये उपयुक्त समय है । अगर आप नौकरी से सम्बंधित किसी दुविधा में थे तो ये समय नौकरी में परिवर्तन लाने का समय है जो की आपको उचित दिशा में ले जाएगा और आपके लिए फायदेमंद होगा । इस उपरांत अगर आपको कुछ जोखिम लेना पड़े तो न सोचे क्योकि यह जोखिम ही आपको अंत में मददगार साबित होगा ।

वृश्चिक तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं । आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी । आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे, हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा ।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आज कुछ प्रमुख व्यय के लिए आप योजना बनाने के लिए जा रहे हैं लेकिन इस खर्चे पर आपकी नजर रहेगी । आज का दिन वित्तीय योजना बनाने के लिए एकदम सही है और कुछ कार्य जो की कुछ समय से अधूरे थे उन्हें पूरा करना का भी उचित समय है । आज आप अपनी बचत और परिसंपत्तियों की एक पूरी सूची के साथ बैठे और उन्हें व्यवस्थित करे।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
एक दुर्लभ नौकरी का अवसर आज आपके दरवाजे पर दस्तक देने के लिए आ रहा है। यह विचार करने पर कुछ हद तक जोखिम भरा लगेगा, लेकिन आप उस पर कार्रवाई करते हैं, तो आप अपने कैरियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं। सुरक्षित और संकीर्ण रास्ते की तुलना में ये समय जोखिम लेने के लिए है ताकि जो आप अपने जीवन में करना चाहते है वो पूरा हो ।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपको लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मुश्किलो का सामना करना पड़ सकता हैं । उन क्षेत्रों को देखे जहा पहले आपने कार्य नहीं किया है । अन्वेषण आप के लिए आज महत्वपूर्ण रहेगा ।आपको कुछ सार्थक मिल सकता है। अगर आप अपनी नौकरी स्थानांतरण की योजना बना रहे है, तो आज का दिन काफी शुभ हो सकता है ।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
आज आप सबसे बड़े ग्राहकों में से एक के साथ अपने सौदे को अंतिम रूप दे सकते है। उनके साथ एक लंबी अवधि के अनुबंध पर आप हस्ताक्षर करने के लिए आगे बढे । ग्राहक वित्तीय संसाधनों से परिपूर्ण है, जिससे की आपके कार्यालय पर वित्तीय बोझ कम होगा । आपको अगर ग्राहकों से और सौदे लेने है तो आपको अपने सामान्य ज्ञान का अच्छा परिचय देना होगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

मोदी सरकार ने राजस्थान के लिए फिर खोला खज़ाना

एक साथ 537 करोड़ मंज़ूर, क्या है ये 'ड्रीम प्रोजेक्ट'?

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही पेयजल की समस्या को स्थाई रूप से समाप्त करने और दूर-दराज के ढाणियों तक स्वच्छ पीने का पानी पहुंचाने की दिशा में राज्य सरकार को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रभावी पैरवी और केंद्र सरकार के साथ निरंतर समन्वय के सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखने लगे हैं, जिसके तहत भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राजस्थान को 537.70 करोड़ रुपये की भारी-भरकम केंद्रीय सहायता राशि स्वीकृत कर दी है। यह विशेष वित्तीय फंड मिलने से प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में चल रही पाइपलाइन और वाटर प्यूरीफिकेशन प्रोजेक्ट्स को एक नई गति मिलेगी और राज्य सरकार का 'हर घर जल' का संकल्प और अधिक सशक्त होकर उभरेगा।

केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई यह राशि असल में जल जीवन मिशन के प्रथम चरण की समाप्ति और दूसरे चरण के शुरू होने के बीच की अंतरिम अवधि में राजस्थान सरकार द्वारा अपने संसाधनों से किए गए अतिरिक्त खर्च की प्रतिपूर्ति के रूप में दी जा रही है।

जल जीवन मिशन

राजस्थान बना देश का टॉप निवेश डेस्टिनेशन, 1 महीने में ही आ गए 1.03 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव, रिपोर्ट में खुलासा

केंद्र सरकार की आधिकारिक स्वीकृति के अनुसार, इस पूरे 537.70 करोड़ रुपये के बजट को सामाजिक और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के आधार पर तीन मुख्य भागों में विभाजित किया गया है, ताकि समाज के हर वंचित तबके तक पानी की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। सामान्य क्षेत्र के लिए: ग्रामीण इलाकों के सामान्य घटकों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 307.45 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। अनुसूचित जाति घटक: दलित बाहुल्य ग्रामीण क्षेत्रों में पाइपलाइन नेटवर्क बिछाने के लिए 177.73 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान है।

अनुसूचित जनजाति घटक: राज्य के आदिवासी और पहाड़ी क्षेत्रों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 52.52 करोड़ रुपये की राशि सुरक्षित की गई है।

जल जीवन मिशन के मिशन निदेशक राजन विशाल ने बताया कि 1 अप्रैल 2026 के बाद से राज्य सरकार ने इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि कागजी कार्यवाही को छोड़कर अब सीधे ग्राउंड पर रिजल्ट दिखाया जाए। प्रदेश में भौतिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुकी 3,241 पेयजल योजनाओं में से 2,520 योजनाओं का बहुत जल्द चरणबद्ध तरीके से 'जल अर्पण' कर जनता को समर्पित किया जाएगा। लगभग 713 करोड़ रुपये मूल्य के ऐसे पुराने वाउचर्स की पहचान की गई है जो पहले राष्ट्रीय पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो रहे थे, उन्हें अब लाइव एंट्री के लिए भेजा गया है। इसके साथ ही 3,346 पुरानी योजनाओं के एकमुश्त निपटान के लिए भी 537 करोड़ रुपये का अप्रूवल मिल चुका है।

'हर घर जल' का लक्ष्य केवल कागजों तक सीमित न रहे, इसके लिए सर्टिफिकेशन प्रक्रिया को कड़ा किया गया है। अब तक राज्य के 2,212 से अधिक गांवों को 'हर घर जल' प्रमाणित घोषित किया जा चुका है, जिसमें से 705 नए प्रमाण-पत्र तो पिछले मात्र 2 महीनों में ही जारी किए गए हैं।

सचिन पायलट की 'एन्ट्री', करोड़ों के गबन मामले में नया ट्विस्ट, पूर्व विधायक सोलंकी का अनशन ख़त्म

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के चाकसू में पिछले 9 दिनों से चल रहा गतिरोध आखिरकार समाप्त हो गया है। मामला स्थानीय महिला सेवा सहकारी समिति से जुड़ा है जो करोड़ों रुपये के कथित वित्तीय गबन और घोटाले के आरोपों को लेकर कटघरे में है। इसी सिलसिले में पीड़ित जमाकर्ताओं को न्याय दिलाने की मांग को लेकर चाकसू के पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी पिछले 9 दिन से लगातार आमरण अनशन और भूख हड़ताल पर बैठे थे। लेकिन शुक्रवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और पूर्व सीएम सचिन पायलट ने चाकसू स्थित धरना स्थल पहुंचे और पीड़ितों की बात सुनी। उन्होंने आंदोलन को अपना समर्थन देते हुए सहकारिता विभाग के उच्च अधिकारियों से मौके पर ही बात की। इसके बाद पायलट ने सोलंकी को अपने हाथों से जूस पिलाकर उनका 9 दिन लंबा अनशन आधिकारिक रूप से समाप्त करवाया। सैकड़ों ग्रामीण परिवारों और छोटे निवेशकों के बीच अपना फंसा हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद जाग गई, जो कई महीनों से सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे थे। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की गाढ़ी कमाई डूबने से बचाने के लिए चल रहे इस आंदोलन में प्रशासनिक अमले को आखिरकार झुकना पड़ा।

सचिन पायलट ने पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी की भूख हड़ताल खत्म की

3 महीने में जांच पूरी करने का वादा: धरना स्थल पर पहुंचे सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से आश्वासन दिया है कि दोषी महिला सहकारी समिति के खिलाफ चल रही वित्तीय गबन की विस्तृत जांच को आगामी 3 माह के भीतर पूरी तरह मुकम्मल कर लिया जाएगा।

शीघ्र भुगतान की प्रक्रिया: अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि जांच प्रक्रिया पूरी होते ही सभी प्रभावित जमाकर्ताओं और निवेशकों का फंसा हुआ पैसा शीघ्र भुगतान के जरिए उनके बैंक खातों में ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसी ठोस आश्वासन के बाद ही सोलंकी ने अपना अनशन खत्म करने का फैसला किया।

यह पूरा मामला चाकसू की स्थानीय महिला सेवा सहकारी समिति से जुड़ा हुआ है, जहां क्षेत्र की सैकड़ों ग्रामीण महिलाओं और किसानों ने अपनी भविष्य की बचत के पैसे जमा किए थे।

पिछले काफी समय से समिति प्रबंधन द्वारा जमाकर्ताओं को उनकी मैच्योरिटी अवधि पूरी होने के बाद भी भुगतान नहीं किया जा रहा था, जिसके बाद करोड़ों रुपये के गबन की बात सामने आई।

स्थानीय प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से नाराज होकर पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने पीड़ितों के हक के लिए भूख हड़ताल शुरू कर दी थी। जैसे-जैसे दिन बीत रहे थे, सोलंकी के स्वास्थ्य को लेकर भी उनके समर्थकों की चिंताएं लगातार बढ़ती जा रही थीं। सचिन पायलट ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि कोऑपरेटिव सोसायटियों में गरीब जनता का पैसा बेहद खून-पसीने की कमाई का होता है और किसी को भी इसे हड़पने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

बहुचर्चित अवतार सिंह हत्याकांड में ऐतिहासिक फैसला

पूर्व बीजेपी नेता समेत कुल 9 को उम्रकैद

अलवर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर के जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश हरेंद्र सिंह ने वर्ष 2016 के बहुचर्चित अवतार सिंह हत्याकांड में एक ऐतिहासिक और कड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (पाटा) समेत कुल 9 मुख्य आरोपियों को हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास (उम्रकैद) की सख्त सजा सुनाई है। इस मामले में कोर्ट ने सभी दोषियों पर आर्थिक दंड भी लगाया है। 10 साल से अधिक समय तक चली इस लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आए अदालत के इस फैसले ने यह साफ कर दिया है कि अपराध करने वाला व्यक्ति चाहे कितना भी रसूखदार क्यों न हो, वह कानून के लंबे हाथों से

आरोपी पूर्व बीजेपी नेता इंदर जीत सिंह

बच नहीं सकता।

इस फैसले के बाद से ही कोर्ट परिसर के बाहर और पाटा गांव में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए ताकि किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति न बिगड़े।

न्यायाधीश हरेंद्र सिंह ने मामले की गंभीरता और अपराध की क्रूरता को देखते हुए दोषियों को किसी भी प्रकार की राहत देने से साफ इनकार कर दिया। कोर्ट ने कानून की विभिन्न धाराओं के तहत सभी 9 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है और प्रत्येक दोषी पर 1-1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की राशि जमा न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

उम्रकैद की सजा पाने वाले अपराधियों में बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (पाटा), अनूप सिंह, कमलजीत सिंह, गुरवचन सिंह, जसपाल सिंह, कुलवंत सिंह, अमन सिंह, हरविंदर सिंह और विश्वेंद्र सिंह शामिल हैं।

सरकारी वकील और पीड़ित पक्ष की ओर से अदालत में इस जघन्य हत्याकांड को साबित करने के लिए बेहद मजबूत तकनीकी और दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए गए थे।

सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने पर भड़के टीकाराम जूली, बोले- लोकतंत्र का मजाक बना रही है सरकार

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जंतर-मंतर पर पिछले 20 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर अस्पताल ले जाने की कार्रवाई की आलोचना की है। उन्होंने इसे केंद्र सरकार की तानाशाही का उदाहरण बताते हुए कहा कि लोकतंत्र का जिस तरह मजाक वर्तमान सरकार ने बनाया है, वैसा पहले कभी देखने को नहीं मिला। मीडिया से बातचीत में जूली ने कहा कि सोनम वांगचुक पिछले 20 दिनों से विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों, नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और लद्दाख से जुड़े वादों को पूरा कराने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण अनशन पर बैठे थे। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार ने लद्दाख को लेकर कई वादे किए थे लेकिन बाद में उनसे पीछे हट गई। जूली ने कहा कि सरकार ने इतने दिनों तक अनशन को गंभीरता से नहीं लिया। जब पिछले कुछ दिनों में सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ी और उन्हें देश-विदेश से व्यापक समर्थन मिलने लगा, तब पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर अस्पताल पहुंचा दिया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में संवेदनशील होती तो आंदोलन से जुड़े मुद्दों पर पहले बातचीत करती और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर विचार करती।

वसुंधरा 'दुखी आत्मा', उनकी बात बीजेपी की अंदरूनी कलह का संकेत: डोटासरा

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के हालिया बयान को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने वसुंधरा राजे को दुखी आत्मा बताते हुए कहा कि उनके 'दोस्ती-दुश्मनी' वाले बयान भाजपा के भीतर चल रही खींचतान और षड्यंत्रों का परिणाम हैं। हालांकि, उन्होंने राजनीति में कटुता नहीं रखने की राजे की बात का समर्थन भी किया।

डोटासरा ने कहा कि जब विधानसभा के अमृत महोत्सव कार्यक्रम में वसुंधरा राजे बोल रही थीं, तब उनकी नजरें कभी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तो कभी पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की ओर जा रही थीं। उनके

अनुसार, यह साफ संकेत था कि राजे अपनी ही पार्टी के भीतर चल रही परिस्थितियों की ओर इशारा कर रही थीं।

डोटासरा ने कहा कि ₹वसुंधरा राजे दुखी आत्मा हैं। उनके साथ जो व्यवहार हुआ है और जिस तरह उनकी ही पार्टी में उनके खिलाफ षड्यंत्र रचे गए हैं, उसी पीड़ा की झलक उनके भाषण में दिखाई दी। उन्होंने कहा कि भाजपा के अंदर की खींचतान अब सार्वजनिक मंचों पर भी दिखाई देने लगी है।

हालांकि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने यह भी कहा कि राजनीति में व्यक्तिगत कटुता नहीं होनी चाहिए और इस संबंध में वसुंधरा राजे की बात से वह सहमत हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन व्यक्तिगत संबंधों में मर्यादा बनी रहनी चाहिए।

डोटासरा ने इस दौरान राज्य सरकार की तबादला नीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि जरूरतमंद कर्मचारियों के तबादले नहीं हो रहे, जबकि प्रभावशाली लोगों को मनचाही पोस्टिंग दी जा रही है। उनका दावा था कि भाजपा के कई कार्यकर्ता और नेता भी तबादला सूची से नाराज हैं।

प्रबुद्ध नागरिकों के संवाद से मजबूत होगा बैंक-समाज का रिश्ता: सीए मुरली मनोहर पलोड़

भीलवाड़ा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लि. की भीलवाड़ा शाखा द्वारा गुरुवार को रामेश्वरम भवन में प्रबुद्ध नागरिक स्नेह मिलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शहर के प्रबुद्ध नागरिकों से सीधा संवाद कर बैंक की विकास यात्रा, भावी योजनाओं और आधुनिक बैंकिंग सेवाओं की जानकारी साझा करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड़, महाप्रबंधक कमल किशोर राठी, मुख्य अतिथि रामपाल सोनी (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा), पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू, रामेश्वर भवन समिति अध्यक्ष कैलाश कोठारी, प्रदेश माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी, जिला अध्यक्ष अशोक बाहेती, महेश सेवा समिति अध्यक्ष ओम नाराणीवाल, भागचंद कोठारी एवं शाखा प्रबंधक राजेश कुमार जैन ने दीप प्रज्वलन कर किया। चेयरमैन बनने के बाद श्री पलोड़ का यह भीलवाड़ा में पहला आगमन था। इस अवसर पर प्रदेश, जिला एवं नगर माहेश्वरी सभा, महेश बैंक स्टाफ, भीलवाड़ा महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी, वरिष्ठ नागरिक मंच, बैंक ऑफ राजस्थान के पूर्व अधिकारी-कर्मचारी, बैंकर्स क्लब, भारत विकास परिषद, आईसीएआई भीलवाड़ा सहित कई सामाजिक और व्यावसायिक संगठनों ने उनका एवं महाप्रबंधक राठी का तिलक, माला एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड़ ने कहा कि बैंक केवल वित्तीय संस्था नहीं, बल्कि समाज के विश्वास और विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने तकनीकी नवाचार और ग्राहक सेवा को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। मुख्य अतिथि रामपाल सोनी सहित अन्य अतिथियों ने बैंक की प्रगति की सराहना की और कहा कि समाज और बैंक के बीच इस तरह के संवाद कार्यक्रम आज की आवश्यकता हैं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रश्नोत्तरी सत्र रहा। इसमें नागरिकों ने बैंकिंग सेवाओं से जुड़े सवाल पूछे, जिनके चेयरमैन पलोड़ ने सरल और स्पष्ट उत्तर देकर सभी का विश्वास जीता।

आबकारी विभाग की टीम पर हमला, सरकारी वाहन को किया क्षतिग्रस्त, अधिकारी घायल, आरोपियों पर केस

हनुमानगढ़, 18 जुलाई (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ में हथकढ़ शराब मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार करने मक्कासर गांव पहुंची आबकारी विभाग की टीम पर हमले का मामला सामने आया है। इस संबंध में आबकारी प्रहराधिकारी की रिपोर्ट पर जंक्शन थाने में 2 व्यक्तियों के खिलाफ शुक्रवार रात मामला दर्ज कराया गया। जानकारी के अनुसार आबकारी निरोधक दल के प्रहराधिकारी वीरेंद्र सिंह अपनी टीम के साथ फरार आरोपी दीपचंद उर्फ दीपा को पकड़ने शुक्रवार शाम मक्कासर गांव पहुंचे थे। आरोपी के घर पर पूछताछ के बाद टीम वापस लौट रही थी, तभी विक्रम सिंह व एक अन्य ने सरकारी वाहन पर हमला कर दिया। आरोप है कि दोनों ने ईंट-पत्थर फेंके और लाठियों से वार कर वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। बीच-बचाव करने पर प्रहराधिकारी वीरेंद्र सिंह के पैर में चोट लगी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

इस संबंध में आबकारी प्रहराधिकारी वीरेंद्र सिंह की रिपोर्ट पर हनुमानगढ़ जंक्शन थाना पुलिस ने विक्रम सिंह व एक अन्य के खिलाफ राजकार्य में बाधा, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। एक अन्य मामले में हनुमानगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में अवैध हथियारों एवं वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत टाउन थाना पुलिस ने पांच हजार रुपए के इनामी हिस्ट्रीशीटर को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्टल (315 बोर), तीन जिंदा कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

एसपी बी. आदित्य ने बताया कि एएसपी मुख्यालय अरविंद बिश्नोई के सुपरविजन तथा टाउन थाना प्रभारी लखवीर सिंह के नेतृत्व में लखूवाली पुलिस चौकी प्रभारी किशोर मान ने मय टीम शुक्रवार को गांव रणजीतपुरा से मोहनमगरिया मार्ग पर यह कार्रवाई की। पुलिस ने नरेश कुमार भादू (27) पुत्र रामप्रताप जाट, निवासी वार्ड आठ, मिर्जेवाली मेर, थाना तलवाड़ा को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक अवैध देशी पिस्टल (315 बोर), तथा तीन जिंदा कारतूस मोटरसाइकिल (आरजे-31 एसएस-0015) बरामद की गई।

इस संबंध में हनुमानगढ़ टाउन थाने में आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 (1-बी) (ए) के तहत मामला दर्ज कर जांच उपनिरीक्षक राजाराम को सौंपी गई है। कार्रवाई में चौकी प्रभारी किशोर मान, जसवंत सिंह तथा कांस्टेबल रामनारायण की विशेष भूमिका रही।

पुलिस ने घेरा तो पुल से छलांग लगा बैठे पांच बदमाश, मुठभेड़ के बाद हथियार सहित दबोचा

श्रीगंगानगर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब सीमा से सटे प्रदेश के श्री गंगानगर जिले में पुलिस और बदमाशों के बीच देर रात मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस से बचने के लिए भाग रहे पांच बदमाश धींगतानिया पुल से नीचे गिर गए और घायल हो गए। सभी घायलों को पहले सादुलशहर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें श्री गंगानगर जिला अस्पताल रैफर कर दिया गया। मौके से पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से तीन पिस्टल, एक दर्जन से अधिक कारतूस और एक कार बरामद की है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक हरीशंकर के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक शर्मा की निगरानी में एजीटीएफ प्रभारी रामविलास बिश्नोई, डीएसटी प्रभारी जयकुमार भादू और सीआई मलकीयत सिंह की टीम ने संयुक्त रूप से की। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए बदमाश हाल ही में खेरूवाला और छापावाली में हुई फायरिंग की घटनाओं में वांछित थे। इनके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती सहित कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी किसी नई वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे लेकिन पुलिस ने समय रहते उन्हें दबोच लिया। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले का जल्द ही विस्तृत खुलासा किया जाएगा। फिलहाल घायल आरोपियों का इलाज जारी है और उनसे पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जिला पुलिस अधीक्षक हरीशंकर ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। पंजाब सीमा से लगे क्षेत्रों में नाकाबंदी और गश्त बढ़ा दी गई है।

शादी वाले घर में मचा हड़कंप, मिठाई खाने के बाद बिगड़ी तबीयत, 20 लोग अस्पताल में भर्ती

बीकानेर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। शहर में एक विवाह समारोह से पहले मिठाई खाने के बाद करीब 20 लोगों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। इनमें एक ही परिवार के 13 सदस्य शामिल हैं, जिन्हें उपचार के लिए पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी मरीजों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। राधाकिशन कॉलोनी निवासी एक परिवार में 22 जुलाई को विवाह समारोह प्रस्तावित है। इसी सिलसिले में घर में शादी से जुड़े कार्यक्रम चल रहे थे। परिजनों ने बताया कि सुजानदेसर स्थित एक दुकान से चमचम मिठाई मंगवाई गई थी। देर रात परिवार के लोगों ने छेने से बनी यह मिठाई खाई, जिसके कुछ समय बाद कई लोगों को उल्टी, पेटदर्द और बेचैनी की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते एक दर्जन से अधिक लोगों की तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें तत्काल पीबीएम अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां सभी को एचआई वार्ड में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम भी अस्पताल पहुंच गई। डिप्टी सीएमएचओ डॉ. लोकेश गुप्ता ने बताया कि प्रभावित सभी लोग राधाकिशन कॉलोनी के निवासी हैं। प्रारंभिक तौर पर मामला मिठाई खाने के बाद फूड पॉइजनिंग का प्रतीत हो रहा है।

गांव में पैंथरों का आतंक

वन विभाग को मिली सफलता, दो दिन में तीसरा पैंथर भी पिंजरे में कैद

सवाई माधोपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। रणथंभौर टाइगर रिजर्व से सटे फलौदी टोरडा गांव में दहशत का कारण बने पैंथरों को पकड़ने के अभियान में वन विभाग को लगातार सफलता मिल रही है। इसी क्रम में शनिवार देर रात एक और पैंथर वन विभाग के लगाए पिंजरे में कैद हो गया। स्वास्थ्य जांच के बाद उसे रणथंभौर के दूरस्थ वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। पिछले दो दिनों में वन विभाग अब तक तीन पैंथरों का रेस्क्यू कर चुका है। इससे पहले शुक्रवार को भी दो अलग-अलग पिंजरों में दो पैंथर कैद हुए थे। लगातार तीन पैंथरों के पकड़े जाने के बाद गांव के लोगों ने राहत की सांस ली है और वन विभाग की कार्रवाई की सराहना की है।

ऑनलाइन शॉपिंग पर फर्जी रिटर्न करके रिश्तेदारों को महंगे में बेच देते प्रोडक्ट, गैंग का एक और आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर में ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी के साथ फर्जी रिटर्न और रिफंड के जरिए लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। सदर थाना पुलिस ने इस मामले में एक और आरोपी को जयपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। वहीं इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए एक अन्य आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। सदर थाना प्रभारी सुभाष चंद्र ढिल्ल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान जयपुर के गणेश नगर निवासी आयुष शर्मा पुत्र सियाराम शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जहां से पूछताछ के लिए 5 दिन का पुलिस रिमांड मंजूर किया गया। पुलिस अब आरोपी से गिरोह के अन्य सदस्यों और ठगी के पूरे नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ने ठगी के जरिए हासिल किए गए महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान अपने परिचितों को बेच दिए थे। अब पुलिस इन सामानों की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

3 हत्याओं के 3 दोषियों को मिली उम्रकैद की सजा, लड़की को भगाकर ले जाने का था विवाद

कोटा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। न्यायालय अपर जिला क्रम संख्या-2 की पीठासीन अधिकारी सरिता धाकड़ ने कोटा ग्रामीण के बहुचर्चित खातौली तिहरे हत्याकांड के करीब 5 साल पुराने मामले में तीन आरोपियों को आजीवन कारावास और 20-20 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। अपर लोक अभियोजक भारतसिंह आसावत ने बताया कि 18 अप्रेल 2021 को परिवादी बूंदी के दबलाना थाने के गांव रेण निवासी लाला ने खातौली थाने में दर्ज करवाई रिपोर्ट में बताया कि उनके समाज की लड़की को बालू और उसका साथी हंसराज भगाकर ले गए।

इसकी रिपोर्ट दबलाना थाने में दर्ज करवाई थी। इसके बाद लड़की की तलाश के लिए बूंदी के देईखेड़ा थाने के लबान स्टेशन निवासी मुकेश (30), देईखेड़ा थाने के गांव पच्चीपला बालाजी के पास निवासी गोपाल (55) और उसके पिता बूंदी के दबलाना थाने के रेण गांव निवासी श्योजी (55) खातौली थाना क्षेत्र के गांव बालूपा गए थे। लड़की को तलाशते हुए वे तीनों 17 अप्रेल 2021 को बालूपा के छुआरी धाम पहुंचे। तलाश के दौरान शाम को उन्हें लड़की को भगाने वाले बालू व हंसराज मिल गए।

हॉस्टल में घुसा 5 फीट लंबा मगरमच्छ, जान बचाकर भागने लगे कर्मचारी और स्टूडेंट्स

कोटा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कोटा के एक हॉस्टल में 5 फीट लंबे मगरमच्छ के घुसने के बाद स्टूडेंट्स डर गए। दरअसल कोटा के कोरल पार्क में दोपहर को एक बॉयज हॉस्टल के अंदर अचानक मगरमच्छ घुस आया। हॉस्टल के बेसमेंट में बने मेस में 5 फीट लंबा मगरमच्छ पहुंचा उस समय मेस में खाना बन रहा था। मगरमच्छ को देखते ही कुक और वहां मौजूद कर्मचारी डरकर भागने लगे। जिसकी सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मगरमच्छ के हॉस्टल में पहुंचने की खबर फैलते ही वहां रहने वाले स्टूडेंट्स में भी डर का माहौल बन गया। वन विभाग काफी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को रेस्क्यू कर लिया।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस के कार्यों से एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन संतुष्ट

पीसीसी के संगठनात्मक गतिविधियों की सराहना की

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (पीसीसी) के संगठनात्मक कार्यों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और जनआंदोलनों पर पूर्ण संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में प्रभावी कार्य किया है। गांधी भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में मीनाक्षी नटराजन ने एआईसीसी के आह्वान पर संचालित संगठन सृजन अभियान, जय बापू-जय भीम, मनगेर कार्यक्रम, जिला कांग्रेस समिति अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रशिक्षण, बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं (बीएलए) की नियुक्ति, जिला कांग्रेस समितियों तथा मंडल समितियों के गठन जैसे कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ की विशेष रूप से प्रशंसा की। इस अवसर पर एआईसीसी कनेक्टिंग सेंटर के अध्यक्ष सेंथिल तथा एआईसीसी सचिव सचिन सावंत ने भी पीसीसी अध्यक्ष के साथ-साथ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय की पूरी टीम को बधाई दी। मीनाक्षी नटराजन ने प्रदेश कांग्रेस के महासचिव एवं पीसीसी अध्यक्ष कार्यालय के प्रभारी पी. प्रसन्न कुमार शर्मा की भी विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि शर्मा प्रत्येक माह जिला, विधानसभा, मंडल और ग्राम स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों की विस्तृत कार्य-प्रतिवेदन तैयार कर एआईसीसी को भेज रहे हैं।

जून माह की कार्य-रिपोर्ट का अवलोकन करने के बाद उन्होंने राज्य में पार्टी गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने हाल में आयोजित एसआईआर प्रक्रिया, बीएलए प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा जनहित पदयात्रा की समीक्षा करते हुए कहा कि तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति की संगठनात्मक कार्यप्रणाली देश के अन्य राज्यों के लिए आदर्श बन रही है। उन्होंने बताया कि लगभग 11 राज्यों के एआईसीसी नेताओं और कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों ने भी तेलंगाना पीसीसी के कार्यों की सराहना की है और यहां की कार्यप्रणाली को अन्य राज्यों में लागू करने में रुचि दिखाई है। मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य गांव से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत बनाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से राहुल गांधी के नेतृत्व को सशक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

साथ ही एसआईआर प्रक्रिया में पूरी सतर्कता बरतने तथा प्रत्येक बीएलए के लिए एक पर्यवेक्षक नियुक्त कर निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना पीसीसी की गतिविधियों पर एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा एआईसीसी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने भी संतोष व्यक्त किया है। मीनाक्षी नटराजन ने पार्टी कार्यालय के समन्वय, कार्य-प्रतिवेदन तैयार करने तथा संगठनात्मक कार्यक्रमों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पी. प्रसन्न कुमार शर्मा की विशेष प्रशंसा करते हुए उन्हें सोशल मीडिया, कनेक्टिंग सेंटर और संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक सक्रियता से आगे बढ़ाने का सुझाव दिया। उन्होंने गांधी भवन के कर्मचारियों के कार्यों की भी सराहना की। बैठक में पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, एआईसीसी कनेक्टिंग सेंटर के अध्यक्ष सेंथिल, एआईसीसी सचिव सचिन सावंत, प्रदेश कांग्रेस के महासचिव पी. प्रसन्न कुमार शर्मा, महासचिव कोप्पुला प्रवीण कुमार, गम्पा वेणुगोपाल तथा अन्य नेता उपस्थित थे।

गोदावरी में डूबने से पांच की मौत

मछली पकड़ने गए थे सभी आदिवासी

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना-आंध्र प्रदेश सीमा पर गोदावरी नदी में शनिवार को मछली पकड़ने गए पांच आदिवासियों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। घटना के बाद पुलिस और राजस्व विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से राहत एवं खोज अभियान चलाया।

जानकारी के अनुसार, आंध्र प्रदेश के पोलावरम जिले के येतापाका क्षेत्र के पास गोदावरी नदी में मछली पकड़ने के दौरान सभी लोग अचानक गहरे पानी में चले गए और लापता हो गए। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और राजस्व अधिकारियों ने तलाश शुरू की। कई घंटे की खोज के बाद पांचों के शव नदी से बरामद कर लिए गए।

मृतकों की पहचान भसुबोयिना बलाराजू (38), उके रमेश (38), उके सुशीला (37), तुर्रम भारती (40) और उके लक्ष्मी (37) के रूप में हुई है। सभी आंध्र प्रदेश के येतापाका मंडल स्थित गोम्मू कोठागुडेम गांव के निवासी थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है।

तेलंगाना और असम के राज्यपालों की हैदराबाद में मुलाकात

संवैधानिक मूल्यों और जनकल्याण योजनाओं पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शनिवार को असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने हैदराबाद स्थित लोक भवन में मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों राज्यपालों ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। मुलाकात के दौरान दोनों राज्यपालों ने संवैधानिक मूल्यों की रक्षा, देश की संघीय भावना को और मजबूत करने तथा जनकल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने तेलंगाना और असम में लागू किए जा रहे विकास एवं सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के संबंध में भी परस्पर जानकारी साझा की। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को तेलंगाना की संस्कृति, परंपराओं और राज्य की विशेषताओं के बारे में जानकारी दी।

असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान वे अपने परिवार के सदस्यों के साथ लोक भवन पहुंचे। वहां राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और उनकी पत्नी जानकी शुक्ला ने स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल दंपति ने असम के राज्यपाल को स्मृति चिह्न भी प्रदान किया।

सुपर अल नीनो के खतरे के बीच सरकार कमजोर मानसून की तैयारी कर रही है : उत्तम

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने विशेषज्ञों द्वारा सुपर एल नीनो कहे जाने वाले एक जलवायु घटनाक्रम की संभावना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि तेलंगाना सरकार अपर्याप्त वर्षा और जल संसाधनों के राज्य उपयोग के संबंध में बढ़ती अनिश्चितता से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय रूप से तैयारी कर रही है।

शनिवार को हैदराबाद के होटल अवासा में शिक्षा जगत, नागरिक समाज, सरकार और उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियों को एक साथ लाने वाले एक गैर-लाभकारी मंच "सिम्पोजियम" द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन पर एक बैठक में मुख्य भाषण देते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना पहले से ही जलवायु परिवर्तन के परिणामों का अनुभव करना शुरू कर चुका है और चेतावनी दी कि राज्य अपने जल संसाधनों की योजना बनाते समय अब ऐतिहासिक वर्षा पैटर्न पर निर्भर नहीं रह सकता है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, सिंचाई, खाद्य और नागरिक आपूर्ति के लिए जिम्मेदार व्यक्ति होने के नाते, मैं कह सकता हूं कि हम जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न अनिश्चितताओं का सामना पहले से ही कर रहे हैं। मंत्री ने बताया कि दिसंबर 2023 में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से, तेलंगाना में लगभग ढाई साल तक अनुकूल मानसून रहा है, जिससे जलाशयों में पर्याप्त जल भंडार, स्थिर सिंचाई आपूर्ति और पर्याप्त पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि मौजूदा मानसून इस प्रवृत्ति से काफी अलग है।

मंत्री जी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार संकट के गहराने का इंतजार किए बिना कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि सिंचाई, कृषि, पेयजल और नागरिक आपूर्ति से संबंधित विभाग किसानों और आम जनता पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए आपातकालीन उपायों का समन्वय कर रहे हैं।

किसानों और भाजपा नेताओं की गिरफ्तारी की भाजपा ने की निंदा

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी ने शमशाबाद के बहादुरगुड़ा में मेट्रो और बुलेट ट्रेन परियोजनाओं के नाम पर किसानों की जमीन जबरन अधिग्रहित करने के प्रयासों और इसके विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे किसानों तथा भाजपा नेताओं की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा और स्थानीय किसान राज्य में विकास कार्यों या मेट्रो और बुलेट ट्रेन परियोजनाओं के विरोधी नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार किसानों को उचित वैकल्पिक व्यवस्था और न्यायसंगत मुआवजा दिए बिना उपजाऊ कृषि भूमि छीनने का प्रयास कर रही है, जिसका पार्टी विरोध करती है। रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि किसानों को डराने के लिए एक हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती और बैरिकेड लगाना पूरी तरह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन में सुबह से प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेताओं को पुलिस ने अवैध रूप से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि रंगारेड्डी जिला भाजपा अध्यक्ष राज भूपाल गौड़, जिला प्रभारी सेवेला महेंद्र, वरिष्ठ नेता ठोकला श्रीनिवास रेड्डी सहित कई भाजपा नेताओं को हिरासत में लिया गया। उन्होंने राज भूपाल गौड़ को शंकरपल्ली पुलिस थाने और सेवेला महेंद्र सहित उनकी टीम के 12 सदस्यों को मोइनाबाद पुलिस थाने ले जाने की कार्रवाई का विरोध किया।

बस के सामने कूदकर युवक की मौत

मानसिक रूप से अस्वस्थ था मृतक

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले के पेनूबल्ली मंडल स्थित कोत्ता लंकापल्ली में एक मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक की टीजीएसआरटीसी बस के सामने कूदने से मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 31 वर्षीय जंगम रत्नाकर के रूप में हुई है, जो तल्लाडा के रामानुजवरम गांव का निवासी था। वह सथुपल्ली सरकारी अस्पताल में उपचाराधीन था।

बताया गया कि शुक्रवार तड़के रत्नाकर अस्पताल से बाहर निकल गया और कोत्ता लंकापल्ली के पास सड़क पर आ रही टीजीएसआरटीसी बस के सामने कूद गया।

टी-हब में एंडपर्पस फोरम का आयोजन

सतत विकास पर विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सतत विकास, जलवायु नवाचार, सामाजिक उद्यमिता, प्रभाव निवेश और कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एंडपर्पस फोरम का चौथा संस्करण शनिवार को हैदराबाद के टी-हब में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सरकार, उद्योग, स्टार्टअप, शिक्षा जगत और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर सतत विकास के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया।

मंच का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना था, जहां वे नए विचारों का आदान-प्रदान कर सकें, नवाचारों को प्रदर्शित करें और ऐसे सहयोग विकसित करें जो देश में सतत विकास को गति दें।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए री सस्टेनेबिलिटी के प्रबंध निदेशक एवं समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी मसूद मल्लिक ने कहा कि भारत की चक्रीय अर्थव्यवस्था अब केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक अवसर और रणनीतिक आवश्यकता भी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र में 300 से 400 अरब अमेरिकी डॉलर की संभावनाएं मौजूद हैं।

एंडपर्पस की संस्थापक कामना हजरती ने कहा कि भारत सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है और तेलंगाना नवाचार के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। एक दिवसीय इस फोरम में नवप्रवर्तकों, निवेशकों, उद्योग जगत, नीति निर्माताओं, स्टार्टअप, फाउंडेशन और सीएसआर क्षेत्र से जुड़े 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

'आर्ट बियॉन्ड वॉल्स' पहल का शुभारंभ

सार्वजनिक स्थानों तक पहुंचेगी भारतीय कला

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यंग फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन (वाईएफएलओ) हैदराबाद ने शहर में सार्वजनिक कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'आर्ट बियॉन्ड वॉल्स' पहल की शुरूआत की है। इस पहल के तहत संग्रहालय स्तर की भारतीय कला को प्रमुख होटलों और सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग कला से जुड़ सकें।

पार्क हयात हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क की पत्नी नंदिनी मल्लु ने किया। इस अवसर पर फिक्की एफएलओ की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूजा गर्ग सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

आयोजकों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य भारतीय कलाकारों को व्यापक पहचान दिलाना, कला को आम लोगों तक पहुंचाना और कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से लोगों को प्रकृति तथा संस्कृति से जोड़ना है। सार्वजनिक स्थानों पर कला प्रदर्शन से रचनात्मक संवाद को बढ़ावा मिलेगा और शहर की सांस्कृतिक पहचान भी मजबूत होगी।

'आर्ट बियॉन्ड वॉल्स' राष्ट्रीय स्तर पर एफएलओ की दृश्य कला पहल का हिस्सा है। इसके तहत पहली स्थापना अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त समकालीन कलाकार धनंजय सिंह की विशालकाय कलाकृति 'द ट्री' के रूप में पार्क हयात हैदराबाद में स्थायी रूप से स्थापित की गई है।

पब के बिल को लेकर युवक पर हमला

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में डेटिंग ऐप के जरिए हुई एक मुलाकात पब के बिल को लेकर हुए विवाद के बाद मारपीट की घटना में बदल गई। पीड़ित युवक की शिकायत पर माधापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, ओयू कॉलोनी निवासी एक युवक की पहचान एक डेटिंग ऐप के माध्यम से एक युवती से हुई थी। दोनों हाल ही में जुबली हिल्स स्थित एक पब में मिले, जहां उन्होंने साथ समय बिताया और भोजन के साथ शराब का सेवन किया। शिकायत में युवक ने आरोप लगाया है कि युवती ने पहले पब का बिल चुकाने का आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में पूरी राशि उसी से भरवा दी। जब उसने बाद में पैसे वापस मांगे तो युवती ने कथित तौर पर अपने कुछ साथियों को बुला लिया।

कांग्रेस सरकार ने बेरोजगार युवाओं के साथ विश्वासघात किया : केटीआर

सरूर नगर स्टेडियम में युवा संग्राम सदास्सु का हुआ आयोजन

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से सीधे तौर पर सवाल किया और कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं के साथ विश्वासघात किया गया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जनता पार्टी के वादों को पूरा न करने के लिए उसकी राजनीतिक मृत्यु की घोषणा करेगी। सरूर नगर स्टेडियम में युवा संग्राम सदास्सु को संबोधित करते हुए, केटी रामाराव ने राहुल गांधी को कांग्रेस के बहुचर्चित युवा घोषणापत्र की याद दिलाई, जिसका अनावरण तीन साल पहले उसी स्थान पर किया गया था, और उनसे पूछा कि इसके प्रमुख वादों में से कोई भी पूरा क्यों नहीं हुआ। राहुल गांधी को संबोधित करते हुए केटीआर ने कहा, राहुल गांधी जी, हो सकता है आपको तेलुगु समझ न आए, इसलिए मैं आपसे उसी भाषा में पूछता हूं जो आपको समझ आती है। क्या आपको अशोक नगर में बेरोजगार युवाओं से हुई मुलाकात याद है? पहले साल में दो लाख सरकारी नौकरियों के आपके वादे का क्या हुआ? जॉब कैलेंडर कहां है? 4,000 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता कहां है? कॉलेज की छात्राओं के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर, युवाओं के लिए ब्याज मुक्त ऋण और आपकी युवा घोषणा में किए गए अन्य वादों का क्या हुआ? केटीआर ने तेलंगाना में नौकरियों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे बेरोजगार युवाओं के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई पर राहुल गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, आप संविधान को हाथ में लेकर पूरे देश में घूमते हैं और लोकतंत्र की बातें करते हैं। जब तेलंगाना में बेरोजगार युवाओं पर लाठीचार्ज किया जा रहा है, उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है और उन पर मामला दर्ज किया जा रहा है, सिर्फ इसलिए कि वे आपकी ही पार्टी के वादों को लागू करने की मांग कर रहे हैं, तो आप चुप क्यों हैं? कांग्रेस के युवा घोषणापत्र को विश्वासघात की घोषणा बताते हुए केटीआर ने कहा कि तेलंगाना के युवाओं ने पार्टी की राजनीतिक मृत्यु की घोषणा कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार चुनाव से पहले किए गए रोजगार संबंधी सभी प्रमुख वादों को पूरा करने में विफल रही है। राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कोई अधिसूचना जारी नहीं हुई, सिर्फ लूटपाट हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार रोजगार सृजन करने के बजाय घोटालों और भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई है। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में शासन की बजाय घोटालों का बोलबाला है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी राज्य के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने की बजाय कांग्रेस हाई कमांड को खुश करने में अधिक रुचि रखते हैं।

निकायों में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सह-सदस्य के रूप में नियुक्त करने का निर्णय

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। समावेशी शासन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, तेलंगाना सरकार ने स्थानीय निकायों में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सह-सदस्य के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया है, जो उनके राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शनिवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में इस निर्णय की घोषणा करते हुए, अनुसूचित जाति विकास, जनजातीय कल्याण, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के कल्याण मंत्री अडलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि कैबिनेट की मंजूरी ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए गरिमा, प्रतिनिधित्व और समान अवसरों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ट्रांसजेंडर समुदाय के लगभग 25 नेताओं और कार्यकर्ताओं (जिनमें ट्रांसजेंडर महिला अधिकार कार्यकर्ता, ट्रांसजेंडर पुरुष अधिकार कार्यकर्ता और हिजड़ा समुदाय के नेता शामिल थे) ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात कर इस पहल के लिए उनका आभार व्यक्त किया और सरकार के समावेशी दृष्टिकोण की सराहना की।

स्थानीय निकायों में सह-सदस्य के रूप में उनका समावेश यह सुनिश्चित करेगा कि गांवों, मंडलों और शहरी स्थानीय निकायों के विकास में उनकी आवाज़ सुनी जाए। मंत्री ने कहा कि यह कदम ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को स्थानीय शासन और निर्णय लेने में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाकर कल्याणकारी उद्देश्यों से कहीं आगे जाता है। उन्होंने ड्राइविंग, खाना पकाने और ड्रोन संचालन में कौशल विकास, हैदराबाद मेट्रो स्टेशनों पर रोजगार और यातायात प्रबंधन से संबंधित नौकरियों सहित चल रही पहलों पर भी प्रकाश डाला। समुदाय के प्रतिनिधियों ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए इसकी सराहना की और कहा कि इससे सार्वजनिक जीवन में उनकी गरिमा, आत्मविश्वास और भूमिका मजबूत होती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.05/ डीवाई.सीएसटीई/सी-।/एससी/ 26-27, दि.16-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य सिग्नल & दूर संचार अभियंता (निर्माण-।), दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा सक्षम प्राधिकरण के अनुमोदन सहित निम्न कार्यो हेतु दि.10-08-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित है।

क्रम सं.-1, निविदा सं.- सी-एसजी-सी-36-5-237-2026-27, कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद डिवीजन के केजेडजे-बीपीक्यू 3री लाइन परियोजना के एमएजीएच-बीपीक्यू सेक्शन के बीच माणिकगढ जंक्शन (फेज-॥) ट्रिपलिंग कार्य सहित मौजूदा आउटडोर कार्यों में परिवर्तन से जुडा कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.17179473.81 पैसे, बोली सुरक्षा रु.343600.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने

बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु **वेबसाइट**:https://ireps.gov.in पर लागिन करें।

बोली सुरक्षा राशि को, ई-पेमेन्ट गेटवे द्वारा नकद रुप में जमा करना चाहिए अथवा अनुसूचित भारतीय वाणिज्यिक बैंक से आहरित बैंक गारन्टी बांड के रुप में प्रस्तुत करना चाहिए।

निविदाकार, अपने आफर्स या प्रस्तावों को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से लेकर पंद्रह दिन पूर्व अवधि में, प्रस्तुत कर सकते हैं।

निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

उप मुख्य सिग्नल & दूर संचार अभियंता, (निर्माण-।), सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं. एन-एसजी-36-2026-27-टीआरआर-21, दि.14-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर. डीएसटीई/एनइडी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. & दिनांकः एन-एसजी-36-2026-27-टीआरआर-21, दि.14-07-2026, कार्य विवरणः तत्संबंधित एस & टी कार्य (1) मनमाड-मुदखेड (डीएन & एसएल)-टीआरआर (पी) कार्य-11.837 टीकेएम (2) मनमाड-मुदखेड (अप)-सीटीआर (पी) कार्य-2.100 टीकेएम & अकोला-पूर्णा (एसएल)-सीटीआर (पी) कार्य-7.000 टीकेएम (3) परली वैजनाथ-परभणी (एसएल)-टीआरआर(पी) कार्य-4.100 टीकेएम (4) अकोला-पूर्णा (एसएल)-टीआरआर (पी) कार्य-11.213 टीकेएम (किमी 771 से 774.213 =3.213 किमी & 842 से 850 =8 किमी- कुल =11.213 टीकेएम), (5) मुदखेड-पिम्पलकुट्टी (एसएल)-सीटीआर (पी) कार्य-0.560 टीकेएम (99.763 से100.323=0.560 टीकेएम) & मनमाड-मुदखेड (एसएल)-सीटीआर(पी) कार्य-0.689 टीकेएम (372.561 से 373.250=0.689 टीकेएम), (6) अकोला-पूर्णा (एसएल)-टीआरआर (पी) कार्य-4.000 टीकेएम, (7) मनमाड-मुदखेड-सीटीआर(पी) कार्य-3.268 टीकेएम, परली-परभणी-सीटीआर (पी) कार्य-2.600 टीकेएम उक्त कार्य पैसेंजर रनिंग लूप लाइन्स पर। (8) मुदखेड-पिम्पलकुट्टी (एसएल)-टीआरआर (पी) कार्य-5.716 टीकेएम (14.76 से 20.76 टीकेएम=5.716 टीकेएम), (9) मनमाड-मुदखेड (अप)-टीआरआर (पी) कार्य-5.921 टीकेएम (किमी 334.88-337.8 =2.92 टीकेएम, 345.88-346.84=0.96 टीकेएम, 348.788-349.058 =0.27टीकेएम & 369.263-371.034=1.771 टीकेएम), (10) मनमाड-मुदखेड-सीटीआर (एस) कार्य-1.386 टीकेएम, मुदखेड-पिम्पलकुट्टी-सीटीआर(एस)-1.506 टीकेएम & अकोला-पूर्णा-सीटीआर (एस) कार्य-1.420 टीकेएम उक्त कार्य नान-पैसेंजर लूप लाइन पर। (11) मनमाड-मुदखेड-टीआरआर (पी) कार्य-1.830 किमी सिंगल लाइन 105.70-107.53-1.83 किमी।

अनुमानित परियोजना मूल्य रु.1,94,84,078.00, बोली सुरक्षा राशि रु.3,89,700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, बोली बंद तिथि (बोली तय तिथि)-05-08-2026 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथिः 05-08-2026 के 15.00 बजे के पश्चात्, वैध आफरः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा पुस्तिका मूल्य रु. शून्य

समस्त बिड्डिंग या बोली प्रक्रिया, भारतीय रेल ई-टेन्डरिंग **पोर्टलः** www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है। अधिक जानकारी **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, नान्देड

खुली ई-निविदा सूचना सं.-डीवाई.सीई/ जीएस/एससी/ 09/2026/ओटी, दि.16-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1, ई-निविदा संख्याः 09 _जीएस _एससी _26 _ओटी, कार्य विवरणः गति शक्ति युनिट, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे क्षेत्राधिकार के तहत विभिन्न कंस्ट्रक्शन साइट्स/सेक्शनों पर प्राजेक्ट सुपरविजन सर्विसेज एजेंसी (पीएसएसए) की नियुक्ति।

अनुमानित निविदा मूल्य रु.10,52,54,867.84, अग्रधन रु.6,76,300.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, मानक पात्रता मानदंडों के अनुरूप प्रकृति में समान माने जाने वाले कार्यः आरएफपी दस्तावेज 3.2.2 (1) नुसार तकनीकी क्षमता निर्धारित की जायेगी। बोली बंद करने की तिथिः 25-08-2026

निविदाकार, केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।

आईआरईपीएस **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण उपलब्ध हैं, जिसे डाउनलोड किय़ा जा सकता है, जिसमे भाग लिया जा सकता है तथा यदि कोई परिवर्तन हो तो देखा जा सकता है।

सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, केवल आनलाइन पेमेन्ट्स माध्यम से ही अग्रधन को जमा करें।

यह निविदा सूचना, सीपीएम/जीएस/एससी का कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शायी गयी है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त या कैंसल करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआईएन पहचान संख्याएं प्राप्त करें तथा इसे अपने आफर सहित प्रस्तुत करें।

उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. 16/2026, दि.17-07-2026
भण्डारण मदों की आपूर्ति, ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर प्रदर्शित की गयी है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in देखें & अपने आफर्स को आनलाइन पर प्रस्तुत करें। उक्त वेबसाइट पर निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी दिया गया है। मैन्युएल रुप से प्रस्तुत आफर्स अमान्य हैं। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। निविदा की तय तिथि की बंद करने का समय 14.30 बजे है। ''सभी स्वदेशी प्रस्ताव या आफर्स, अग्रधन को, केवल आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।''

निविदा सं.	संक्षिप्त कार्य विवरण
एलएच265952	केबीआई पार्ट नं.एसटीएन45004 के प्रति जंक्शन बाक्स
एलएच265746ए	एड्डी कर्रन्ट एर्रे इक्वीपमेंट
25264624	आइओएच रिप्लेसमेंट किट
25262098	हिटाची टीएम टाइप एचएस 15250ए के लिए पिनियन 16 टीथ
31255012बी	वंदे भारत ट्रेन हेतु डैम्पर्स सेट
एलवाई 265419	आपूर्ति, इंस्टाल्लेशन& हैड्रालिक डेड & बफर्स की कमीशनींग (टर्न की आधार पर)
43261006	मेटाआरमिड से बने निम्न सेट की आपूर्ति
38261587	स्लैक एडजस्टर टाईप आईआरएसए-600

टिप्पणीः निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां निम्न नुसारः

क्रम सं.01 दि.22-07-2026, क्रम सं.02 से 04 दि.06-08-2026, क्रम सं.05 दि.10-08-2026, क्रम सं.06 दि.11-08-2026, क्रम सं.07 दि.13-08-2026, क्रम सं.08 दि.17-08-2026

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी हैं। विस्तृत विवरण हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट पर जाएं।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/ सिकंदराबाद

A452

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

सिंधु पहली बार जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में

चीन की यूफेई को 7 साल बाद हराया

टोक्यो, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। उनका सामना जापान की अकाने यामागुची और इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वारदानी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा।

सिंधु ने सेमीफाइनल में चीन की वर्ल्ड नंबर-4 चेन यूफेई को हराया। सिंधु सेमीफाइनल में 21-19, 15-10 से आगे थीं, तभी चेन यूफेई हैमस्ट्रिंग में परेशानी के कारण मैच से हट गईं। इसी के साथ सिंधु ने लगातार 5 हार के सिलसिले को तोड़ दिया।

सिंधु 7 साल के बाद चीनी खिलाड़ी को हराने में कामयाब हुई हैं। उन्हें यूफेई पर पिछली जीत 2019 में वर्ल्ड चैंपियनशिप के दौरान मिली थी।

सिंधु करीब 2 साल बाद बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के किसी बड़े टूर्नामेंट का फाइनल खेलेंगी। इससे पहले उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल का खिताब जीता था। वे अब इस सीजन में अपना पहला और बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 लेवल का लंबे समय बाद पहला खिताब जीतने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

सिंधु को क्वार्टर फाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोआमी ओकुहारा ने वॉकओवर दे दिया था। इससे पहले वे चीन की हान यू को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने दूसरे दौर के मुकाबले को महज 35 मिनट में 21-16, 21-14 से जीत लिया।

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलें खारिज कीं

कहा- लॉड्र्स ओडीआई के बाद भी खेलते रहेंगे; चर्चा थी 19 जुलाई का मैच आखिरी होगा

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही अटकलों को खारिज कर दिया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि रविवार को लॉड्र्स में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच नहीं होगा।

सैकिया ने पीटीआई से कहा- रोहित के भविष्य को लेकर मीडिया में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि रोहित रविवार को लॉड्र्स में अपना आखिरी मैच खेलेंगे। उन्होंने कहा कि रोहित आगे भी भारत के लिए खेलना जारी रखेंगे। इससे पहले इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि 19 जुलाई को लॉड्र्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा वनडे रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया था कि बीसीसीआई ने रोहित को बता दिया है कि वे 2027 वनडे वर्ल्ड कप की प्लानिंग का हिस्सा नहीं हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई के चयनकर्ताओं ने कहा था कि रोहित की जगह यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। संन्यास लेने या चयन के लिए उपलब्ध रहने का फैसला रोहित शर्मा पर छोड़ दिया है।

साथ ही, इंग्लैंड दौरे पर उनके प्रदर्शन को भी इस चर्चा की एक वजह बताया गया। पहले दो वनडे में रोहित 11 और 26 रन ही बना सके थे। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फिटनेस पर काम करने के बावजूद रोहित चयनकर्ताओं के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं और उन्होंने बीसीसीआई के कुछ अधिकारियों से भी इस मुद्दे पर चर्चा की थी।

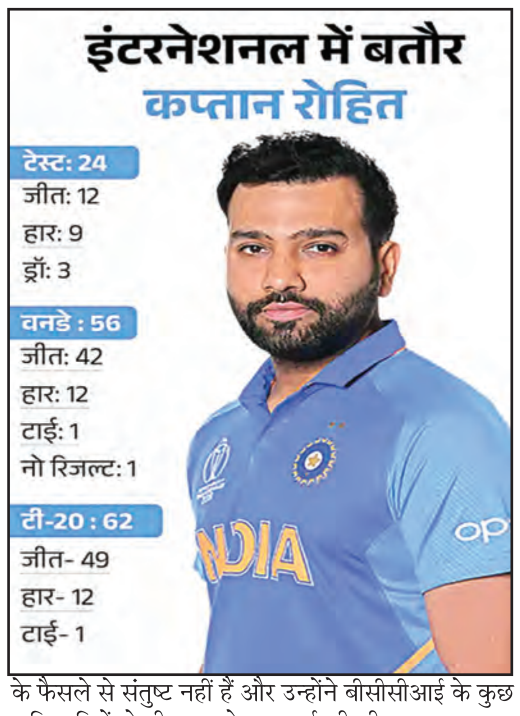

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि चयनकर्ता 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए नई टीम तैयार करना चाहते हैं और रोहित शर्मा उस योजना का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की। इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे में रोहित शर्मा 11 और 26 रन ही बना सके। इसके बाद उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गईं।

रिपोर्ट्स में कहा गया कि चयनकर्ता यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों को वनडे टीम में ज्यादा मौके देने की तैयारी कर रहे हैं। दो फॉर्मेट से पहले ही ले चुके हैं संन्यासरोहित शर्मा टी-20 इंटरनेशनल और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। इसी वजह से माना जाने लगा कि वह वनडे क्रिकेट को भी अलविदा कह सकते हैं।

रोहित की कप्तानी में भारत 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंचा। उन्होंने टीम को पहले गेंद से अटैक करने की स्ट्रैटिजी सिखाई। इससे वनडे क्रिकेट में भारत का नजरिया बदल गया। इसी टेम्पलेट पर भारत ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप भी जीता। फिर 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी जीताई। रोहित शर्मा भारत के सबसे सफल कप्तानों में शामिल हैं। उन्होंने 2017 से 2025 के बीच तीनों फॉर्मेट मिलाकर 142 मैचों में कप्तानी की। इसमें भारत ने 103 मुकाबले जीते। वनडे में उन्होंने 56 मैचों में 42 जीत, टी-20 इंटरनेशनल में 62 मैचों में 49 जीत और टेस्ट में 24 मैचों में 12 जीत दर्ज की। उनकी कप्तानी में भारत ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर दो ICC खिताब अपने नाम किए। उन्होंने भारत को 2018 और 2023 एशिया कप भी जिताया।

वर्ल्डकप फाइनल से पहले न्यूयॉर्क के आसमान पर खतरनाक धुआं

कनाडा के जंगलों की आग का असर, फुटबॉलर्स-फैंस की हेल्थ बड़ी चिंता

न्यूयॉर्क, 18 जुलाई (एजेंसियां)। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल से पहले कनाडा में लगी जंगलों की आग का धुआं न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी एरिया तक पहुंच गया है।

रविवार को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाले फाइनल मुकाबले पर इसका असर पड़ेगा या नहीं, इसे लेकर अभी भी अनिश्चितता की स्थिति है।

लेकिन, प्लेयर्स और फैंस की हेल्थ फीफा की बड़ी चिंता है। हालांकि, मौसम एजेंसियों ने मैच के दिन वायु गुणवत्ता में सुधार की संभावना जताई है। फाइनल देखने के लिए 80 हजार फैंस आएंगे।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के पूर्वानुमान के अनुसार, न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड की एयर क्वालिटी रविवार तक 'मॉडरेट' में आ सकती है। हालांकि, कुछ मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि शनिवार को होने वाली बारिश के बाद धुएं का नया गुबार क्षेत्र में पहुंच सकता है, जिससे स्थिति फिर बदल सकती है।

कोपरनिकस एटमॉस्फियर मॉनिटरिंग सर्विस के वरिष्ठ वैज्ञानिक मार्क पैरिंगटन ने कहा कि आग की तीव्रता बढ़ने पर अधिक धुआं वातावरण में पहुंच सकता है, जिसका असर रविवार तक देखने को मिल सकता है।

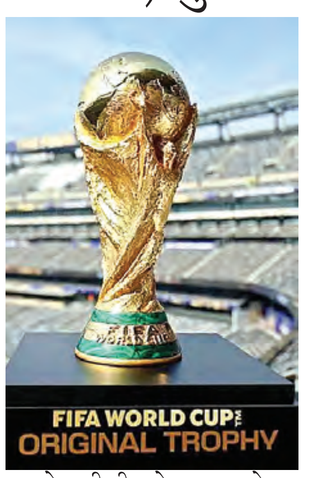

स्पेन की टीम ने गुरुवार को न्यू जर्सी के ईस्ट हैनोवर में खराब वायु गुणवत्ता के बीच खुले मैदान में अभ्यास किया। इस फैसले पर कई विशेषज्ञों ने सवाल उठाए और कहा कि टीम को इंडोर अभ्यास करना चाहिए था। हालांकि, हवा की गुणवत्ता में कुछ सुधार दर्ज किया गया।

स्पेन के मिडफील्डर मिकेल मेरिनो ने कहा, 'वर्ल्ड कप फाइनल जैसे बड़े मैच में बाहरी परिस्थितियों को दिमाग से निकालना जरूरी है। हम हर पहलू पर ध्यान दे रहे हैं और आयोजकों व महासंघ की ओर से पूरी सावधानी बरती जा रही है।'

डॉक्टर्स का कहना है कि जंगलों की आग का धुआं श्वसन तंत्र और हृदय पर असर डाल सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सैन डिएगो की प्रोफेसर डॉ. चैंटल डार्केन ने कहा कि मध्यम स्तर की वायु प्रदूषण की स्थिति में भी तेज शारीरिक गतिविधि करने वाले खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है।

न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में होने वाले फाइनल को देखने करीब 80 हजार दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। इसी बीच व्हाइट हाउस भी हालात पर नजर बनाए हुए है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम और फीफा अधिकारियों के बीच इस मुद्दे पर चर्चा हुई है।

बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज़: पॉलीक इमरे टूर्नामेंट में पूर्व अंडर-17 चैंपियन नेहा को स्वर्ण

खेल डेस्क, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पॉलीक इमरे, वर्गा जानोस और कोजमा इस्तवान मेमोरियल सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट के तीसरे दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। पूर्व अंडर-17 विश्व चैंपियन नेहा ने महिलाओं के 59 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। यह टूर्नामेंट में भारत का दूसरा स्वर्ण पदक है।

नेहा ने फाइनल मुकाबले में अमेरिका की एबिगेल ई. नेट को 6-4 से हराया। उन्होंने दबाव में भी बेहतरीन रणनीति का प्रदर्शन किया। यह जीत ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत के पहले दिन के स्वर्ण पदक के समान थी। महिलाओं के 62 किलोग्राम वर्ग में भारत ने एक रजत और एक कांस्य पदक जीता।

मानसी कनाडा की एना पी. गोडिनेज गोंजालेज के खिलाफ स्वर्ण पदक मैच में पहुंची। चोट के कारण उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इसी भार वर्ग के कांस्य पदक प्ले-ऑफ में सविता ने कजाकिस्तान की इरीना कुजनेत्सोवा को 14-5 से हराया।

इन तीन पदकों के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या आठ हो गई है। इसमें दो स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। शनिवार को महिलाओं के शेष वर्ग और ग्रीको-रोमन डिवीजन के मुकाबले शुरू होंगे।

महिलाओं की कुश्ती में निशु (53 किलोग्राम), नेहा शर्मा (57 किलोग्राम), दीक्षा मलिक (72 किलोग्राम) और प्रिया (76 किलोग्राम) भारत की चुनौती संभालेंगी। ग्रीको-रोमन में अनिल (72 किलोग्राम), रोहित बुरा और कुमार सुनील (87 किलोग्राम) मैट पर उतरेंगे।

कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू और लवलीना होंगी भारत की ध्वजवाहक

भारतीय ओलिंपिक संघ ने की घोषणा, दोनों खिलाड़ी हैं ओलिंपिक मेडलिस्ट

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ ने शनिवार को इसकी घोषणा की। इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

IOA अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों का यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। फिलहाल दोनों खिलाड़ी यूनाइटेड किंगडम में ट्रेनिंग कर रही हैं।

मीराबाई चानू 8 अगस्त को 32 साल की हो जाएंगी। वे करीब एक दशक से भारत की प्रमुख वेटलिफ्टर हैं। उन्होंने 2021 टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर और 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि वे 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीत सकीं, लेकिन ग्लासगो में वे भारत की बड़ी उम्मीद हैं। लवलीना बोरगोहेन ने टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड और 2023 हांगझू एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। ग्लासगो में होने वाले इन खेलों में लवलीना को भारत की प्रमुख पदक दावेदारों में से एक माना जा रहा है।

बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के उद्घाटन समारोह में भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह भारतीय दल के ध्वजवाहक थे। वहीं समापन समारोह में विश्व चैंपियन मुक्केबाज निखत जरीन और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल ने तिरंगा थामकर भारतीय दल की अगुआई की।

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 23 जुलाई से शुरू होने वाले 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारत ने अपने 125 एथलीटों के दल की घोषणा कर दी है। इस दल में 77 पुरुष और 48 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ी कुल 13 खेल विधाओं में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

क्रिकेटर्स ने सर गैरी सोबर्स को श्रद्धांजलि दी: कोहली ने लिखा- विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करेगी, तेंदुलकर ने कहा- हमेशा याद रखेंगे

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। दिग्गज क्रिकेट सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली सहित कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर सर गैरी सोबर्स को श्रद्धांजलि दी है। एक दिन पहले वेस्टइंडीज ने सर गैरी सोबर्स के निधन की जानकारी दी थी। 17 जुलाई को सोबर्स का 89 साल की आयु में निधन हो गया था।

सोबर्स क्रिकेट के सबसे महान ऑलराउंडर्स में से एक थे। उन्होंने 1954 से 1974 तक वेस्टइंडीज के लिए 93 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 57.78 की औसत से 8,032 रन बनाए और 235 विकेट लिए। सोबर्स ने सबसे पहले एक ओवर की सभी 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाने का पहला वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने फर्स्ट क्लास मैच में यह कारनामा किया था।

भारत को 1983 में पहला वर्ल्ड कप जिताने वाले पूर्व कप्तान कपिल देव ने सर गैरी सोबर्स को क्रिकेट इतिहास का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी बताया। कपिल ने कहा- 'क्रिकेट को समझने वाला हर व्यक्ति सोबर्स का मुरीद है। वे इस खेल के इतिहास में पैदा हुए सबसे शानदार क्रिकेटर्स में से एक थे।'

कपिल ने कहा- 'वे जिस अंदाज में वे क्रिकेट खेलते थे, उसने मेरे जैसे कई खिलाड़ियों को प्रेरित किया और आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया। उनके रिकॉड्र्स आज भी युवाओं को प्रेरित करते हैं। सोबर्स का जाना खेल जगत के लिए एक ऐसा खालीपन है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकेगा।'

पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने क्रिकेट के लिए यह सबसे दुखद दिनों में से एक है। सोबर्स वह खिलाड़ी थे, जैसा बनने का सपना हर बच्चा पहली बार बल्ला या गेंद हाथ में लेते समय देखता है। सोबर्स की यादें हमेशा उनके दिल में जिंदा रहेंगी।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने सोबर्स के साथ बिताए यादगार पलों को याद करते हुए कहा कि क्रिकेट ने अपने 'वन एंड ओ न ली ' महानायक को खो दिया है। सचिन ने एक्स पर लिखा कि सर गारफील्ड सोबर्स के निधन की खबर को स्वीकार करना बेहद मुश्किल है। वर्षों में उनके साथ बिताए कई पल आज बार-बार याद आ रहे हैं।

सोबर्स वास्तव में 'वन एंड ओनली' थे। उनकी बहुत कमी खलेगी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। उनकी बहुत कमी खलेगी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।' उन्होंने लिखा, 'वे हमेशा बेहद विनम्र और स्नेहिल रहे।' कोहली ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- 'क्रिकेट ने अपने सबसे महान खिलाड़ियों में से एक को खो दिया है।' विराट ने लिखा- 'सर गारफील्ड सोबर्स, आपको श्रद्धांजलि। उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।'

भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज फारुख इंजीनियर ने कहा- सोबर्स जैसे खिलाड़ी दोबारा पैदा होना बेहद मुश्किल है और उनके निधन से पूरा क्रिकेट जगत शोक में है। लंदन से PTI को दिए एक इंटरव्यू में फारुख इंजीनियर ने कहा कि सर गारफील्ड सोबर्स केवल महान क्रिकेटर ही नहीं, बल्कि शानदार इंसान भी थे।

उन्होंने कहा, 'वह अब तक के सबसे संपूर्ण क्रिकेटर थे। पूरा क्रिकेट जगत इस महान खिलाड़ी को हमेशा याद रखेगा। मैंने कुछ देर पहले वेस हॉल और श्रीमती सोबर्स से बात की। पूरे बारबाडोस में शोक का माहौल है।'

वॉशिंगटन सुंदर तीसरे वनडे से बाहर

लंदन, , 18 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और आखिरी वनडे मैच के लिए ऑलराउंडर हर्ष दुबे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें वॉशिंगटन सुंदर की जगह टीम में शामिल किया गया है। सुंदर दूसरे वनडे के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके कारण वह सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा वनडे कल लॉड्र्स में खेला जाएगा। हर्ष दुबे ने 13 जून 2026 को अफगानिस्तान के खिलाफ धर्मशाला में अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया। इस मैच में उन्होंने 5 ओवर में 47 रन देकर 3 विकेट लिए। सीरीज के दूसरे वनडे मैच के दौरान सुंदर के दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। भारतीय टीम मैनेजमेंट और मेडिकल स्टाफ अब वॉशिंगटन सुंदर की चोट पर नजर रखे हुए है। सुंदर की चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए जल्द ही उनके स्कैन कराए जाएंगे। इसके साथ ही उनकी चोट के आगे के मैनेजमेंट और रिकवरी के लिए विशेषज्ञों (स्पेशलिस्ट) की सलाह ली जाएगी।

अर्जेंटीना-स्पेन को फाइनल में पहुंचाने वाले गेमचेंजर

मेसी ने सबसे ज्यादा 8 गोल दागे, स्पेनिश गोलकीपर सिमोन ने सिर्फ 1 गोल खाया

खेल डेस्क, 18 जुलाई (एजेंसियां)।102 मैच, 31 दिन और 46 टीमों के बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 को दो फाइनलिस्ट मिल गए हैं। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार खिताबी मुकाबले में पहुंचा है, जबकि स्पेन 16 साल बाद फाइनल खेलेगा। दोनों टीमें 19 जुलाई की रात 12:30 बजे ट्रॉफी के लिए आमने-सामने होंगी।

फाइनल तक पहुंचने का रास्ता दोनों टीमों के लिए आसान नहीं रहा। कहीं आखिरी मिनट में मैच पलटा, कहीं एक्स्ट्रा टाइम में जीत मिली तो कहीं गोलकीपर ने शानदार बचाव कर टीम को बाहर होने से बचाया। अर्जेंटीना और स्पेन के इस सफर में 10 खिलाड़ी ऐसे रहे, जो जीत की सबसे बड़ी वजह बने।

लियोनेल मेसी, कप्तान, फॉरवर्ड

39 साल के मेसी एक बार फिर अर्जेंटीना के सबसे बड़े मैच विनर साबित हुए। ग्रुप स्टेज में अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाई। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ टीम 85 मिनट तक 0-1 से पिछड़ रही थी, लेकिन आखिरी सात मिनट में मेसी ने दो असिस्ट देकर मैच पलट दिया। उनके नाम पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 8 गोल हैं।

एंजो फर्नांडीज, मिडफील्डर

सेमीफाइनल में एंजो ने इंग्लैंड के खिलाफ 25 गज दूर से शानदार शॉट लगाकर बराबरी दिलाई। डिफेंस और अटैक के बीच तालमेल बैठाने, गेंद पर नियंत्रण रखने और खेल की रफ्तार तय करने में उनकी भूमिका बेहद अहम रही।

लॉटारो मार्टिनेज, स्ट्राइकर

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच 1-1 से बराबरी पर था। लॉटारो बतौर सब्स्टिट्यूट खेलने उतरे। इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में उन्होंने हेडर से गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचा दिया।

राउंड ऑफ-16 में मिस्र के खिलाफ अर्जेंटीना 0-2 से पीछे थी। 79वें मिनट में रोमेरो ने गोल कर वापसी की शुरुआत की और अगले 13 मिनट में टीम ने तीन गोल दागकर मैच पलट दिया। डिफेंस में उनके टैकल और इंटरसेप्शन ने कई मजबूत टीमों के हमले रोके।

जूलियन अल्वारेज, स्ट्राइकर

स्विट्जरलैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल एक्स्ट्रा टाइम तक खिंच गया था। 112वें मिनट में अल्वारेज ने बॉक्स के बाहर से शानदार गोल कर अर्जेंटीना को सेमीफाइनल का टिकट दिलाया।

उनाई सिमोन, गोलकीपर

स्पेन के फाइनल तक पहुंचने की सबसे बड़ी वजह उसका मजबूत डिफेंस रहा और उस डिफेंस की सबसे मजबूत कड़ी गोलकीपर उनाई सिमोन रहे। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाया। फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में एमबाप्पे के कई शॉट रोके। उन्होंने सभी मैच मिलाकर 609 मिनट तक गोल नहीं खाने का रिकॉर्ड भी बनाया।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स: अलीरेजा फिरोजा ने विश्व चैंपियन गुकेश को हराया, लगातार दूसरी जीत से शीर्ष पर पहुंचे

चेन्नई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा ने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को दूसरे दौर में 69 चालों के बाद मात दी। इस जीत के साथ फिरोजा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की और दो अंकों के साथ टूर्नामेंट में एकल बढ़त हासिल कर ली।

चेन्नई के वेस्टिन होटल में आयोजित इस प्रतिष्ठित क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट में दुनिया के आठ शीर्ष ग्रैंडमास्टर्स डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 75 लाख रुपये है, जबकि खिलाड़ियों के लिए फीडे सर्किट अंक हासिल करने का भी यह अहम अवसर है।

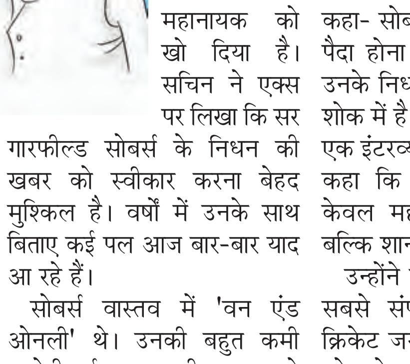

गुकेश और फिरोजा के मुकाबले की पहली चाल वेस्टिन चेन्नई वेलाचेरी के जनरल मैनेजर दीपराज मुखर्जी ने चली। सफेद मोहरों से खेल रहे फिरोजा ने रुई लोपेज ओपनिंग चुनी। मुकाबला लंबे समय तक बराबरी का रहा और ऐसा लग रहा था कि गुकेश नाइट-पॉन एंडगेम में ड्रॉ बचा लेंगे। लेकिन निर्णायक क्षणों में फिरोजा ने शानदार पॉन सैक्रिफाइस (प्यादे की कुर्बानी) और सटीक एंडगेम तकनीक का प्रदर्शन करते हुए बाजी पूरी तरह पलट दी। आखिरकार 69 चालों के बाद उन्होंने विश्व चैंपियन को हार मानने पर मजबूर कर दिया।

दूसरे दौर के अन्य मुकाबलों में भारतीय ग्रैंडमास्टर एम. प्रणेश ने पहले दौर की हार से उबरते हुए रूस के दिमित्री आंद्रेइकिन के खिलाफ सिर्फ 18 चालों में मुकाबला ड्रॉ कराया। वहीं भारत के अर्जुन एरिगैसी और उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव के बीच 43 चालों तक चले मुकाबले का भी कोई नतीजा नहीं निकला।

दिन का सबसे रोमांचक और सबसे लंबा मुकाबला भारत के निहाल सरीन और अमेरिका के हैंस नीमन के बीच खेला गया। दोनों खिलाड़ियों ने लगभग छह घंटे तक चले संघर्ष में असाधारण धैर्य और तकनीकी कौशल का परिचय दिया। आखिरकार 132 चालों के बाद मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ, जो अब तक टूर्नामेंट का सबसे लंबा मैच रहा।

पहले दौर में भी अलीरेजा फिरोजा ने भारतीय ग्रैंडमास्टर एम. प्रणेश को 79 चालों तक चले मुकाबले में हराया था। लगातार दो जीत के साथ फ्रांसीसी खिलाड़ी ने शुरुआती दौर में ही अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है। विश्व चैंपियन गुकेश पर मिली जीत न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगी, बल्कि उन्हें खिताब की दौड़ में सबसे आगे भी ले आई है। अब टूर्नामेंट के अगले दौरों में सभी की नजरें इस बात पर होंगी कि क्या फिरोजा अपनी विजयी लय बरकरार रख पाते हैं या भारतीय खिलाड़ी वापसी कर मुकाबले को और रोमांचक बनाते हैं।

नशीली दवाओं की अवैध बिक्री करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

77,700 गोलियां और 170 कफ सिरप की बोतलें बरामद

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नगर पुलिस के अपराध शाखा (सीसीएस) के विशेष अपराध दल ने हबीब नगर पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित एवं चिकित्सकीय पर्चे के बिना बेची जा रही नशीली दवाओं और कफ सिरप के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि छह अन्य आरोपी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद सरवर उर्फ रहीम (30) और मोहम्मद रब्बानी (32) के रूप में हुई है। दोनों मल्लेपल्ली के अफजल सागर क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार जम्मू भाई, महाधारी, वीरधारी, एचाधारी, अमनलाल और कोहिनूर नामक छह आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नाइट्राज़ोहम-10 की 49,200 गोलियां, निटकोर-10 की 18,300 गोलियां, नाइट्रावेट-10 की 10,200 गोलियां तथा चोको प्लस कफ सिरप की 170 बोतलें बरामद कीं। इस प्रकार कुल 77,700 गोलियां और 170 कफ सिरप की बोतलें जब्त की गईं। बरामद दवाओं की अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख रुपये बताई गई है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी बीदर से इन दवाओं और कफ सिरप की बड़ी खेप अवैध रूप से मंगाकर हैदराबाद में बिना किसी वैध अनुमति के ऊंचे दामों पर बेचते थे।

इन दवाओं को आदतन अपराधी, अपराध करने की योजना बनाने वाले संदिग्ध तथा विशेष रूप से युवा नशे और त्वरित उत्तेजना प्राप्त करने के लिए खरीदते थे। पुलिस का कहना है कि नशे की हालत में ऐसे लोग चोरी, लूट और अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हैं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध और एसआईटी), हैदराबाद एम. श्रीनिवास ने बताया कि नाइट्राज़ोहम, निटकोर और नाइट्रावेट जैसी दवाएं सामान्यतः गंभीर अनिद्रा, सीने में दर्द और कुछ अन्य चिकित्सकीय समस्याओं के उपचार के लिए चिकित्सकीय परामर्श पर दी जाती हैं, जबकि चोको प्लस कफ सिरप सूखी खांसी और सर्दी के उपचार में उपयोग किया जाता है। इन दवाओं का दुरूपयोग चक्कर आना, अत्यधिक उनींदापन, भ्रम, शरीर का संतुलन बिगड़ना तथा हृदय गति तेज होने जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। यह कार्रवाई विशेष अपराध दल के पुलिस निरीक्षक चि. सुधाकर राव और उनकी टीम ने हबीब नगर पुलिस के सहयोग से की। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अनधिकृत व्यक्ति से दवाएं, नींद की गोलियां या कफ सिरप न खरीदें और इनका सेवन केवल पंजीकृत चिकित्सक की सलाह पर ही करें।

नेताओं की नजरबंदी पर बीआरएस का विरोध

उच्च न्यायालय के आदेश पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस की ओर से शनिवार को सरूरनगर में आयोजित "युवा संग्राम सदास्सु" कार्यक्रम को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया। उच्च न्यायालय से कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मिलने के बावजूद पुलिस ने पार्टी के कई नेताओं को नजरबंद कर दिया, जिससे वे बैठक में शामिल नहीं हो सके।

बीआरएस का कहना है कि यह कार्यक्रम कांग्रेस सरकार द्वारा युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किए जाने के मुद्दे को उठाने के लिए आयोजित किया गया है। इससे पहले पुलिस ने कार्यक्रम की अनुमति देने से इनकार कर दिया था, लेकिन बाद में उच्च न्यायालय ने सभा आयोजित करने की अनुमति दे दी।

पार्टी के अनुसार, पूर्व मंत्री पी. सबीता इंदिरा रेड्डी और बीआरएस के महासचिव आर.एस. प्रवीण कुमार को पुलिस ने नजरबंद कर कार्यक्रम में जाने से रोक दिया। इस कार्रवाई पर बीआरएस नेताओं ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

खाद्य पदार्थों में मिलावट पर रोक के लिए तेलंगाना में बनेगा कड़ा कानून

मुख्यमंत्री ने मिलावट के खिलाफ प्रभावी कानून तैयार करने के दिए निर्देश

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार खाद्य पदार्थों और दवाओं में बढ़ती मिलावट की समस्या पर रोक लगाने के लिए जल्द ही एक सख्त कानून लाने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को मिलावट के खिलाफ प्रभावी कानून तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को एमसीआरएचआरडी संस्थान में तेलंगाना खाद्य मिलावट एवं औषधि नियंत्रण अधिनियम (टीजीएफएडीसीए) पर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सब्जियों, फलों, दूध और अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पत्तेदार सब्जियों, अन्य सब्जियों और दूध की गुणवत्ता बनाए रखने के नाम पर रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है। फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए भी रसायनों का प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फसलों में उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से रासायनिक अवशेष पाए जा रहे हैं, जिसके कारण विदेशों में ऐसे कृषि उत्पादों के आयात पर आपत्तियां उठाई जा रही हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि बाजारों में कुछ उत्पादों को 'जैविक' बताकर अधिक कीमतों पर बेचा जा रहा है, लेकिन इन उत्पादों की वास्तविकता जांचने के लिए वर्तमान में कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उन देशों का दौरा कर वहां लागू किए गए सख्त और व्यापक मिलावट विरोधी कानूनों का अध्ययन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अध्ययन के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए। इसके बाद विधानसभा में चर्चा और जनता के सुझाव लेकर नया विधेयक तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि प्रारंभिक चरण में मिलावट विरोधी उपायों को तेलंगाना कोर अर्बन रीजन (क्योर क्षेत्र) में पायलट परियोजना के रूप में लागू किया जाए। इसके बाद सामने आने वाली कमियों और समस्याओं के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को मिलावट की शिकायतें प्राप्त करने के लिए टोल-फ्री नंबर शुरू करने तथा शिकायतों की निगरानी के लिए सूचना देने वालों की व्यवस्था (व्हिसलब्लोअर प्रणाली) स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव संजय जाजू, पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद, मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं पदेन विशेष मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. शेषाद्रि, एन. श्रीधर तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मंदिर भूमि सर्वे के दौरान हंगामा

अधिकारियों पर हमले का प्रयास, मामला दर्ज

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंचरियाल जिले के चेन्नूर में शनिवार को श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर की भूमि का सर्वेक्षण कर रहे धर्मस्व विभाग के अधिकारियों के साथ कथित तौर पर अभद्रता और हमले का प्रयास किया गया। अधिकारियों ने घटना की शिकायत पुलिस से की, जिसके बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। जानकारी के अनुसार, धर्मस्व विभाग की टीम मंदिर की भूमि की पहचान और सीमांकन के लिए सर्वेक्षण कर रही थी। इस दौरान ट्रैक्टर की मदद से मंदिर की जमीन के चारों ओर बनाई गई कथित अवैध बाड़ को हटाया गया। इस कार्रवाई का लंबे समय से भूमि पर खेती कर रहे कुछ लोगों ने विरोध किया। आरोप है कि विरोध के दौरान कुछ लोगों ने लाठियों और लोहे की छड़ों से अधिकारियों पर हमला करने का प्रयास किया तथा उन पर मिर्च पाउडर फेंकने की भी कोशिश की। मौके पर मौजूद पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया और प्रदर्शनकारियों को शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने की सलाह दी।

अस्वच्छ भोजन पर एच-फास्ट की कार्रवाई, दो मामले दर्ज, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्त की कार्यबल इकाई के अंतर्गत हैदराबाद खाद्य मिलावट निगरानी दल (एच-फास्ट) ने शुक्रवार को चंद्रायणगुट्टा क्षेत्र के फास्ट फूड केंद्रों पर विशेष अभियान चलाकर खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के विरूद्ध कार्रवाई की। यह अभियान ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के खाद्य सुरक्षा अधिकारी के समन्वय से संचालित किया गया। अभियान के दौरान दो फास्ट फूड केंद्रों अल-मदीना चाइनीज़ फास्ट फूड सेंटर तथा ओमर चाइनीज़ फास्ट फूड सेंटर का निरीक्षण किया गया। जांच में दोनों प्रतिष्ठानों में गंभीर खाद्य सुरक्षा उल्लंघन पाए गए। इस संबंध में दो मामले दर्ज किए गए तथा तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों और जब्त सामग्री को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए चंद्रायणगुट्टा थाना प्रभारी को सौंप दिया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि भोजन अत्यंत अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार किया जा रहा था। बार-बार उपयोग किए गए खाद्य तेल तथा कृत्रिम रंगों का प्रयोग किया जा रहा था। कीट नियंत्रण संबंधी अभिलेख उपलब्ध नहीं थे, जल गुणवत्ता प्रमाणपत्र भी नहीं मिला तथा निर्धारित स्वच्छता मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था। खाद्य पदार्थों का रखरखाव और उपयोग भी सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण पाया गया। कार्रवाई के दौरान लगभग 20 लीटर उपयोग किया हुआ खाद्य तेल, 10 लीटर ताजा खाद्य तेल, लगभग 40 किलोग्राम तला हुआ चिकन, लगभग 40 किलोग्राम रंग मिला कच्चा चिकन तथा कृत्रिम खाद्य रंगों के तीन डिब्बे और छह पैकेट जब्त किए गए। यह विशेष अभियान एच-फास्ट के पुलिस निरीक्षक एन. रंजीत कुमार गौड़ और एम. अंजैया के नेतृत्व में उपनिरीक्षक वी. शंकर, एच-फास्ट दल तथा ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के खाद्य सुरक्षा अधिकारी आर. दैवनिधि की संयुक्त टीम ने चलाया।

हैदराबाद का नवाचार तंत्र देश को भविष्य की ओर अग्रसर करता रहेगा : रेवंत रेड्डी

सीएम ने ऐतिहासिक विक्रम-1 लॉन्च के लिए हैदराबाद स्काईरूट की सराहना की

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को हैदराबाद स्थित अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस को भारत के पहले निजी तौर पर विकसित कक्षीय प्रक्षेपण यान विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण के साथ इतिहास रचने के लिए बधाई दी। इस उपलब्धि को राज्य और राष्ट्र के लिए एक ऐतिहासिक सफलता बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सफलता हैदराबाद को एयरोस्पेस नवाचार और डीप-टेक उद्यम के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में मजबूती से स्थापित करती है। एक बयान में, रेवंत रेड्डी ने कहा कि आसमान की ऊंचाइयों को छूना भारत के लिए गौरव का दिन है, और हैदराबाद के लिए तो और भी अधिक गर्व का। तेलंगाना वह जगह है जहां भारत के अंतरिक्ष संबंधी सपने साकार होते हैं। स्काईरूट की पूरी टीम को बधाई, हैदराबाद का नवाचार तंत्र देश को भविष्य की ओर अग्रसर करता रहेगा। 'मिशन आगमन' नामक सात मंजिला, चार चरणों वाला रॉकेट श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से सफलतापूर्वक उड़ान भरने में सफल रहा। रॉकेट ने अपनी उड़ान प्रक्रिया को त्रुटिहीन रूप से पूरा किया और अपने प्रौद्योगिकी प्रदर्शन पेलोड को लगभग 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) में सटीक रूप से स्थापित किया। विक्रम-1 रॉकेट पूरी तरह से कार्बन कंपोजिट बॉडी से बना है और यह तीन सॉलिड-फ्यूल स्टेज और एक लिक्विड-फ्यूल ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यल (ओएएम) द्वारा संचालित होता है, जिसमें अंतरिक्ष में कई बार रीस्टार्ट होने के लिए डिज़ाइन किया गया 3डी-प्रिंटेड इंजन लगा है। इस सफल प्रक्षेपण के साथ स्काईरूट कक्षीय क्षमता हासिल करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी बन गई है, जो वाणिज्यिक अंतरिक्ष भागीदारी को बढ़ाने के भारतीय अंतरिक्ष नीति के लक्ष्यों को प्रमाणित करती है। महत्वपूर्ण वाणिज्यिक पेलोड के साथ, रॉकेट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हस्तलिखित पोस्टकार्ड भी ले गया, जिस पर 'वंदे मातरम' का संदेश था।

आईबी परीक्षा में छात्रों का शानदार प्रदर्शन

दो विद्यार्थियों ने हासिल किए पूरे अंक

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। इंडस इंटरनेशनल स्कूल हैदराबाद के दो छात्रों ने इंटरनेशनल बैकलॉरिएट डिप्लोमा प्रोग्राम (आईबीडीपी) मई 2026 परीक्षा में 45 में से 45 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। दोनों छात्रों की इस उपलब्धि को स्कूल के इतिहास में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

विद्यालय के छात्र रुहान गुडेली ने सिंगापुर की नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में गणित विषय में प्रवेश प्राप्त किया है, जबकि सुजय रेड्डी सुरुकुंती को अमेरिका के एनवाईयू स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस में वित्त विषय की पढ़ाई के लिए प्रवेश मिला है।

इस वर्ष विद्यालय के 12 विद्यार्थियों ने 40 या उससे अधिक अंक हासिल किए। इनमें अमोघ रेड्डी बादिकोल ने 44 अंक, आशना नारायण, ईशानवी तुपिली, इशिता चौधरी करुतुरी और सानवी काबरा ने 43-43 अंक प्राप्त किए। वहीं नैथ्रव सतीश, प्रणव नारायण गम्पा, श्रेया रमेश और श्रेया सिंह ने 41-41 अंक हासिल किए, जबकि संयोगिता बोब्बा ने 40 अंक प्राप्त किए।

विद्यालय की प्राचार्य फरीदा फराज ने छात्रों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एक ही वर्ष में दो विद्यार्थियों का पूर्ण 45 अंक प्राप्त करना विद्यालय के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है और यह विद्यार्थियों की मेहनत तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

मीनाक्षी नटराजन ने कांग्रेस विधायकों के साथ की बैठक

सह प्रभारी सचिन सावंत के साथ संगठन को और मजबूत बनाने पर चर्चा

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की महासचिव व तेलंगाना कांग्रेस की राज्य प्रभारी मीनाक्षी नटराजन अपने अनोखी कार्यशैली के कारण जानी जाती है। उन्होंने एआईसीसी सचिव व तेलंगाना कांग्रेस के सह प्रभारी सचिन सावंत ने कहा कि तेलंगाना में पार्टी संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से कांग्रेस के एक-एक विधायकों के साथ बैठकें कीं।

इस दौरान उन्होंने विधायकों से खुलकर उनकी समस्याओं और सुझावों पर बातचीत की। सूत्रों ने बताया कि 14 से 17 जुलाई के दौरान आयोजित इन बैठकों में प्रत्येक विधायक से संगठन, जनसंपर्क और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इन बैठकों से जमीनी स्तर की वास्तविक स्थिति को समझने और संगठनात्मक कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष आकलन करने का अवसर मिला। विधायकों से प्राप्त सुझाव और फीडबैक संगठन में आवश्यक सुधार करने तथा तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने में उपयोगी सिद्ध होंगे। माना जा रहाहै कि इन बैठकों से प्राप्त अनुभवों और सुझावों के आधार पर संगठन को अधिक प्रभावी बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा जमीनी स्तर पर पार्टी की कार्यशैली को और सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। कांग्रेस नेतृत्व संगठन को मजबूत करने और जनता से निरंतर संवाद बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में एआईसीसी सचिव व तेलंगाना कांग्रेस के सह प्रभारी सचिन सावंत ने विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत अंबरपेट विधानसभा क्षेत्र के पटेल नगर डिवीजन में आयोजित एसआईआर शिविर का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने मतदाताओं की सहायता में जुटे कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि कोई भी पात्र मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न रहे, इसके लिए पार्टी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शिविर का आयोजन खैरताबाद जिला कांग्रेस समिति ने जिला अध्यक्ष मोता रोहित के नेतृत्व में किया था। निरीक्षण के दौरान सचिन सावंत ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मतदाताओं को दी जा रही सहायता की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ घर-घर पहुंचकर मतदाताओं की मदद कर रहे हैं, जो प्रेरणादायक है। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव भी उपस्थित थे।

सरकारी विद्यालयों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान बनाना सरकार का लक्ष्य : अजहरुद्दीन

मंत्री ने तेलंगाना पब्लिक स्कूल का दौरा किया

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सार्वजनिक उपक्रम एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि तेलंगाना सरकार का लक्ष्य राज्य के सरकारी विद्यालयों को देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों के रूप में विकसित करना है। इसी उद्देश्य से सरकार आधुनिक सुविधाओं से युक्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

शनिवार को मंत्री ने रंगारेड्डी जिले के मंचाल मंडल स्थित आरुटला के तेलंगाना पब्लिक स्कूल का दौरा किया। उन्होंने विद्यालय में शैक्षणिक, खेल तथा आधारभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया और खेल मैदान में उनके साथ कुछ समय तक क्रिकेट भी खेला। मंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों के बीच आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई। उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की विशेष पहल से सरकारी विद्यालयों में अत्याधुनिक शैक्षणिक वातावरण, डिजिटल कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, विशाल खेल मैदान तथा बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और क्रिकेट जैसी खेल सुविधाएं विकसित की गई हैं।

उन्होंने कहा कि उनके बचपन में ऐसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं, फिर भी कठिन परिश्रम और लगन से आगे बढ़े। आज के विद्यार्थियों को मिल रहे अवसरों का पूरा लाभ उठाकर अपने जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। सफलता के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन, दृढ़ संकल्प और समर्पण आवश्यक हैं।

लंदन एनआरआई बीसी सेल ने शुल्क प्रतिपूर्ति की बकाया राशि जारी करने की मांग की

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एनआरआई बीसी सेल की यूके शाखा ने बीसी नेता और सांसद आर. कृष्णाया द्वारा शुरू किए गए सत्याग्रह के समर्थन में लंदन में विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में राज्य सरकार से शुल्क प्रतिपूर्ति योजना को समाप्त करने के कथित कदम को तत्काल वापस लेने, लंबित 8,000 करोड़ रुपये की शुल्क प्रतिपूर्ति राशि जारी करने, सरकारी आदेश संख्या 9 को रद्द करने और पिछली शुल्क प्रतिपूर्ति नीति को जारी रखने की मांग की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, एनआरआई बीसी सेल यूके के अध्यक्ष दुदिगम किरण कुमार ने गंभीर चिंता व्यक्त की कि राज्य सरकार छात्रों के भविष्य को खतरे में डाल रही है। उन्होंने कहा कि लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति राशि जारी न करने से हजारों गरीब और वंचित छात्रों की उच्च शिक्षा खतरे में पड़ गई है। किरण कुमार ने मांग की कि सरकार शुल्क प्रतिपूर्ति योजना को कमजोर करने के प्रयासों को तुरंत बंद करे और लंबित 8,000 करोड़ रुपये बिना किसी देरी के जारी करे। उन्होंने सरकार से सरकारी आदेश संख्या 9 को वापस लेने का भी आग्रह किया, जिसके बारे में उनका आरोप था कि यह छात्रों के हितों के खिलाफ है, और पूर्व की शुल्क वापसी प्रणाली को बहाल करने की मांग की। एनआरआई बीसी नेता नागराजू तौतम, वेणु कालाकोटा, रवि प्रदीप पुलुसु, सुनील कोक्कोंडा, हरि गौड़ नवापेट, अनिल दासराम, सुरेंद्र यादव, आदित्य नागिला, साई नवीन साकेथापुरम, कासा क्रांति, राज कुमार और अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया और अपनी एकजुटता व्यक्त की।

हैदराबाद से अमरावती बुलेट ट्रेन प्रस्ताव

70 मिनट में सफर का लक्ष्य

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार की प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल परियोजना के तहत हैदराबाद को अमरावती से बुलेट ट्रेन के जरिए जोड़ने की योजना पर काम शुरू करने की तैयारी है। परियोजना के पूरा होने पर दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय घटकर लगभग 70 मिनट रह जाने की संभावना है।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दक्षिण भारत में हाई-स्पीड रेल नेटवर्क के विस्तार की रूपरेखा पेश करते हुए इस प्रस्ताव की जानकारी दी। प्रस्तावित कॉरिडोर हैदराबाद, अमरावती, चेन्नई, बेंगलुरू, पुणे और मुंबई को जोड़ने वाले व्यापक बुलेट ट्रेन नेटवर्क का हिस्सा होगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.